

इरीस्ते आनेवालेको लिपते रहेते है. जो पहेले आये उसे पहेले लिपते है, और जब धमाम (भुत्भे के लिये) भैठ जाता है तो वो, आमालनामोंको लपेट लेते है, और आकर भुत्भ्या सुनते हैं, और जल्दी आनेवाला उस शप्शकी तरहां है जो अल्लाह त्वालाकी राहमें अेक ङित सफका करता है, और उस के बाद आनेवाला उस शप्शकी तरहां है, जो अेक गाय सफका करता है, उस के बादवाला उस शप्शकी तरहां है जो भेढा सफका करता है, फिर उसकी भीस्ल है जो मुरगी सफका करे, फिर उसकी भिस्ल है जो अंडा सफका करे.

१८८१ : अेक और सनदसे भी अैसी ही हदीष मन्कुल है.

१८८२ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही व सल्लमने इरमाया, “भरज्जुह के हर दरवाजे पर अेक इरीस्ता है जो आनेवालेको तरतीब के साथ लिपता रहता है. जैसे ङितका सफका करनेवाला फिर भतदरीज कम कर के अेके के सफकेका जिक् किया और जब धमाम (भुत्भे के लिये) भैठ जाता है तो इरीस्ते आमाल-नामें भंढ कर के जिक् सुनने आ जाते है.

१८८३ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “जुस शप्शने गुस्ल किया फिर जुम्भ (पण्डनेके) लिये आया और ज़तनी नमाअें उस के मुकदरमें थी (वो) पण्डी फिर आमोश भेढा रहा यहां तक के धमाम भुत्भेसे इरीग हो गया, फिर धमाम के साथ नमाअ पण्डी. तो उस के उस जुम्भासे लेकर पीछले जुम्भा तक और तीन जयादा दिनों के गुनाह मुआइ कर दिये जाते है.

१८८४ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “जुस शप्शने पुजु किया और अच्छी तरहांसे पुजु किया, फिर जुम्भा पण्डने आया और आमोशीसे भुत्भ्या सुना उस के धस जुम्भासे लेकर पीछले जुम्भा तक और तीन दिन जयादा के गुनाह मुआइ कर दिये जाते है, और इरमाया, “जो कंकरीयोंसे भेलता रहा उसने भे इयदा काम किया.

१८८५ : हजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लम के साथ नमाअ पण्डते थे. फिर वापस लौट कर अपनी (पानी लानेवाली) ङितनीअोंको आराम पहुँचाते थे.

इसनने जअइरसे पुछा उस वक्त क्या वक्त होता था ?

अन्होंने कहा, आइताभ ढलनेका वक्त. (जवाले आइताभ)

१८८६ : जअइर के वालीदने हजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे पुछा, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लम किस वक्त जुम्भाकी नमाअ पण्डते थे ?

अन्होंने कहा, जब आप जुम्भा पण्ड लेते फिर हम अपनी ङितनीअो के पास जाते और अन्हें आराम पहुँचाते.

अब्दुल्लाहने अपनी रिवायतमें आइताभ ढलनेका भी जिक् किया है.

१८८७ : हजरत सहल रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही व सल्लम के जमानेमें जुम्भा के बाद जाना आकर आराम करते थे.

१८८८ : हजरत सल्महदबिन अकवम रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हम जवाले आइताब के भाद रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम के साथ जुम्माकी नमाज पणहते थे फिर साया तलाश करते हुये लौटते थे.

१८८९ : हजरत सल्महद बिन अकवम रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम के साथ जुम्माकी नमाज पणहते थे और जब वापस लौटते थे तो दिवारोंका साया नहीं होता था, जिनकी आडमें हम साया हांसील करते.

१८९० : : हजरत धब्ने उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जुम्मा के दिन रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम भंडे होकर जुत्बा देते, फिर बैठकर भंडे होते जैसे के तुम आजकल कर रहे हो.

१८९१ : हजरत ज़ाबिर बिन समरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम हो जुत्बे देते थे. उन के दरम्यान (हो जुत्बेके) आप बैठते. आप कुरआन मज्द पणहते और लोगोंको नसीहत करते.

१८९२ : हजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम जुम्मा के दिन भंडे होकर जुत्बा पणहते थे. और जिस शश्ने तुम्हें ये पताया के, आप बैठकर जुत्बा देते थे. उसने जूठ कड़ा है. अल्लाहकी कसम में आप के साथ हो हजरसे ज्यादा नमाजें पणही है.

१८९३ : हजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लम जुम्मा के दिन भंडे होकर जुत्बा पणहते थे. अक बार शामसे उटोका अक काइला आया और बारह (१२) आदमियों के सिवा तमाम लोग काइलेकी तरफ चले गये. उस मौ के पर सूअे जुम्माकी ये आयत नाज़ील हुध. व-धज़र-अव तिज़रतन अव-लहुव-निल इह-दु व तरकुका काअेमह..... (जब उन लोगों ने (काइलाअे) तिज़रत या भेलको देभा तो ये उसकी तरफ दौड गये और आपकी भडा छोट गये.)

१८९४ : अक और सनदसे भी ये हदीष मन्कुल है जिसमें है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम जुत्बा दे रहे थे. और ये नहीं कड़ा के भंडे हुये थे.

१८९५ : हजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, अक बार जुम्मा के दिन हम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही व सल्लम के साथ थे. अक काइला आया और तमाम लोग उसकी तरफ चले गये. सिर्फ बारह लोग जाकी जये. मैं भी उनमें था उस मौ के पर अल्लाह त्आलाने ये आयत नाज़ील इरमाध. व-धज़र-अव तिज़रतन अव-लहुव-निल इह-दु व तरकुका काअेमह..... (जब उन लोगों ने (काइलाअे) तिज़रत या भेलको देभा तो ये उसकी तरफ दौड गये और आपकी भडा छोट गये.)

१८९६ : हजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जुम्मा के दिन रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम भंडे होकर जुत्बा दे रहे थे के मदीनेमें अक काइला आया और बारह सहाबा के सिवाय सभी लोग उसकी तरफ दौड पडे.

बिन आरह सदाबामें हजरत अबुबक और हजरत बिनर रहीअल्लाहो अन्दुम भी थे इस मौ के पर ये आयात नाजिल हुं. व-धजार-अव तिजरतन अव-लहव-निल इह-हु व तरकुका कायेमह..... (जब बिन लोगों ने (काइलाये) तिजरत या भेलको देभा तो ये बिसकी तरफ यल हिये और आपको भुत्भेमे भडा छोट गये.) (सुर-ये-जुम्मा : ११)

१८८७ : अबु अबैहह कहते है के, हजरत कअब बिन बिनरह रहीअल्लाहो अन्दो मरजुहमें दाबिल हुये बिस वक्त अबदुर्रहमान बिन अब्बे हुकुम भैठ कर भुत्भा दे रहा था. बिनहोंने कहा, इस भनीसको देभो ये भैठ कर भुत्भा दे रहा है. हातां के अल्लाह त्वाला इरमाता है, व-धजार-अव तिजरतन अव-लहव-निल इह-हु व तरकुका कायेमह..... (जब बिन लोगों ने (काइलाये) तिजरत या भेलको देभा तो ये बिसकी तरफ यल हिये और आपको भुत्भेमे भडा छोट गये.) (सुर-ये-जुम्मा : ११)

१८८८ : हजरत अबदुल्लाह बिन अब्बे और हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्दोसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम भिम्बरकी सीढीयों पर (से भेडे होकर) इरमा रहे थे, जुम्मा छोडनेसे लोग भाज आ जामें, वरना अल्लाह बिन के हिलों पर मुहर (सील) लगा देगा. और वोह गाइलोंमेंसे हो जामेंगे.

१८८९ : हजरत अब्बे बिन अब्बे और हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्दोसे रिवायत है के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के साथ नमाज पणही है आपकी नमाज और भुत्भा इरम्यानी थे.

१८९० : हजरत अब्बे बिन अब्बे और हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्दोसे रिवायत है के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के साथ नमाज पणही है आपकी नमाजें भी इरम्यानी होती थी और भुत्भात भी इरम्यानी होते थे.

१८९१ : हजरत अब्बे बिन अब्बे और हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्दोसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम जब भुत्भा देते तो आपकी आंभे सूर्भ हो जाती. आवाज बुलंद होती और जोश ज्यादा होता और औसा लगता जैसे आप डीसी जैसे लश्करसे उरा रहे हों जो सुबह शाममें हमला करनेवाला हो और इरमाते, मैं और कयामत इन दो बंगलियोंकी तरहां साथ साथ भेजे गये है. इर आप शहादतकी बंगली और इरम्यानी बंगलीको मिलाते और इह के बाद इरमाते, याह रभो, अहेतरीन भात अल्लाहकी किताब है, और अहेतरीन सीरत मुहम्मद सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी सीरत है और अहेतरीन काम इरमादत के नये तरी के हैं और इरमादतका इर नया तरीका गुमराही है.

और इरमाते, इर मुअमीनकी जान के तशईकका सभसे ज्यादा मुस्तहक मैं हुं. जोस शअशने माल छोडा वो बिस के वारीसांका है. और जोसने कर्ज या अहेलो अयालको छोडा वो मेरे जिम्मे है.

१८९२ : अक और सनहसे भी अल्लाजमें इरक के साथ ये हदीष मन्कुल है.

१९०३ : हुजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जुम्मा के दिन जुम्मेमें रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम अल्लाह त्वालाकी हुम्नो षना के भाह, आवाज बुलंद करते, उस के भाह ओपर जैसी ही हुदीष है.

१९०४ : हुजरत ज़ाबिर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम, जुम्मेमें अल्लाह त्वालाकी शान के मुताबिक उसकी हुम्नो षना करते थे फिर इरमाते अल्लाह त्वाला उसको हुदायत दे उसको कोष गुमराह करनेवाला नहीं हैं, और अल्लाह त्वाला उसको गुमराह करे उसको कोष हुदायत देनेवालो नहीं है (व मंय-यहुदी-अल्लाहो इला मुदील-ल-लाह व मंय-युदील-लाह इला हादियलाह) और जहेतरीन बात अल्लाह त्वालाकी किताब है.

१९०५ : हुजरत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हिमाह (नामी अेक शप्श) मक्कामें आया वोह कबीला अज्जे सनुअहसे था. और जन्नात के असरसे हम करता था. उसने जब मक्के के जेवकूँसे सुनाके, (अल अयाजु बिल्लाह) मुहुम्मह (सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम) मजनुत है तो उसने कहा, के अय काश ! मैं उन्हें देअ लेता. उनको अल्लाह मेरे हाथसे शिक्षा दे दे.) फिर वो आपसे मिला और कहने लगा. अय मुहुम्मह ! (सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम) मैं जन्नातका असर जाँल करता हुं. अल्लाह ज़से आहता है मेरे हाथसे शिक्षा करता है. आपका क्या जयाल है ? रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, "तमाम तारीफ़ अल्लाह ही के लिये है. अल्लाह त्वाला हुदायत दे उसे कोष गुमराह करनेवाला नहीं हैं, और ज़से वोह गुमराह करे उसे कोष राह हिमानेवाला करनेवाला नहीं हैं, और मैं गवाही देता हुं के अल्लाह त्वाला के सिवाय कोष शप्श एभाहतका मुस्तहक नहीं है वो यकता व तन्हा है और उसका कोष शरीक नहीं है. और मैं गवाही देता हुं के मुहुम्मह अल्लाह त्वाला के जेहे और उस के रसूल है.

हिमाहने कहा, ये कलेमात होबारा इरमाहअये.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने ये कलेमान तीन बार होहराये.

वो कहने लगा, मैंने काहिनो, ज़ाहुगरों और शायरोंका कलाम सुना है, एनमेंसे किसीका भी कलाम एस कलामकी गिह तक भी नहीं पहुँच शका. ये कलाम तो जलागत के समन्दरमें डूबे हुअे है. अपना हाथ जण्डाएये मैं आप के हाथ पर एस्लामकी जयअत करता हुं. फिर उसने आप के हाथ पर जयअत की. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, "तुम्हारी कौमकी जयअत भी करलो.

उसने कहा, मेरी कौमकी भी ?

रावी इरमाते है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने अेक लश्कर जेज, वो लोग उसकी कौम परसे गुअरे, लश्कर के अभीरने कहा, तुमने एन लोगोंकी कोष खीज ली है ? अेक शप्शने कहा, मैंने उनका लोटा लिया है.

उन्होंने इरमाया, "उसको वापस करदो. ये हिमाहकी कौम है.

१९०६ : अबु वाईल इरमाते है के, हमारे सामने हजरत अब्मार रहीअल्लाहो अन्होने भुत्पा पण्डा, जो भुप्तसर और जलीग था. जज वो भिम्बरसे गितरे तो हमने कडा, या, अबुल यकजान ! आपने निहायत भुप्तसर और जलीग भुत्पा पण्डा है, अगर मैं होता तो लम्भा भुत्पा पण्डता.

हजरत अब्मार रहीअल्लाहो अन्होने कडा, लम्भी नमाज और छोटा भुत्पा पण्डना, धन्सानकी इकीह होनेकी इलील है. परस, नमाज लम्भी पण्डो और भुत्पा छोटा पण्डो, और जाअज जयान गद्दु (जैसी) तासीर रभते हैं.

१९०७ : हजरत अही बिन हातिम रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, अेक शप्शने नबीअे करीम सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लम के सामने भुत्पा पण्डा. और कडा, जोस शप्शने अल्लाह त्वाला और उस के रसूलकी धताअत की, वो हिदायत पा गया, और जोसने धन हीनोंकी नाइरमानी की वो गुमराह हुआ.

१९०८ : हजरत यअला रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेही वसल्लम भिम्बर पर ये आयत पण्ड रहे थे. व नाइव, या मालिकु, ले यकजे अलयना रप्पका. (सुर-अे-अुअर्र्क : ७७)

तरजूमा :-वोह पुअर्रगे, अथ मालिक तेरा रज हमें तमाम कर चुके.

१९०९ : अमरह बिनते अब्दुर्हमान जयान करती है (रहीअल्लाहो अन्हुम)से रिवायत है के, काइ ! वल कुरआनील मज्जदकी सूत मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमसे सुनकर याद की है, आप धसे हर जुम्माको भिम्बर पर पण्डा करते थे.

१९१० : अेक और सनदसे ली अैसी ही इहीष मन्कुल है.

१९११ : हारीषा बिनते नोअमान रहीअल्लाहो अन्हो इरमाती है के, मैंने काइ वल कुरआनील मज्जद, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमसे सुनकर याद की है, आप हर जुम्माको भुत्पेमें ये सूत पण्डते थे और गिन्होंने पताया के गिनका और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमका तन्नुर अेक था.

१९१२ : गिम्मे हिशाम बिनते हारीषा बिन नोअमान रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, दो साल, अेक साल या कभोअेश गिनका और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमका तन्नुर अेक ही था और मैंने सू-अे-हाइ वल कुरआनील मज्जद रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमसे सुन कर याद की है. आप हरजुम्मा के भुत्पेमें धस सूतको भिम्बर पर पण्डते थे.

१९१३ : हजरत अब्मारह बिन रुवैहह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, गिन्होंने देभा के अशर बिन मरवान भुत्पे के हीरान हाथ गिहा रहा था. गिन्होंने कडा, अल्लाह त्वाला धन हीनों हाथोंको अरपाद कर दे, मैंने देभा के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेही व सल्लम. (भुत्प के हीरान) सिई शहादतकी गिगलीसे धशारा इरमाते थे.

१९१४ : अेक और सनदसे ली अैसी ही इहीष मन्कुल है.

१९१५ : हजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम जुम्ह के दिन जुत्बा दे रहे थे. धरसी अस्नाअमें अेक शप्श आया, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने उससे पूछा, अय इलां ! क्या तुमने नमाज पणहली है ?

उसने कडा, नहीं.

आपने इरमाया, “अे होकर नमाज पणहो.

१९१६ : अेक और सनहसे अैसी ही हदीष मन्कुल है.

१९१७ : हजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाहसे रिवायत है के, अेक शप्श मस्जुदमें दाबिल हुआ और (उस वक्त) रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम जुम्हका जुत्बा पणह रहे थे. आपने उससे पुछा क्या तुमने नमाज पणहली है ?

उसने कडा, नहीं.

आपने इरमाया, “अे होकर हो रकअत पणह लो.

१९१८ : अैसी ही अेक हदीष मतनमें थोडे इरक के साथ मन्कुल है.

१९१९ : हजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने जुम्हमें इरमाया, “जुम्ह तुममेंसे कोध शप्श जुम्हका के दिन आअे और (उस वक्त) अगर धमाम (जुम्ह देने के लिये) आ चुका हो तो हो रकअत पणहले.

१९२० : हजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जुम्हका के दिन हजरत सुलैक गत्फानी रहीअल्लाहो अन्हो आअे, और (उस वक्त) रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम भिम्बर पर तशरीफ इरमाये, सुलैक नमाज पणहनेसे पहेले भैठ गअे.

नबीअे कीरम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने पुछा क्या तुमने हो रकअत नमाज पणहली है ?

उन्होंने कडा, नहीं.

आपने इरमाया, “उिनको पणह लो.

१९२१ : हजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हजरत सुलैक गुत्फानी रहीअल्लाहो अन्हो जुम्ह के दिन आअे और (उस वक्त) रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम, जुम्ह दे रहे थे. वो आकर भैठ गअे. आपने उनसे इरमाया, “अय सुलैक ! अे होकर मुप्त्सर तौर पर हो रकअत नमाज पणह लो.

इर इरमाया, “जुम्ह तुममेंसे कोध शप्श आअे और धमाम जुम्ह दे रहा हो, तो वो धप्त्सेसरसे हो रकअत नमाज पणह.

१९२२ : हजरत अबु रिफ़ाया रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम के पास गया और (उस वक्त) आप जुम्ह दे रहे थे,

(रावी) कहते हैं डी मैंने अरज किया, या रसूलुल्लाह ! अेक मुसाफिर दीन के बारेमें सवाल करने आया है, उसे मालुम नही है के, दीन क्या है.

वो कहते है के, फिर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम जुल्ना पण्डकर मेरी तरफ़ मुतवज्जह हुअे, फिर अेक कुरसी लाध गध मेरा भयाल है उस कुरसी के पांव लोहै के थे, रावी इरमाते है के, फिर उस (कुरसी) पर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम तशरीफ़ इरमाध. और आपको जे कुछ अल्लाह त्वालाने दीनका धलम अता इरमाया था. उसकी मुजे त्वालीम ही फिर अपना जुल्ना पुरा किया.

१८२३ : इजरत अबु रफ़ैअ रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, भरवानने इजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होकी मदीना मुनव्वराका गवर्नर मुक़र्रर किया और वो मक्का मुक़र्रमा यला गया.

इजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होने जुम्हकी नमाज पण्डाध और दूसरी रकअतमें सू-अे-जुम्ह के बाद सूअे-मुनाफ़ेकीन पण्डी. मैं नमाजसे शरिग होकर इजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे मिला और मैंने कहा, आपने वो दो सूरतें पण्डी है. जे इजरत अली अभी तालीफ़ करमल्लाहो पण्डहु कुफ़ामें पण्डते थे.

इजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होने कहा, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमसे जुम्ह के दिन ये सूरतें सुनी है.

१८२४ : इजरत अब्दुल्लाह बिन रफ़ैअ रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, भरवानने इजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होको कायम मुक़ाम गवर्नर बनाया. इजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होने जुम्हकी पहेली रकअतमें सू-अे-सज्दह और दूसरी रकअत में, धजा ज़-अकल मुनाफ़ेकुन पण्डी. जाकीकी रिवायत जैसी ज़िपरवाली हदीषमें गुजरि वैसी ही है.

१८२५ : इजरत नोअमान बिन अशीर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम जुम्हा और धदिनकी नमाजमें, सुरे सब्जे हिरमे रब्बेकल आअला और हल अताका हदिषुल गासियह पण्डते थे और अगर जुम्ह और धद अेक ही दीन होती थी तो, तब भी वो दोनो नमाजोंसे धन्ही सूरतोंको पण्डते थे.

१८२६ : अेक और सनदसे भी जैसी ही हदीष मन्कुल है.

१८२७ : हलुहाक बिन केसने नोअमान बिन अशीरकी तरफ़ अेक लिखा हुआ अत भेज्ज और ये सवाल किया के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम जुमा के दीन (नमाजमें) सू-अे-जुम्ह के अलावा और कौनसी सूरत पण्डते थे ?

जिन्होंने जवाब दियाके, आप हल अताका हदीषुल गासियह पण्डते थे.

१८२८ : इजरत धब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम जुम्ह के दीन इजरकी नमाजमें सू-अे-अलीफ़-लाम-भीम तन्जील,(अस-सज्दह) और दूसरी रकअतमें, हल अता अलल धन्साने हितुम-बिन-द-हदर लकुम यकुन शयअम-मजकुरा (सू-अे-हदर) पण्डते थे और नबीअे

करीम सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम नमाजे जुम्ह में, सू-अ-जुम्ह और सू-अ-मुनाफ़ेकुन पणहते थे.

१८२६ : अक और सनहसे ली अैसी ही रिवायत मन्कुल है.

१८३० : अक और सनहसे ली अैसी ही रिवायत मन्कुल है.

१८३१ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम इब्नरकी नमाजमें, सू-अ-अलीफ़-लाम-मीम तन्जील, (अस-सज्दह) और हल अता अलल धन्साने हितुम-(सू-अ-दहर) पणहते थे.

१८३२ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम जुम्ह के दिन इब्नरकी नमाजमें पहेली रकअत में, अलीफ़ लाम-मीम-तन्जील (अस-सज्दह) पणहते थे और दूसरी रकअतमें, हल अता अलल धन्साने हितुम. मिन-द-दहर लकुम यकुन शयअम-मजकुरा (अस-सज्दह) पणहते थे.

१८३३ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, "जुम तुममेंसे कोछ शप्श जुम्ह के दिन नमाज पण के तो ओस के भाद यार रकअत नमाज पणहो.

१८३४ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, "जुम तुम जुम्हा के भाद नमाज पणहो तो, यार रकअत पणहो. दूसरी अक रिवायतमें है के, अगर तुमहें जल्दी हो तो, हो रकअत मरुज्दमें और हो रकअत धर ज़कर पणहो.

१८३५ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया तुममेंसे जो शप्श जुम्हा के भाद नमाज पण के वो यार रकअतमें पणहे.

१८३६ : नाफ़ेअ कहते है के, हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्हो नमाजे जुम्हासे शरीग़ होकर धर आकर हो रकअत नमाज पणहते थे और इरमाते थे के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम ली अैसा ही करते थे.

१८३७ : हजरत नाफ़ेअ इरमाते है के, हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्होने नबीअे करीम सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के नवाफ़िलका अयान करते हुअे कहा के आप नमाजे जुम्हसे शरीग़ होकर धर ज़कर हो रकअत नमाज पणहते थे.

१८३८ : हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम नमाजे जुम्हा के भाद हो रकअत पणहते थे.

१८३९ : अता इरमाते है के, ओन्हें नाफ़ेअ बिन जुबैरने साधण धणने ओप्तने-नमीर के पास कुछ अैसी आते पुछने के लिये लेजा जो ओन्होंने हजरत मुआवियह रहीअल्लाहो अन्होकी नमाजमें देणी थी.

साधणने कहा, हां, मैंने हजरत मुआवियह के साथ कइ-दुरहमें जुम्हा पणही थी, धमाम के सलाम इरने के भाद मैंने ओसी जगह ओठकर नमाज पणही थी. हजरत मुआवियहने

मुझे जुलाया और कड़ा, दोबारा ऐसा मत करना, जुम्ह पण्डने के बाद कुछ आत करो या ठिस जगहसे दूसरी जगह जाओ, फिर नमाज पण्डो, क्युं डी रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने हमें इस आतका हुकम दिया है और इरमाया है के, हम अक नमाजसे मुत्तसिल (मिलाकर) दूसरी नमाज ना पण के और दो नमाजों के बीच आतचीत या आहर जानेसे इसल करे. (आहर जाकर आओ)

१९४० : अता इरमाते है के, नाइअ बिन जुबैरने ठिन्हें साअेब बिन यजीद बिन ठिप्ते-नभीर के पास लेजा. आडी हदीष वैसी है जैसे ठिपर गुजरी. सिर्फ़ ये ईक है के, जब ठिसने सलाम इरा तो मैं अपनी जगह अडा रहा और धमामका जिक नहीं है.

किताबुस-सलातुल धिैन (धईक्री नमाओंक्र भयान)

१९४१ : हजूरत धंफने अफ्फास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम हजूरत अबु भक , हजूरत उमर और हजूरत उर्रमान रहीअल्लाहो अन्हो के साथ धहुल क्तिर के मौ के पर मैं साथ रहा हुं. ये सभी धईकी नमाज फुत्बेसे पहले पणहते थे. धस के आह फुत्बा हेते थे. आण भी ये मन्जर मेरी आंफो के सामने है. जफ नफीअे करीम सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने लोगोंकी अपने हाथसे भैठाना शुरू किया, फिर आप लोगोंकी सईंकी थीरते हुअे औरतों के पास तशरीफ ले गअे और हजूरत बिलाल आप के साथ थे. आपने ये आयत पणही.

या अय्योहन्नफीय्यो धजा जअकल मुअमेनातु युभाधयेउनक अला अल्ला युशरेकुन बिल्लाह (सूर-अे-मुत्तहीना : १२)

तरजुमा :- जफ आप के पास मुअमीन औरतें आअें और धस बात पर भयअत करें के वो अल्लाह त्वाला के साथ कीसी थीजको शरीक नहीं बनाअेंगी.

आयते करीमाकी तिलावतसे धरीग होकर आपने इरमाया, “क्या सभने धसका धकरार कर लिया ?

उन औरतोंमेसे सिई अेक औरतने कहा, हां, या नफी अल्लाह.

रावी कहते है के, पता नहीं वो औरत कौन थी ?

फिर उन सभी औरतोंने सढका करना शुरू किया

हजूरत बिलाल रहीअल्लाहो अन्होने अपना कपडा इैलाया और इरमाया, “आअो ! तुम पर मेरे मां आप इिहा हां !

वो औरतें अपने छलेकी अंगुडिया उतार कर हजूरत बिलाल रहीअल्लाहो अन्हो के कपडेमें डालने लगी.

१९४२ : हजूरत धंफने अफ्फास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं गवाही हेता हुं के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने फुत्बेसे पहले, नमाज पणही, उस के आह फुत्बा दिया.

आपने भयाल किया के, आपकी अवाज औरतों तक नहीं पहुंच रही हैं, फिर आप औरतों के पास आअे, आपने उनको वाअअ और नसीहत की और सढकेका हकम दिया. हजूरत बिलाल रहीअल्लाहो अन्हो आप के साथ कपडा इैलाये हुअे थे, औरतें, अंगुठी, छेले और दूसरी चीजें उसमें डालने लगी.

१९४३ : अेक और सनढसे भी अैसी ही हदीष मन्डुल है.

१९४४ : हजूरत ज़बिर बिन अफ्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने धहुल क्तिर के दिन फुत्बेसे पहले नमाज पणही. धस के आह

लोगोंको भुत्पा दिया. भुत्पेसे क्षरीग होकर. आप (भिम्बरसे) उत्तरे और आरतों के पास गये आपने उनको नसीहत की और उस वक्त आपने हजरत बिलाल रहीअल्लाहो अन्हो के हाथ पर टेक लगाए हुए थी. और हजरत बिलालने कपडा फैलाया हुआ था. और औरतें उसमें सफका डाल रही थी.

रावी इरमाते है मैंने अतासे पुछां क्या वो सफक-ये-क्षित्र डाल रही है ?

अताने कहा, नहीं, लेकीन वो सफका कर रही थी. औरतें उस कपडेमें छले डाल रही थी.

रावी इरमाते है के मैंने अतासे पूछा, क्या अब हमाम के लिये जरूरी है के, वो भुत्पेसे क्षरीग होकर औरतों के पास जाये और उनको नसीहत करे ?

अताने कहा, हां उन के लिये जरूरी हैं, वो जैसे क्युं नहीं करते ?

१८४५ : हजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, एहकी नमाज के मौ के पर मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो व सल्लम के साथ रहा हुं.

आपने ज़ाबिर अजान और एकामत के भुत्पेसे पहले एहकी नमाज पण्डाए. फिर हजरत बिलालसे टेक लगा कर आप भंडे हुं और लोगोंको अल्लाह त्वालासे डरनेका हुकम दिया. और अल्लाह त्वालाकी एहादतकी तरफ रगभत दिलाए और लोगोंको वाअजो-नसीहत की और इरमाथा के सफका दिया करों क्युं के तुममेंसे अकसर जहन्नुमका एधन हो.

औरतों के पिछले हिस्सेसे अक श्याह इभसारों वाली औरत भडी हुं और कहुने लगी. क्युं ? या रसूलुल्लाह ?

आपने इरमाथा, " एस वजहसे के तुम ज-कसरत शिकायत करती हो. और अपने भाविहकी नाशुकी करती हो.

हजरत ज़ाबिर इरमाते है के, फिर आरतोंने अपने जेवरातका सफका करना शरू कर दिया और हजरत बिलाल के कपडेमें अपनी बालीयां और अंगुठियां डालने लगी.

१८४६ : हजरत एब्ने अब्बास और हजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह अन्सारी रहीअल्लाहो अन्हो इरमाते है के, एहुल क्षित्र और एहुज-ओहा को ना हमाम के आने के वक्त अजान होती थी और नाही आने के बाद और ना एकामत होती थी.

१८४७ : अता इरमाते है के, हजरत एब्ने जुबैर रहीअल्लाहो अन्होसे जब लोगोंने भयअतकी तो हजरत एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होने अन्हो पयगाम लेजा के एह के मौ के पर अजान नहीं ही जाती कही तुम एह पर अजान ना हिलवा देना.

हजरत एब्ने जुबैरने एह पर अजान नहीं हिलवाए और ये पयगाम लेजा के भुत्पा अहुरहाल नमाज के बाद होगा. और वो जैसे ही करते थे. युनांये हजरत एब्ने जुबैर रहीअल्लाहो अन्होने भुत्पेसे पहले एहकी नमाज पण्डाए.

१८४८ : ज़ाबिर बिन समूरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहो व सल्लम के साथ कंए बार ज़ाबिर अजान और एकामत के एहकी नमाजें पण्ही है.

१९४९ : हुजरत एब्ने ओमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लम, हुजरत अबु बक और ओमर रहीअल्लाहो अन्हुम जुत्पेसे पहले घडकी नमाज पणहते थे.

१९५० : हुजरत अबु सएह जुहरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेही वसल्लम एदु-ज-जुहा और एदुल क़ित्रको तशरीफ़ ले जाते और नमाजसे एब्तेदा करते, नमाज पढने के बाद लोगोकी तरफ़ जाते, और ओस वक़्त लोग एदुगालुमें बैठे हुअे होते थे. अगर आपको कहीं लकर भेजना होता तो लोगोसे एसका ज़िक़ करते, अगर कोए और काम होता तो ओसका हुक़म देते और इरमाते सफ़का करो, सफ़का करो, सफ़का करो, औरतें ज़्यादह सफ़का देती थी. क़िर आप वापस तशरीफ़ ले जाते. एदुका यही मअमूल रहा यहां तक की भरवान बीन हुक़म का दौर आ गया, मैं भरवान के हाथमें हाथ डाले एदुगालुमें पहुँचा. वहां करीर एब्नुश-शलतका बयान हुआ भिम्बर एंटी और भिद्रीका था.

अयानक वो मुजसे अपना हाथ छुडाने लगा, वो मुजे भिम्बरकी तरफ़ घसीट रहा था और मैं ओसे नमाजकी तरफ़ बुला रहा था. जब मैंने ओसका एसरार देभा तो कहा, नमाज के साथ एब्तेदा कहां गध ?

भरवानने कहा, अय अबु सएह ! ओस तरिक़का तुम्हें हुक़म है वो अबु मतइक़ हो चुका है !

मैंने कहा, हरगीज नहीं ! क़सम है ओस जातकी ओस के हस्ते कुहरतमें मेरी जान है.

तुम एससे जेहतर तरीका अपत्त्यार नहीं कर शक़ते. ओसका मुजे एदम है.

अबु सएह तीन बार ये आत कहे कर अले गअे.

१९५१ : हुजरत ओम्मे अतिय्याह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमने हुमें हुक़म दिया है के, एदैन के मौ के पर जवाल और परदानशीन औरतोको लाया करे और हाअेजा ओरतोको हुक़म दिया के वो मुसलमानोंकी एदुगालुसे दूर रहे.

१९५२ : हुजरत ओम्मे अलियह रहीअल्लाहो अन्होको रिवायत है के, एम कुंवारी और परदानशीन औरतोको एदैनमें निकलनेका हुक़म दिया जाता था और हाअेजा औरतें लोगो के पीछे रहा करती थी.

१९५३ : हुजरत ओम्मे अलियह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमने हुमें हुक़म दियाके, एदुल क़ित्र और एदुज-जुहा के मौ के पर जवाल परदानशीन और हाअेजा औरतोको ले जाया करे. और हाअेजा औरते एदुगालुसे दूर रहे. लेकीन वो कारे-भैर और मुसलमानोंकी हुआअोमें शामिल रहे.

हुजरत ओम्मे अतियाने इरमाया, "मैंने अर्ज की, या रसूलुल्लाह ! एममेंसे कीसी औरत के पास याहर नहीं होती.

आपने इरमाया, "वो अपनी जहानकी याहर ओढ ले.

१९५४ : हुजरत एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेही वसल्लम एदु-ज-जुहा या एदुल क़ित्रको तशरीफ़ ले गअे और

हो रक्यत नमाञ्ज पण्डी. ना तो आपने छंदसे पहलेले नमाञ्ज पण्डी ना छंद के बाद पण्डी. फिर आप औरतों के पास तशरीफ़ ले गये. आप के साथ हजरत बिलाल थे, आपने गिन्हें सहकेका हुकम दिया, कोछ औरत अपना छल्ला डालती तो कोछ अपना हार.

१९५५ : अक और सनदसे भी औरी ही हदीष मन्कुल है.

१९५६ उर्बेहुल्लाह इरमाते है के, हजरत गिभर छप्ने भत्ताभ रहीअल्लाहो अन्होने हजरत अबु वाहिद अल लयसी रहीअल्लाहो अन्होसे सवाल किया के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम नमाजे छुअ-जुहा और नमाजे छुल क्त्र में क्यापण्डते थे ?

गिन्होंने कहा, आप गिनमें कौंके, वल-कुरआनील मज्जद और छकतरभ-तिस-साअतो वन नुसकल कभर पण्डते थे.

हजरत अबु वाहिद लयसी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हजरत गिभर छप्ने भत्ताभ रहीअल्लाहो अन्होने मुजसे पूछा, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम, छंद के दिन क्या कीरअत करते थे ?

मैंने कहा, छकतरभ-तिस-साअत और कौंके वल कुरआनील मज्जद.

१७५७ : हजरत आअेशह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हजरत अबु भक रहीअल्लाहो अन्हो मेरे घर तशरीफ़ लाये और गिस वक्त मेरे पास अन्सारकी हो नाबालीग लडकियां अन्सारकी भुआस के ञंगका वाडेआ भयान करनेवाली नअम गा रही थी.

१७५८ : हजरत आअेशह रहीअल्लाहो अन्होने इरमायाके, वो जाकायदा गाने वाली नही थी. हजरत अबु भक रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के घरमें ये क्या शैतान के साज है ?

और ये छंदका हीन था. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “अय अबु भक ! हर कौमकी छंद होती है और ये हमारी छंद है ?

१९५९: अक और सनदसे भी ये रिवायत मन्कुल है के, वो होनों लडकियां उइ भज रही थी.

१९६० : हजरत आअेशह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हजरत अबु भक रहीअल्लाहो अन्हो भीना के दिनोमें मेरे घर आये और गिस वक्त मेरे पास (अन्सार की) हो लडकिया गाना गा रही थी, और उइ भज रही थी. और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम कपडा ओढे लेते हुये थे. हजरत अबु भक रहीअल्लाहो अन्होने गिन्हें डांट दिया रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने अपना कपडा हटाया और इरमाया, “अय अबु भक ! रहने हो ये औरीमे छंद है.

हजरत आअेशह रहीअल्लाहो अन्हो इरमाती है के, हुअुरे अकदस सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम मुजे अपनी यादरमें छुपाये हुये थे. और मैं हजरीयोको भेलते हुये देभ रही थी. मैं गिस वक्त कभसीन थी और तुम भुद अंदाज करो के भेलभुदकी शौकीन कभसीन लडकी कीतनी देर तक भेल देभना चाहेगी.

१९६१ : हुजरत आग्नेशह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, मैंने देखा के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम मेरे कमरे के दरवाजे पर ખેडे हुअे थे और हुभशी अपने इधियारोंसे रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी मस्जुदमें जंगी मुशकीले कर रहे थे.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम मुजे अपनी यादरमें छुपाअे हुअे थे ता की मैं उनकी जंगी मशकिलें देअ शकुं हुजुर सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम मेरी वजहसे ખेडे रहे जबतक के मेरा हिल भर गया. और मैं ખुद वहांसे चली थछ.

अभ आप ખुद अंदाजा लगा लो के जे लडकी कमरीन हो और ખेलका छतना शौक रभती हो वो कभ तक देभेगी ?

१९६२ : हुजरत आग्नेशह सीदीकह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम तशरीफ लाअे और उस वक्त मेरे पास हो लडकियां जंगे बुआसकी नऊम गा रही थी. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम अहेरा हेर कर लेट गअे.

हेर हुजरत अबु अक रहीअल्लाहो अन्हो आअे, और मुजे डांट कर कहा, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी मौजुदगीमें शयतानी साह ?

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने उधर देअकर इरमाया, “छनको रहेने हो.

जभ रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी तवजजे हटी तो मैंने उन लडकियोंको छशारा किया और वो चली गछ.

और छद के हिन हुभशी नेजों और ढालों के साथ ખेलते थे. यातो मैंने कहा, या रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने ખुद इरमाया, “क्या तुम देभना आहती हो ?

मैंने कहा, जू हां.

आपने मुजे अपने पीछे ખडा किया, यहां तक के मेरा अहेरा और आप के अहेरे पर था और आप इरमा रहे थे, अय अनु अरक़िहल ! तुम ખेलते रहो.

यहां तक के जभ मैं उकता गछ तो आपने इरमाया, “अस ?

मैंने कहा, जू.

आपने इरमाया, “अअछा, जअो.

१९६३ : हुजरत आग्नेशह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है अेक बार छद के हिन हुभशी मस्जुदे नभवीमें आकर जंगी मुशकीले कर रहे थे. मुजे नभीअे करीम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने बुलाया, मैंने आप के कंधे पर सर रभ्या और उनकी मशकीलोंको देभने लगी. यहां तक के ये देअ कर मेरा जू भर गया.

१९६४ अेक और सनहसे ली अैसी ही हदीष मन्कुल है लेकीन छसमें मस्जुदका जीक नही है.

१९६५ हुजरत आग्नेशह रहीअल्लाहो अन्हा इरमाती है के, उन्होंने मशक करनेवालों के मुताल्लीक कहा मैं उनकी मुशकिल देभना आहती हुं. हुजरत आग्नेशह

रहीअल्लाहो अन्हा इरमाती है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आल्लोही वसल्लम और मैं ओक दरवाजे पर भंडे हो गये. मैं आप के कानों और कंधों के दरम्यानसे गिनकी भशक करते हुये द्वाभ रही थी.

१९६६ इजरत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जूस वक्त हुषशी रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लम के पास भेल रहे थे, इजरत गिभर धुने भत्ताभ रहीअल्लाहो अन्हो आये और गिनकी मारनेकी भातीर कंकरीयां गिहाने के लिये जुके.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो त्वाला अल्लयहे व आल्लोही व सल्लमने इरमाया, “अय गिभर धनकी रहेने हो.

किताबुस-सलातुल धस्तीरुका

(आरीशकी नमाअक़ अयान)

१९६७ : हुजरत अब्दुल्लाह बिन जैद माजीनी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम धदगाह गये और आरीशकी दुआ मांगी. और किफ़्लेकी तरफ़ मुंह कर के याहर पलट ही.

१९६८ : अब्बाह बिन तमीम रहेमतुल्लाहो अलयहे अपने आयासे रिवायत करते है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम धदगाह गये. आरीशकी दुआ मांगी, किफ़्लेकी तरफ़ मुंह किया, याहर पलटी और दो रकअत नमाअ पण्डी.

१९६९ : हुजरत अब्दुल्लाह बिन जैद अन्सारी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम धदगाह गये आरीशकी दुआ की. आप ७५ भी दुआका धरादा करते तो किफ़्लेकी तरफ़ मुंह करते और याहर पलट देते थे.

१९७० : अब्बास बिन तमीम अपने आया ज़े के सहाबी है उनसे रिवायत करते है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम अेक दिन बाहर आये, आरीशकी दुआ की, लोगोंकी तरफ़ पीठ करते हुये अल्लाह त्वालासे दुआ की. फिर याहर पलट ही, शीर दो रकअत नमाअ पण्डी.

१९७१ : हुजरत अनस रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैंने देखा है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम. दुआमें अपने हाथ धस कहर जुलुंफ़ करते थे के आपकी अगलौंकी सुईही (की जगह) हीआध़ देने लगती थी.

१९७२ : हुजरत अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने आरीशकी दुआ की और हाथोंकी पुस्तसे आसमानकी तरफ़ धशारा किया.

१९७३ हुजरत अनस रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम धस्तीरुकाकी दुआ करने के मौक़े के सिवाय और कीसी भी मौ के पर दुआ के लिये हाथोंको धतना जुलुंफ़ नहीं करते थे के ज़ुससे आपकी अगलौंकी सुईही हीआध़ देती.

१९७४ : हुजरत अनस रहीअल्लाहो अन्होसे अपरवाली हदीष के जैसी ही हदीष मन्कुल है.

१९७५ : हुजरत अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, अेक शप्श जुम्अ के दिन दाख़ल कजा के दरवाजेसे मस्जिदमें दाबिल हुआ और उस वक्त रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम षडे होकर जुत्बा दे रहे थे. वोह रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी तरफ़ मुंह कर के कहेने लगा, या रसूलुल्लाह ! माल हलाक़ हो गये (दोर दांअर) और रास्ते कट गये आप अल्लाह त्वालासे दुआ किजुअे के वो आरीश अरसाअे.

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને હાથ ઊઠા કર ફરમાયા, “યા અલ્લાહ ! બારીશ બરસા, યા અલ્લાહ બારીશ બરસા ! યા અલ્લાહ બારીશ બરસા.

હજરત અનસ રદીઅલ્લાહો અન્હોકા કહેના હૈ કે, બખુદા, હમને આસમાનમેં કોઈ બાદલ ભી નહીં દેખા થા ઔર ના હી બાદલકા ટૂકડા, હમારે ઔર સલ્અ પહાડી કે દરમ્યાન ના તો કોઈ ઘર થા ના કોઈ મુહલ્લા થા. ફિર સિલ્અ કી પહાડી કે પીછેસે ઢાલ કે બરાબર એક બાદલ ઊઠા ઔર આસમાન કે ઊપર પહુંચ કર ફેલ ગયા ઔર બારીશ હોને લગી.

રાવી ફરમાતે હૈ કે, ફિર હમને એક હમ્મે તક સૂજ નહીં દેખા. ફિર દૂસરી જુમ્આકો એક શખ્શ ઊસી દરવાજેસે દાખિલ હુઆ. ઔર ઊસ વક્ત રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લમ ખંડે હોકર ખુત્બા દે રહે થે. વો આપકી તરફ મુંડ કર કે ખડા હુઆ. ઔર કહને લગા. માલ હલાક હો ગયે, રાસ્તે કટ ગયે, આપ અલ્લાહ ત્આલાસે દુઆ કિજુએ, કે બારીશકો હમસે રોક લે..

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફિર હાથ ઊઠાકર દુઆ કરતે હુઆ ફરમાયા, “અય અલ્લાહ ! હમારે ઈર્દ ગિર્દ બરસા હમ પર ના બરસા, અય અલ્લાહ, ટીલોં પર, બુલંદીયોં પર, નદીઓં પર ઔર દરખ્તોં કે ઊગનેકી જગહોં પર બારીશ નાઝીલ ફરમા.

હજરત અનસ રદીઅલ્લાહ ફરમાતે હૈ કે, ફીરન હી બારીશ રુક ગઈ ઔર હમ બાહર ધૂપમેં ચલને લગે.

રાવી ફરમાતે હૈ કે, મૈને હજરત અનસ બિન માલીક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે પૂછા કે કયા યે વહી પહેલેવાલા શખ્શ થા ?

હજરત અનસ રદીઅલ્લાહોને ફરમાયા, “મુજે નહીં પતા.

૧૯૭૬ હજરત અનસ બિન માલિક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે જમાનેમેં એક બાર બારીશ નહીં હુઈ. જુમ્આ કે દિન જીસ વક્ત રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લમ ખુત્બા દે રહે થે એક બદવી (સહાબી)ને ખંડે હોકર કહા, યા રસૂલુલ્લાહ ! અમવાલ હલાક હો ગયે ઔર બાલ બચ્ચે ભૂખે મર ગયે. ઊસ કે બાદ વહી હદીષ રિવાયત હૈ જો ઊપર ગુજરી હૈ. ઇસ હદીષ મેં યે હૈ કે, આપને ફરમાયા, “અય અલ્લાહ ! હમારે ઈર્દ ગિર્દ બરસા, હમ પર ના બરસા, ફિર આપ જીસ તરફ ભી ઇશારા કરતે બાદલ છંટ જાતા, યહાં તક કે મૈને દેખા, મદીના ઘંડેકી તરહાં હો ગયા ઔર કનાત નામકી નદી એક મહિના તક બહેતી રહી. ઔર જો શખ્શ ભી બાહરસે આતા થા વો બારીશકી હી ખબર સુનાતા થા.

૧૯૭૭ : હજરત અનસ બિન માલિક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લમ જુમ્આ કે દિન ખુત્બા દે રહે થે. લોગ આપ કે સામને ખંડે હોકર બુલંદ આવાઝસે કહેને લગે, યા નબીઅલ્લાહ ! બારીશ નહીં હો રહી હૈં, દરખ્તોં કે પત્તે સુખ ગયે ઔર જાનવર મર ગયે.

ઇસ કે બાદ ઉપર જો હદીષ હે વૈસી હી રિવાયત નકલ હૈ. ઇસમં યે હૈ કે, મદીના શરીફકી ચારોં તરફ બારીશ હોતી રહી. ઔર મદીનામં એક કતરા ભી નહીં ગિરા. મૈને મદીના શરીફકી તરફ દેખા તો વો એક દાએરેકી તરહાં ખુલા હુઆ થા.

૧૯૭૮ : હજરત અનસ રદીઅલ્લાહસે ઔસી હી એક ઔર હદીષ મન્કુલ હૈ ઔર ઇસમં યે ઇજ્ઞા હૈ કે, અલ્લાહ ત્યાલાને બાદલોંકો જમા કર દિયા ઔર મૈને દેખા કે, દિલેર આદમી ભી ઘર જાતે હુએ ડરતા થા.

૧૯૭૯ : હજરત અનસ રદીઅલ્લાહસે રિવાયત હૈ કે, જુમ્હા કે દિન એક સહાબીએ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમકી ખિદમતમં આયા, જીસ વકત આપ મિમ્બર પર થે. ઇસ કે બાદ હદીષ જૈસી ઉપર ગુજરી વૈસી હૈ. ઔર ઇસમં યે ઇજ્ઞા હૈ કે, મૈને બાદલોંકો ઔસે ફટતે દેખા જૈસે ભરે હુએ કપડોંકો પીટ દિયા જાએ.

૧૯૮૦ : હજરત અનસ બિન માલીક રદીઅલ્લાહસે રિવાયત હૈ કે, જીસ વકત બારીશ હુઇ હુમ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે સાથ થે. આપને અપના કપડા ઉતાર દિયા, હત્તા કે આપ પર બારીશ ગિરને લગી હુમને અર્જ કિયા, યા રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લમ આપને ઔસા ક્યું કિયા ?

આપને ફરમાયા, “ઇસ લિયે કે યે બારીશ અપને રબ અઝઝવ જલ્લ કે પાસસે અભી અભી (ઇસ મૌસમકી બારીશ) આઇ હૈ.

૧૯૮૧ : નબીએ કરીમ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લમ જવઝા હજરત આએશહ સિદ્દીકહસે રિવાયત હૈ કે, જીસ દીન આંધી આતી, યા આસમાન પર બાદલ હોતે તો રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમકા ચહેરા ખૌફસે મુતાઅસ્સીર હો જાતા થા. આપ કભી અંદર જાતે કભી બહાર આતે, ફિર અગર બારીશ હો જાતી તો આપકા ખૌફ દૂર હો જાતા ઔર આપ ખુશ હો જાતે. હજરત આએશહ ફરમાતી હૈ મૈને આપસે ઇસકા સબબ પુછા તો આપને ફરમાયા, “મૈ ઇસલિયે ખૌફઝદા હોતા હું કે કહીં અલ્લાહ ત્યાલાને મેરી ઊમ્મત પર અઝાબ ના ભેજા હો ઔર બારીશકો દેખકર ફરમાતે, યે અલ્લાહ ત્યાલાકી રહેમત હૈ.

૧૯૮૨ : હજરત આએશહ રદીઅલ્લાહસે રિવાયત હૈ કે, જબ જોરસે આંધી આતી તો રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લમ ફરમાતે, અય અલ્લાહ મૈ તુજસે ઇસકી ખૌર કા, ઔર જો ઇસમે હૈ ઊસકી ખૌરકા ઔર જીસ કે સાથ યે ભેજી ગઇ હૈ ઊસકી ખૌરકા સવાલ કરતા હું. ઔર ઊસકી સરસે ઔર જો સર ઊસમં હૈ ઊસસે ઔર જીસકે સાથ યે ભેજી ગઇ હૈ ઊસ કે સરસે પનાહ માંગતા હું.

હજરત આએશા ફરમાતી હૈ કે, જબ આસમાન પર બાદલ ગરજતે તો આપકે ચહેરેકા રંગ મુતાઅસ્સીર હો જાતા ઔર આપ કભી અંદર આતે ઔર કભી બાહર જાતે ઔર જબ બારીશ હો જાતી તો આપકા ખૌફ દૂર હો જાતા.

હજરત આએશાકો જબ ઇસકા પતા ચલા તો આપસે પૂછા આપને ફરમાયા, “અય આએશા ! જીસ તરહાં બાદલકો દેખકર કૌમે આદને કહા યા કે હુમ પર (અઝાબકી) બારીશા હોનેવાલી છે, (ઇસકા ખૌફ લગતા છે) કહીં ઐસા ના હો જાએ

૧૯૮૩ : ઊમ્મુલ મુઅમેનીન હજરત આએશાસે રિવાયત છે કે, મૈને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમકો કબી ઇસ તરહાં કહ કહે મારકર હસતે હુએ નહીં દેખા. જીસસે હલકકા કોઆ નજર આ જાએ. આપ સિફ મુસ્કુરાયાં કરતે થે ઔર આપ જબ બાદલ યા આંધીકો આતા દેખતે તો આપ ખૌફ ઝદહલ દિખાઈ દેતે. હજરત આએશાને કહા, યા રસૂલુલ્લાહ ! મૈ દેખતી હું કે લોગ બાદલોંકો દેખકર બારીશકી ઊમ્મીદ યે ખુશ હોતે છે ઔર આપકો દેખતી હું કે આપ બાદલોંકો દેખકર નાખુશ હોતે છે.

આપને ફરમાયા, “અય આએશાહ ! મૈ ઇસ વજહસે ખૌફ ઝદહલ હોતા હું કે કહી ઇસમે અઝાબ ના હો. કયું કે એક કૌમ આંધીયોંસે હલાક હો ચુકી છે. ઔર એક કૌમને અઝાબકો આતા દેખકર કહા યા, યે હુમ પર બરસને વાલા બાદલ છે.

૧૯૮૪ : હજરત ઇબ્ને અબ્બાસ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત છે કે, નબીએ કરીમ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “મેરી સબાસે મદદકી ગઈ છે, ઔર કવમે આદ દબૂરસે હલાકકી ગઈ થી.

૧૯૮૫ : ઐસી હી એક ઔર હદીષ હજરત આએશાહ રહીઅલ્લાહો અન્હાસે રિવાયત છે

किताबुल कुसुफ़ (सूरजगहनक्री नमाजक अयान)

१८८६ : हुजरत आअेशाह रदीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लम के अहहमें सूरजको गहन लग गया. आप नमाज पणहने अडे हुअे और अहोत लम्बा किया किया. फिर लम्बा इकुअ किया फिर इकुअसे सर उठाकर काफ़ी देर अडे रहे लेकीन पहलेसे कुछ कम फिर सजदा किया और अडे होकर अहोत तवील किया किया लेकीन पहलेसे कियाअसे कम. फिर अहाते तवील इकुअ किया मगर पहलेसे इकुअसे कुछ कम. फिर इकुअसे सर उठाकर किया किया किया मगर पहलेसे कम फिर आपने सजदा किया फिर आप नमाजसे शरीग हुअे यहां तक के सूरज रोशन हो गया था.

फिर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने भुत्ना दिया अल्लाहकी हम्दो-षनाकी शीर इरमाया, "सूरज और आंद अल्लाह त्वालाकी निशानीयोंमेंसे है उनको कीसीकी भौत और हयातसे गहन नही लगता जब तुम सुरज और आंदको गहनमें देओ तो तदबीर कहो अल्लाहसे दुआ करो और नमाज पणहो और सहका करो, और अय अम्मते मुहम्मद ! अल्लाह अजज-व-जल्लको इस आतसे ज्यादा कीसी आत पर गुस्सा नहीं आता के उसका अंदा या अंही जिना करे. अणुदा अगर तुम इन चीजोंको जान लेते अन्हें मैं जानता हुं तो तुम रोते ज्यादा और हंसते कम और सुनो के मैंने तुम्हें तबलीग कर दी.

और आलिक रिवायतमें है के, सूरज और आंद अल्लाहकी निशानीयोंमेंसे दो निशानीयां है.

१८८७ : अेक और सनहसे ली ये रिवायत मन्कुल है के, सूरज और आंद अल्लाह त्वालाकी निशानीयोमेंसे दो निशानीयां है फिर आपने अपने हाथ अुलंद किये और इरमाया, "क्या मैंने तबलीग कर दी है ?

१८८८ : नबीअे करीम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमकी जवजा हुजरत आअेशाहसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लम के अहहमें सूरजको गहन लगा, तो आप मरजुहमें गअे अडे होकर तदबीर कही और लोणोंने आप के पीछे सके आंध ली रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने तवील फिरअत के आह इकुअ किया और काफ़ी लम्बा इकुअ किया फिर इकुअसे सर उठा कर इरमाया, "समी-अल्लाहु-ले-मन हमीहह, रब्बना लकल हम्द, फिर अडे होकर तवील फिरअतकी और वो पहलेली फिरअतसे कम थी फिर अल्लाहु अकबर कहे कर इकुअ किया और तवील इकुअ किया लेकीन ये पहलेसे इकुअसे कम था. फिर आपने समी-अल्लाहु ले-मन हमीहह रब्बना लकल हम्द कहा फिर सजहह किया.

अणुज-आहिरने अपनी रिवायतमें सजदेका जिक नहीं किया, फिर आपने दूसरी रकअतमें ली अैसा किया, हत्ता के आर इकुअ और आर सजदे मुकम्भील कर लिये, और आप के शरीग होनेसे पहलेसे सूरज रोशन हो गया फिर आपने अडे होकर भुत्ना दिया और

अल्लाहकी औसी पना की ज़े उसकी शान के लायक है फिर आपने इरमाया, “सूरज और चांद अल्लाहकी निशानीयों मेसे दो निशानियां है. कीसीकी मौतकी वजहसे इन्हें गहन लगता नही. और कीसीकी हयातीसे भी गहन लगता नहीं.

जब तुम इन्हें गहनमें देभो तो नमाजकी पनाहमें आओ और आपने ये भी इरमाया के नमाज पणही ता की अल्लाह त्वाला तुम्हारे लिये कुशाहगी करे और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “मैंने अपनी उस नमाज के उस डियाममें हर वो चीज देभी जोसका तुमको वादा किया गया है, हत्ता के मैंने आ-यकीन देभा है के, मैं जन्त के भोसोंकी तोड रहा हूं. ये उस वक्तकी आत है जब तुमने मुझे आगे जहते हुये देभा और आ-यकीन मैंने जहन्तमको देभा जोस वक्त तुमने मुझे पीछे उठते हुये देभा. और आ-यकीन मैंने देभा के जहन्तमका अयज हिरसा अयज हिरसोंको पास पास कर रहा है. मैंने होजभमें अत्र बिन हय्यकी देभा जोसने सभसे पहेले पुतों के साथ नामजद ओटो के पानेकी हुराम कर कर दिया था. अबु-जहिरकी रिवायत वहां अतम हो गध थी जहां आपने नमाजकी तरफ़ सभक्त करनेका हुकम दिया था.

१८८८ : हजरत आबेशह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, हीरे रिसालत अयाब सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लममें सुरजको गहन लग गया, आपने अेक जुलानेवालेको भेजा के नमाज तैयार है तो सभी मुसलमान जमा हो गये.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने आगे जहकर तकबीर कही और दो रक्यतोंमें चार इकुअ और चार सजदोंसे नमाज पणहाथ.

१८८७ : हजरत आबेशह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने कुसुकी नमाजमें जुलह आवाजसे किरअतकी और दो रक्यतोंमें चार इकुअ और चार सजदोंसे नमाज पणहाथ.

१८८६ : हजरत एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो त्वाला अन्हो नमाजे कुसुई धसी तरहोंसे अयान करते है जैसा की हजरत आबेशह रहीअल्लाहो अन्हाने (उपरवाली हदीषमें) अयान किया है.

१८८५ : हजरत आबेशह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लम के हीरमें सुरजको गहन लगा. आपने नमाजमें अहीत तवील किया म किया. फिर इकुअ किया, फिर किया म किया, फिर इकुअ किया, आपने दो रक्यत नमाज पणही जोसकी हर रक्यत तीन इकुअ और चार सजदों के साथ अदा की.

जब आप नमाजसे इरीग हुये तो सूरज रोशन हो चुका था. जब आप इकुअमें जते तो अल्लाहो अकबर कहते और जब इकुअसे सर उठाते तो सभी-अल्लाहु ले-मन हमीद कहते थे. फिर अडे होकर अल्लाह त्वालाकी हम्द की और पना की और इरमाया, “सुरज और चांदमें कीसीकी मौत और हयातकी वजहसे गहन नहीं लगता. लेकीन ये अल्लाह त्वालाकी निशानीयोंमेंसे है. अल्लाह त्वाला धनकी वजहसे भौक पैदा करता है.

तो जब तुम सुरज या चांद ग्रहन देखो तो अल्लाह त्वालाको याद करो, यहाँ तक के वो दूर हो जाये.

१९९३ : हजरत आयेशह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने छ इकुअ और बार सज्दासे नमाज पण्डी. (याने की हर अक रकअतमें तीन इकुअ और दो सज्दा के साथ नमाजे कुसुफ पण्डी)

१९९४ : उमर इरमाते है के, अक यहुदी औरत हजरत आयेशह सिदीका रहीअल्लाहो अन्हा के पास आछ और कुछ सवाल किया और फिर कहा अल्लाह त्वाला आपको अजाबे कब्रसे महेकुअ रभे. हजरत आयेशह रहीअल्लाहो अन्हा इरमाती है के, उन्हींने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमसे पूछा, क्या लोगो पर कब्रमें अजाब होगा ?

उमर कहते है के, हजरत आयेशह रिवायत करती है (रहीअल्लाहो अन्हा) रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “अल्लाह त्वाला इससे महेकुअ रभे.

ईर दूसरे दिन रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम सवारी पर सवार होकर अहार गये. और उस रोज सुरजको ग्रहन लग गया. हजरत आयेशह कहेती है के, मैं भी औरतों के साथ हुजुरों के पीछेसे मस्जिदमें आछ, यहाँ तक के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम सवारीसे उतरे और अपनी नमाज पण्डानेकी जगह पर तशरीफ ले गये.

आपने नमाज शरू की और आप के पीछे मुसलमानोंने भी नमाज शरू की. आप इरमाती है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने अहोत तवील किया किया, फिर अहोत तवील इकुअ किया, फिर इकुअसे सर उठाकर आपने अहोत तवील किया किया. आपने अहोत तवील किया किया लेकीन ये किया पीछले कियासे कम था. आपने फिर तवील इकुअ किया लेकीन वो पीछले इकुअसे कम था. फिर आपने इकुअसे सर उठाया यहाँ तक के सुरज रोशन हो चुका था.

फिर आपने इरमाया, “मैंने देखा है के, तुम लोग कब्रोंमें दण्डल के किन्नेकी तरहां किन्नोंमें मुण्तीला होंगे.

उमर कहेते है के, मैंने सुना हजरत आयेशह रहीअल्लाह इरमा रही थी, मैंने देखा के इस के बाद रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम अजाब और कब्र के अजाबसे अल्लाहकी पनाह मांग रहे थे.

१९९५ : अक और सनदसे भी ऐसी ही हदीष मन्कुल है.

१९९६ : हजरत ज़ाबिर रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम के अहदमें सप्त गरमी के दिनोमें सुरज ग्रहन हुआ. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने सहाबाको नमाज पण्डाछ जूसमें इस कहर तवील किया किया के लोग गिरने लगे, फिर अहोत ही तवील इकुअ किया, फिर अहोत तवील किया किया, फिर अहोत तवील इकुअ किया, फिर इकुअसे सर उठाकर अहोत हेर तक अडे रहे, फिर सज्दे किये. फिर अडे हुये फिर इसी तरहां दूसरी रकअत पण्डी.

ये चार इकुअ और चार सण्डे हो गये. फिर इरमाया, “मुज पर वो तमाम चीजें पेश की गइं जिनमें तुम दामिल होंगे. मुज पर जन्त पेश की गइं यहाँ तक के अगरमें उसमेंसे कोइ जोसा लेना चाहुं तो ले लेता, लेकिन मैंने उससे अपना हाथ रोक लिया, मुज पर जहन्नम पेश की गइं मैंने जहन्नममें अपनी घर्राईलकी अेक औरतको देभा. जोस पर बिल्लीकी वजहसे अजाब हो रहा था, उसने बिल्लीको बांधकर रभा, ना उसने भुइ उससे कुछ जानेको दिया ना ही उसको छोडा जोससे वो जमीन के कोडे मकोडे जैसी चीजें भा लेती, और जहन्नममें मैंने अबु शमामा अत्र बिन मालिकको देभा के वो जहन्नममें अपनी आंतें घसीट रहा है.

लोग कहते है के, कीसी जे आदमीकी मौतकी वजहसे सूरज या चांदकी ग्रहन लग जाता है. हालां की सूरज या चांदका ग्रहन लगना अल्लाह त्वालाकी निशानीयोंमेंसे अेक निशानी है. जे अल्लाह त्वाला तुम्हें दिभाता है, जब सूरज या चांद ग्रहन लगे तो तुम नमाज पणहो यहाँ तक के वो रोशन हो जाये.

१८८७ : अेक और सनदसे भी जैसी ही रिवायत मन्दुल है जोसमें है के, मैंने जहन्नुममें अेक लम्बी काली औरतको देभा, और ये नही कहा के वो औरत अपनी घर्राईलकी थी.

१८८८ : हजरत ज़ाबिर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम के अहदमें जोस दिन रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम के साहज्जदे हजरत एब्राहिम रहीअल्लाहो अन्होका विसाल हुया उस दिन सूरजको ग्रहन लगा तो लोगोंने कहा के हजरत एब्राहिमकी मौतकी वजहसे सूरजको ग्रहन लगा है.

नबीअे करीम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने मुसलमानोंकी दो रक्यत नमाज पणहाइ जोसमें छे इकुअ और चार सण्डे थे. तकबीरसे नमाजकी शइ किया और लम्बी किरयत की, फिर किया के बराबर इकुअ किया. फिर इकुअसे सर उठाकर जे हुये और पहलेकी किरयतसे कुछ कम किरयत की. फिर किया के बराबर इकुअ किया. फिर इकुअसे सर उठाया. और दूसरी बार पहलेकी किरयतसे कुछ कम किरयत की, फिर किया के बराबर इकुअ किया, फिर इकुअसे सर उठा कर सण्डेमें चले गये, फिर जे होकर दूसरी रक्यत पणही. इस रक्यतमें भी तीन इकुअ किये. और इस रक्यतमें भी पहला किया बान कियासे लम्बा था. और इकुअ और सुबुइ बराबर थे.

फिर आप सइसे पीछे हट गये और मुसलमानभी पीछे हट गये. रावी अबुबक कहते है के, आप औरतों तक गये फिर आगे बढ गये. और लोग भी आप के साथ आगे बढ गये. यहाँ तक के आप अपनी जगह जे हो गये. जब आप नमाजसे शरीग हुये तो सूरज रोशन हो चुका था. फिर आपने इरमाया, “अय लोगो ! सूरज और चांद अल्लाहकी निशानीयोंमेंसे दो निशानियां है और धन्हे लोगोंमेंसे कीसीकी मौतकी वजहसे ग्रहन नही लगता.

रावी अबु बक कहते हैं की, बशरकी मौतकी वजहसे. तुम (अगर) धन (सूरज और चांद ग्रहन) मेंसे कीसी चीजको देभो तो उस वक्त तक नमाज पणहो जब तक वो रोशन हो

जाये, और तुमसे जोस चीजका वादा किया गया है मैंने इसको इस नमाज के दौरान देभ लिया मेरे सामने जहन्नुम लाई गई और ये जिस वक्तकी बात है जब तुमने मुझे इस के भौकसे पीछे हटता देभा के इसकी लपट मुज तक ना आ जाये. मैंने जहन्नुममें साइने मिहानानको देभा जो अपनी हड्डियोंको भेंच रहा था, ये शप्श अपनी मिहना (लाठी)से हाज्जोंकी (चीजे) चोरी करता था. हाज्जोंको पता चलता तो कहेता के ये कपडा मेरी लाठीमें अटक गया था. अगर हाज्जोको इसका पता ना चलता तो वो कपडा ले जाता.

और यहां तक के मैंने बिल्लीवाली औरतको जहन्नुममें देभा जोसने बिल्लीको बांध रभा था. ना जिसने भुद उसे बिलाया और ना ही उसे छोडा ता के जमीन के कीडे मकोडे विगेरेमेंसे कुछ भा लेती. यहां तक के वो बिल्ली लूभसे भर गई. ये जिस वक्तकी बात है जब तुमने मुजे नमाजमें आगे बढ़ते देभा.

मैंने अपनी जगह भंडे भंडे हाथ पढाया ता के जन्त के कुलोंमेंसे कुछ लेलुं. ता की तुम उसे देभलो. फिर मुजे भयाल आया के मैं औरसा ना करुं. अहरहाल, जोस कीसी चीजका भी तुमसे वादा किया गया है मैंने उसे इस नमाजमें देभ लिया.

१९९९ : हजरत अरमा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लम के अहदमें सूरजको ग्रहन लग गया, वो हजरत आअेशह रहीअल्लाहो अन्हा के पास आछ (जिस वक्त) आप तन्हा नमाज पणह रही थी, हजरत अरमा इरमाती है के, मैंने पुछा, लोग नमाज क्युं पणह रहे है ? हजरत आअेशहने हाथसे आसमानकी तरफ इशारा किया, मैंने कहा क्या ये कोछ अलामत है ?

हजरत आअेशहने कहा, हां

फिर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने जहोत तवील कियाम किया, यहां तक के मुज पर गशी तारी होने लगी. मैंने मशकसे पानी लेकर अपने मुंह या अपने सर पर डालना शुरू किया.

हजरत असमाने इरमाया के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही वसल्लम नमाजसे शरीग हुये (और जिस वक्त) सूरज रोशन हो यूका था. फिर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने लोगोंको भुत्भा दिया जोसमें अल्लाह त्मलाकी हम्दो घना के बाद इरमाया, “हर वो चीज जोसे मैंने पहले नही देभा था इस जगा देभ लिया, यहां तक के जन्त और जहन्नुमको भी देभ लिया, और मुज पर ये वही की गई है के, अनकरीभ तुम्हारी कबरोंमें ऐसी आजमाइश की जायेगी जैसे मसीह दज्जल के वक्त आजमाइश होगी. तुममेंसे हर शप्शको लाया जायेगा और पूछा जायेगाके, इस शप्श के बारेमें तुम क्या जानते हो ?

अगर वो मोमीन रहा तो ये कहेगा ये मुहम्मद रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही वसल्लम है, ये हमारे पास दलाइल और हिदायत लेकर आये, हमने उन के पयगामको कुबुल किया और उनकी एतायत की.

तीन बार सवाल किया जायेगा इस के बाद कड़ा जायेगा, जाओ, हुमें मालुम था के तुम धन पर धमान रहते हो. अगर वो मुनाफ़िक लोग तो ये कहेगा, मैं धनहैं नहीं जानता, मैंने लोगोंको जो कहेते सुना वही कहे दिया.

२००० : हुजरत अस्मासे रिवायत है के, मैं हुजरत आयेशह रहीअल्लाहु अन्हा के पास आध़ ठिस वक्त लोग नमाज़में भडे थे. और हुजरत आयेशह नमाज़ पणह रही थी. मैंने कड़ा लोगोंको क्या हुआ.

२००१ : सरवह इरमाते है के, सुरज के लिये कुसुफ़ ना कही पुसुफ़ कही.

२००२ हुजरत अस्मा भिन्ते अबु जक रहीअल्लाहु अन्हासे रिवायत है के, ठुस दिन सूरज ग्रहन हुआ, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहे व आलेही वसल्लम गभराये हुये आये. आपने (अपनी) कमीज लेली, फिर आपको चाहर लाकर दी गध, फिर आपने धस कहर तवील कियाम किया के अगर कोध शप्श आता तो ठिसे बिलकुल भी पता ना चलता के आपने इकुअ किया है धसलिये तवील कियाम के सभभ आपसे इकुअकी रिवायत की गध है.

२००३ : धरी सनहसे राचीने धभने जुदैजसे रिवायत की है के, आपने तवील कियाम किया और ये भी धग़ा है के, हुजरत अस्मा इरमाती है के, मैं अक औरतको देभती थी जो मुजसे जयादा भिमार थी.

२००४ : हुजरत अस्मा भिन्ते अबुजक रहीअल्लाहु अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहे व सल्लम के जमानेमें सूरज ग्रहन हुआ तो आप भौक जदा हुये और आपने (कीसी औरत की) कमीज लेली. धस के बाद आपको चाहर लाकर दी गध. मैं अपना काम भतम कर के मरुहमें आध तो देभा के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहे व आलेही वसल्लम नमाज़में भडे हैं, मैं भी नमाज़में शरीक हो गध, आपने नमाज़में जहोत लम्भा कियाम किया. यहां तक के मैंने सोचा के मैं जेठ जाँ, फिर मेरी नजर अक जधक औरत पर पडी तो मैंने सोचा के ये तो मुजसे भी जयादा कमजोर है फिरमें भडी रही और आपने इकुअ किया और जहोत तवील इकुअ किया, फिर इकुअसे सर ठिकाया और जहोत तवील कियाम किया. यहां तक के अगर कोध शप्श देभता के तो जयाल करता के आपने इकुअ नहीं किया है. (मतलभ के अली कियाममें ही है जो इकुअसे पहले होता है)

२००५ : हुजरत धभने अबुआस रहीअल्लाहु अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहे व सल्लम के अहहमें सूरजको ग्रहन लगा तो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहे व सल्लमने नमाज़ पणही और लोग भी आप के साथ नमाज़ पणह रहे थे, आपने सूर-ग्मे-जकरहुकी क्रियत के जराभर जहोत ही तवील कियाम किया, फिर आपने जहोत ही तवील इकुअ किया और फिर आपने जहोत तवील कियाम किया, ये पहले वाले कियामसे निरभतन थोडा कम था.

लेकीन फिर आपने जहोत ही तवील इकुअ किया ये इकुअ (दूसरा इकुअ) पहलेवाले इकुअसे निरभतन कम था.

ફિર સજદા કરી, ફિર ખડે હોકર કિયામ કિયા, લેકીન યે કિયામ પહેલે કિયામસે કુછ કમ થા, ફિર તવીલ રક્ઝ કિયા જો પહેલેવાલેસે કમ થા. ફિર રુકુઅસે સર ઊઠાકર તવીલ કિયામ કિયા જો પહેલેસે કમ થા. ફિર સજદા કર કે નમાઝસે ફરીગ હુએ યહાં તક કે સૂરજ રોશન હો ચુકા થા.

આપને ફરમાયા, “બેશક સૂરજ ઔર ચાંદ અલ્લાહકી નિશાનીયોં મેસે દો નિશાનીયાં હે. ઇન્હે કિરીકી મૌત યા હયાતકી વજહસે ગ્રહન નહીં લગતા. જબ તુમ ગ્રહનકો દેખો તો અલ્લાહ ત્યાલાકો યાદ કરો.

સહાબાએ કિરામને અરજ કી, યા રસૂલુલ્લાહ ! હમને દેખા કી આપ અપની જગાસે ચીજકો લે રહે થે ફિર આપ લેતે લેતે રૂક ગએ. આપને ફરમાયા, “મૈને જન્નતકો દેખા, મૈ ઇસસે એક ખોશા તોડને લગા, અગર મૈ ઇસ ખોશેકો તોડ લેતા તો તુમ રહેતી જીન્દગી તક ઇસકો ખાતે રહેતે. ઔર મૈને જહન્નમકો દેખા ઔર મૈને આજ જેસા મન્ઝર કભી નહીં દેખા. મૈને જહન્નમમે અકસર ઔરતોંકો દેખા.

સહાબાને પૂછા કિસ વજહસે ? યા રસૂલુલ્લાહ !

આપને ફરમાયા, “ઊનકી નાશુકી કી વજહસે.

પૂછા ગયા, કયા અલ્લાહ ત્યાલાકી નાશુકી કરતી હૈ ?

ફરમાયા, “નહીં, ખાવિંદકી નાશુકી કરતી હૈ. અગર તુમ સારી ઊમ્ર ઊન કે સાથ નેકી કરતે રહો ઔર તુમસે યે કોઇ જરાસી ચીજ દેખલે તો કહેંગી, મૈને તુમહારે પાસ કભી અચ્છાઇ નહીં દેખી.

૨૦૦૬ : ઐસી રિવાયત એક ઔર સનહસે ભી હૈ ઇસમે યે હૈ કે, ફિર હમને આપકો પીછે હટતે હુએ દેખા.

૨૦૦૭ : હજરત ઇબ્ને અબ્બાસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, જબ સૂરજકો ગ્રહન લગા તો રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને આઠ રુકુઅ ઔર ચાર સજદોંસે નમાઝ પઠ્ઠી.

હજરત અલી કર્મલ્લાહો વજહસે ભી ઇસી મિસ્લકી હકિષ રિવાયત હુઇ હૈ.

૨૦૦૮ : હજરત ઇબ્ને અબ્બાસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને સૂરજ ગ્રહન લગને પર નમાઝ પઠ્ઠાઇ, આપને કિરઅત કી ફિર રુકુઅ કિયા, ફિર કિરઅત કી, ફિર રુકુઅ કિયા, ફિર કિરઅત કી ફિર રુકુઅ કિયા, ફિર કિરઅત કી ફિર રુકુઅ કિયા, ફિર ફૂસરી રકઅત ભી ઇસી તરહાં પઠ્ઠી.

૨૦૦૯ : હજરત અબ્દુલ્લાહ બિન અમ્ર બિન આસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, જબ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે અહેદમૈં સૂરજકો ગ્રહન લગા તો, જમાઅતકા એલાન કિયા ગયા, અસ-સલાતો જાએ-અહ.

ફિર રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને એક રકઅતમેં દો રુકુઅ કિયે, ફિર ફૂસરી રકઅતમેં, દો રુકુઅ કિયે, ફિર સૂરજ સાફ (નજર આજાએ ઐસા) હો ગયા.

हजरत आअेशाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैंने नमाजे कुसुइसे ब्याहह कभी तवील इकुअ और सजहहवाली नमाज नहीं पणही।

२०१० : हजरत अबु मरुअिह अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “सुरज और यांह अल्लाह त्वालाकी निशानीयोंमेंसे दो निशानीयां हैं, अल्लाह त्वाला उन के साथ अपने बंदोंको उराता है, और उनको डीसीकी भौतकी वजहसे ग्रहन नहीं लगता। जब तुम ग्रहनको देखो तो नमाज पणही और अल्लाह त्वालासे दुआ करो यहां तक के ग्रहन दूर कर दिया जाये।

२०११ : हजरत अबु मुसा असअरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “सुरज और यांहमें डीसी शप्शकी भौतकी वजहसे ग्रहन नहीं लगता, लेकिन ये अल्लाह त्वालाकी निशानीयोंमेंसे दो निशानियां है जब तुम ग्रहन देखो तो ञे डोकर नमाज पणही।

२०१२ : अेक और सनहसे भी अैसी ही रिवायत है के, ञस दिन हजरत एब्राहिमका विसाल हुआ तो लोगोने कहा हजरत एब्राहिम रहीअल्लाहो अन्होकी वझतकी वजहसे सुरजको ग्रहन लग गया।

२०१३ : हजरत अबु मुसा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के जमानेमें सुरजको ग्रहन लगा आप, गभराकर एस तरहां ञे डो गये जैसे के क्यामत आ गइ हो। आप मरुअहमें आये और नमाजमें सभसे पहले तवील किया किया। तवील इकुअ किया और तवील सजहा किया। मैंने एससे पहले कभी आपको एस तरहां नमाज पणहते नहीं देभा, इर आपने इरमाया, “ये अल्लाह त्वालाकी निशानियां है ञन्हें अल्लाह त्वाला भेजता है, ये डीसीकी भौत और हयातकी वजहसे नहीं लेकिन अल्लाह त्वाला अपने बंदोंको उराने के लिये ये भेजता है। जब तुम एस तरहांकी कोइ चीज देखो तो अल्लाह त्वालाका ञिक उससे हुआ और इस्तीगझरकी पनाहमें आ जाओ।

२०१४ : हजरत अबुदुर्रहमान बिन समरुह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी ञहंगी (के दौर)में (कहीं पर) तीरंदाण कर रहा था, अचानक सुरजको ग्रहन लग गया, मैंने तीरोंको इंक दिया और सोचा के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम आण सुरज ग्रहन के मौ के पर क्या करते हैं, वो मैं देभता हुं। मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के पास गया और उस वक्त रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम हाथ उठाकर हुआ मांग रहे थे, आपने तकबीर पणही, हम्ह की, ला एलाहा एल्लल्लाह पणहा, यहां तक के सुरज रोशन हो गया। आपने दो सूतें पणही और दो रकअत नमाज पणही।

२०१५ : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के सहाबी हजरत अबुदुर्रहमान बिन समरुह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी ञहंगी (के दौर)में (कहीं पर) तीरंदाण कर रहा था। अचानक सुरजको ग्रहन लग

गया, मैंने तीर डेक दिये और सोचा के वल्लाह ! मैं देभूंगा के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलैही वसल्लम सूरुज ग्रहन लगने के मौ के पर क्या करते है ?

मैं आप के पास आया, और उस वक्त आप नमाजमें रक-अ-यहैन (हाथोंको कान तक ठिठाना) कर रहे थे, आपने तस्बीह की, हुम्द की, लाधलाहा धल्लल्लाह कहा, तकबीर कही और दुआ की यहाँ तक की सूरुज साइ हो गया.

हजरत अब्दुर्रहमान इरमाते है के, जब सूरुज साइ हो गया तो आपने दो सुरतें पण्ही और दो रकअत नमाज पण्ही.

२०१६ : हजरत अब्दुर्रहमान रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लम के अहेदमें उस वक्त मैं, अपने तीरोंसे तीरंदाज कर रहा था अयानक सूरुज ग्रहन लग गया. धस के बाद की हदीष उपर की हदीष जैसी ही है.

२०१७ : हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “सूरुज और चांदको कीसी शप्शकी मौतकी वजहसे ग्रहन लगता है ना कीसीकी हयातकी वजहसे लेकीन ये अल्लाहकी निशानीयोंमेंसे दो निशानियां हैं, जब तुम ये निशानियां देभो तो नमाज पण्ही.

२०१८ : हजरत मुगीरा बिन शोअबा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लम के अहेदमें उस दिन हजरत अब्राहिम रहीअल्लाह अन्होका विसाल दुआ उस दिन सूरुजको ग्रहन लग गया, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “सूरुज और चांद अल्लाहकी निशानीयोंमेंसे दो निशानियां है. धन्हें कीसीकी मौतकी वजहसे ग्रहन नहीं लगता, ना हयातकी वजह से, जब तुम ये निशानियां देभो तो अल्लाह त्वालासे दुआ करो, और नमाज पण्ही यहाँ तक के वो रोशन हो जाये.

किताबुल जनाईअ.

(जनाईकी नमाजक बयान.)

२०१९ : हजरत अबु सईद जुदरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “अपने भरने वालोंको लाइलाहा धल्लल्लाह कहेनेकी तलकीन (कियां) करो.

२०२० : अेक और सनदसे भी ऐसी ही हदीष मन्कुल है.

२०२१ : हजरत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे भी यही रिवायत नकल है.

२०२२ : हजरत ओम्मे सलमा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “जुस मुसलमानको कोइ मुसीबत पहोंये वो ओसमें अल्लाह अजअ व जल्ल के हुकमकी मुताबिक, धन्नालिल्लाहे व धन्ना धलयहे राजेओन और अय अल्लाह मुजे धस मुसीबतमें अजर दे और धस के बाह मेरे लिये और मुक़रर करे. कहेता है तो अल्लाह त्वाला ओस के बाह और मुक़रर कर देता है.

हजरत ओम्मे सलमा रहीअल्लाहो अन्हो इरमाती हैं, जब अबु सलमाका धन्तकाल हुआ तो मैंने सोचा के मुसलमानोंमें अबु सलमासे जहेतर कौन होगा ? जुस धरने सभसे पहले रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी तरफ़ हजरत की, फिर मैंने जहरहाल ये कलेमात (धन्नालिल्लाहे व धन्ना धलयहे राजेओन) कहे तो अल्लाह त्वालाने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी मेरे लिये मुक़रर कर दिया, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने हातीम बिन अबी रहीअल्लाहो अन्होको मेरे पास निकाहुका पयगाम लेकर भेजा. मैंने कहा, मेरी अेक भेटी है और मैं गैरतवाली हूँ.

आपने इरमाया, “मैं ओसकी भेटी के लिये हुआ करुंगा के वो ओसको भेटीसे भे फ़िकर करे, और ये भी हुआ करुंगा के गैरत ओससे दूर हो जाये.

२०२३ : नबीअे करीम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी जवअा हजरत ओम्मे सलमा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “(अगर) कीसी शअशको मुसीबत पहोंये और वो कहे धन्ना लिल्लाहे व धन्ना धलयहे राजेओन, अल्लाहुम्म अजुरनी ई मुसीबती व अबलइ ली औरम, भिन्हा.

अल्लाह ओसकी धस मुसीबतमें अजर देता है और ओस के बाह जहेतर आनेवालेको मुक़रर कर देता है.

हजरत ओम्मे सलमा इरमाती हैं, जब हजरत अबु सलमाका धन्तकाल हुआ तो मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम के अम्र के मुताबिक ये हुआ की, तो अल्लाह त्वालाने ओन के बाह ओनसे जहेतर याने के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी मेरे लिये मुक़रर कर दिया.

२०२४ : हजरत ओम्मे सलमा रहीअल्लाहो अन्होकी रिवायत करदा अेक और हदीष है जुसमें ये हुआ के बाह धस तरहांका धनइ है, जब अबु सलमा रहीअल्लाहो अन्होको

घन्तकाल हुआ तो मैंने सोचा कि अबु सलमासे ज़हतेर कौन होगा जो कि रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैयहे व सल्लम के सहाजी थे, फिर अल्लाह त्वालाने मेरे दिलमें डाल दिया तो मैंने इस दुआको पण्डा, इस के बादमे मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैयहे व सल्लम के निकालमें आछ।

२०२५ : हुजरत उम्मे सलमा रहीअल्लाहो अन्हा इरमाती है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैयहे व सल्लमने इरमाया, “जब तुम डीसी मरीज या मैयत के पास जाओ तो क्लोमा-ओ-भेर कडो, क्युं के इरीशते तुम्हारी दुआ पर आमीन कहेते हैं। हुजरत उम्मे सलमाकी रिवायत है के, जब हुजरत अबु सलमा रहीअल्लाहो अन्होका विसाल हो गया तो मैं नबीअे करीम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैयहे व सल्लम के पास आछ, मैंने अर्ज किया, या रसूलुल्लाह ! अबु सलमाका विसाल हो गया, आपने इरमाया, “ये दुआ पण्डो, अय अल्लाह मेरी मगइरत इरमा, और अबु सलमाकी पगइरत इरमा, और उन के बाद मेरे लिये उनसे अच्छा शफा मुकरर कर दे. फिर अल्लाह त्वालाने मेरे लिये उनसे ज़हतेर याने के मुहम्मद मुत्तफा रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैयहे व सल्लमको मुकरर कर दिया.

२०२६ : हुजरत उम्मे सलमा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैयहे व आलेही वसल्लम हुजरत अबु सलमा के पास आअे और उस वक्त उनकी आंभे अठ गछ थी. आपने उनकी आंभे बंध करही फिर आपने इरमाया, “जब इह कब्ज हो जाती है तो आंभे उसको देभती रहेती है. उन के घरवालोंने रोना शइ कर दिया.

आपने इरमाया, “अपने लिये सिई ललाछकी दुआ करो क्युं के, मलाअेका तुम्हारी दुआ पर आमीन कहेते हैं.

फिर आपने दुआ की, अय अल्लाह ! अबु सलमाकी मगइरत इरमा और महुदीअीनमे उसका दरजा बलंद इरमा, और उस के बाद जाकी रहेनेवालोंकी निगेहजानी इरमा, और हमारी और उसकी मगइरत इरमा, अय रब्बुल आलमीन, इसकी कफ्र में वुसअत इरमा, और इसकी कफ्रको रोशन कर.

२०२७ : अेक और सनदसे भी ये हदीष मन्कुल हुछ है और इसकी दुआ के अल्लख ये हैं, अय अल्लाह इस के पशमांहगानकी (पीछेवालोंकी) निगेहजानी इरमा, अय अल्लाह इसकी कफ्रमें वुसअत कर. रावी जालिद बिन हजजअने सातवीं दुआका भी जिक्र किया है लेकीन वो उसे लूल गअे.

२०२८ : हुजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैयहे व सल्लमने इरमाया, “क्या तुमने नहीं देभा के जब घन्सान भर जाता है तो उसकी आंभे खुली रहे जाती है ?

सहाजाने कडा, क्युं नहीं

आपने इरमाया, “ये इस वजहसे होता है के, उसकी आंभे देभती रहेती है.

२०२९ : अेक और सनदसे भी ये रिवायत मन्कुल है.

२०३० : हजरत उम्मे सलमा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, जब अबु सलमाका विसाल हो गया तो, मैंने कहा के, परदेशमें अेक मुसाफिरका विसाल हो गया है इस के लियेमें धतना रोओगी के लोगीमें इसका खर्चा होगा, मैंने इस परदेशकी तैयारी की, और मदीना के आलाह धलाकेसे मेरा साथ देने के लिये औरत आध.

धतनेमें रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही वसल्लम तशरीक लाये आपने इरमाया, “क्या तुम आहतीहो के इस घरमे फिरसे शयतान दाभिल हो ? हालां की अल्लाह त्वाला इसे दो बार यहांसे निकाल चुका है, परस मैं इक गध और नहीं रोध.

२०३१ : हजरत ओसामा बिन अैद रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, हम नबीये करीम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लम के पास ढेठ हुये थे के आपकी अेक साहज्जदीने आपको बुलवाया. और भबर ही के उनका बय्या झैत होने के करीब हें, या कहा के मरजुल मौतमें है. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने कासीहसे इरमाया, “वापस जाकर उनसे कहो के जो अल्लाहने ले लिया उसका था, और जो उसने दिया वो भी उसका है. हर खीजकी उस के यहां अेक मुहत मुकरर है. उनसे कहो के वो सफ्र करे और अल्लाह त्वालासे सवापकी उम्मीद रभें.

वो कासीह फिर आया और कहा के, वो आपकी कसम देती है के, आप जरूर आयें.

रावी कहते है के, फिर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही वसल्लम उँठे और आप के साथ साअद बिन उबादह और मय्मज बिन जबल रहीअल्लाहो अन्हुम उँठे और मैं भी उन के साथ गया. आप के सामने बय्येको लाया गया तो उसको सास उभड रही थी.

जैसे पुरानी मशकसे पानीकी आवाज निकलती है, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमकी आंभोसे आंसु बहने लगे. हजरत साअद रहीअल्लाहो अन्होने कहा, या रसूलुल्लाह ! ये क्या है ?

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “ये रहेमत है जोसकी अल्लाह त्वालाने अँहो के दिलोंमें रभ्या है और अल्लाह अपने अँहोमेंसे रहम करनेवालों पर रहम इरमाता है.

२०३२ : अेक और सनहसे भी अैसी ही हदीष मन्डुल है.

२०३३ : हजरत अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्हो बिमार हुये तो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही वसल्लम हजरत अब्दुर्रहमान बिन अौक हजरत साअद बिन अणी वककास, और हजरत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रहीअल्लाहो अन्हुम के साथ उनकी अयाहत के लिये तशरीक ले गये. जब वहां पहुंचे तो उनको बेहोश पाया, आपने पूछा, क्या ये झैत हो गये ?

हाजरीनने कहा, नहीं ! या रसूलुल्लाह !

फिर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही वसल्लम रोने लगे, जब हाजरीनने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमको रोते देखा तो वो भी रोने लगे. आपने

ફરમાયા, “તુમને નહીં સુના કે અલ્લાહ ત્યાલા, આંખસે બહેનેવાલે આંસુ ઔર દિલસે રંજ પર અઝાબ નહીં દેતા. લેકીન ઊસકી બિના પર યા તો અઝાબ દેતા હૈ યા રહેમ ફરમાતા હૈ. યે કહેકર આપને અપની જબાનકી તરફ ઇશારા કિયા.

૨૦૩૪ : હજરત અબ્દુલ્લાહ બિન ઊમર રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, હમ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે સાથ ખૈઠ હુએ થે. ઊસ વકત અન્સારમેસે એક શખ્શને આપકો આકર સલામ કિયા. ફિર વાપસ જાને લગા, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “અય અન્સાર કે ભાઈ ! મેરે ભાઈ સાઅદ બિન ઊબાદહકા કયા હાલ હૈ ?

ઊન્હોને કહા, અચ્છા હૈ.

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “તુમમેસે કૌન ઇનકી અયાદત કરતા હૈ.

આપ ખડે હો ગએ ઔર હમ ભી આપ કે સાથ ખડે હો ગએ. હમ દસસે કુછ જ્યાદહ થે. હમારે પાસ જુતે થે ના મૌજે, ટોપીયાંથી ના કમીઝ, ઊસ પથરીલી જમીન પર ચલ રહે થે હત્તા કે હમ હજરત સઅદ કે પાસ પહોંચ ગએ. ઊન કે કરીબ જો લોગ થે વો એક તરફ હો ગએ યહાં તક કે રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલોહી વસલ્લમ ઔર આપ કે સાથ આનેવાલે સહાબા કરીબ આ ગએ.

૨૦૩૫ : હજરત અનસ બિન માલીક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “સબર વહી હૈ જો ઇખ્તેદાએ સદમા કે વકતકી જાએ.

૨૦૩૬ : હજરત અનસ બિન માલીક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલોહી વસલ્લમ એક ઔરત કે પાસ આએ જો અપને બચ્ચે પર રો રહી થી. આપને ઊસસે ફરમાયા, “અલ્લાહસે ડરો ઔર સખ્ર કરો.

વો કહને લગી, આપકો મેરી મુસીબતકા કયા અંદાજા હૈ ?

જબ આપ તશરીફ લે ગએ તો ઊસે બતાયા ગયા કે યે રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલોહી વસલ્લમ થે. વો ઐસે ડરી જૈસે મૌત આ ગઈ હો ઔર રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે પાસ ગઈ તો દેખા આપ કે દરવાજે પર કોઈ દરબાન નહીં થા. વો કહને લગી, યા રસૂલુલ્લાહ ! મૈને આપકો પહેચાના નહીં થા.

આપને ફરમાયા, “સબર વહી હૈ જો ઇખ્તેદાએ સદમા કે વકત કી જાએ.

૨૦૩૭ : એક ઔર સનદસે ભી ઐસી રિવાયત મન્કુલ હૈ જીસમે યે હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલોહી વસલ્લમ એક ઔરત કે પાસસે ગુજરે જો એક કબ્ર કે પાસ ખૈઠી હુઈ થી.

૨૦૩૮ : હજરત અબ્દુલ્લાહ બિન ઊમર રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે હજરત હફસહ રદીઅલ્લાહ અન્હા હજરત ઊમર કે લિયે રોને લગી તો હજરત ઊમરને ફરમાયા, “અય બેટી

! आमोश हो जाओ क्या तुम नहीं जानती के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैयहे व आलेही वसल्लम ने इरमाया के, मैथ पर उस के घरवालों के रोनेसे अजाब होता है.

२०३८ : हजरत एब्ने उमर रहीअल्लाह नबीअे करीम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैयहे व सल्लमने इरमाया, “मैथ पर नौहा किये जाने की वजहसे इफ्रमें अजाब होता है.

२०४० : हजरत एब्ने उमर रहीअल्लाहो अन्हो जब हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्होको जज्भी कर दिया गया और उन पर ओहोशी तारी हो गध तो लोग उन पर थीज कर रोने लगे, जब उनहें होश आया तो इरमाया, “क्या तुम्हें नहीं मालुम के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैयहे व आलेही वसल्लम ने इरमाया है के, मैथ पर जुन्दा (लोगों) के रोने की वजहसे अजाब होता है.

२०४१ : हजरत अबु बरदह अपने वालीदसे रिवायत करते हैं के, जब हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्हो जज्भी हो गये तो हजरत सुहैब रहीअल्लाहो अन्हो थीजकर कहेने लगे, हाय अइसोस ! मेरे भाई !. हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्होने उनसे कहा, अय सहाबी ! क्या तुम नहीं जानते के जुन्दा के रोनेकी वजहसे मैथतकी अजाब होता है.

२०४२ : हजरत अबु मुसा रहीअल्लाहो अन्हो जब हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्होको जज्भी कर दिया गया तो, हजरत उमर रहीअल्लाह के सामने पहुँचये और रोने लगे तो हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया के कीस थीज पर रो रहे हो ? क्या मुजपर रो रहे हो ?

वो कहेने लगे, हां, जुहाकी कसम ! अय मेरे अभीइल मुअमेनीन मैं आपहीकी वजहसे रो रहा हूँ.

हजरत उमरने इरमाया, “तुम जान चु के हो के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैयहे व सल्लमने इरमाया, “जुस पर रोया जाता है जिसे अजाब दिया जाता है.

रावीका कहेना है के, मैंने हजरत मुसा बिन तदहाकी धसका तजकिरा किया तो उनहोंने इरमाया, “हजरत आअेशा इरमाती है रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैयहे व सल्लमने जुन लोगों के बारेमें ये धशाह इरमाया था वो यहूदी थे.

२०४३ : हजरत अनस रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हजरत उमर एब्ने अत्ताब रहीअल्लाहो अन्हो जब जज्भी कर दिये गये तो हजरत इइसह उनपर अयावाज बुलंद उन पर रोने लगी, हजरत उमरने कहा, अय इइसा ! क्या तुमने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैयहे व सल्लमका ये इरमान नहीं सुना के जुस पर रोया जाता है जिसे अजाब दिया जाता है.

इर हजरत सुहैब रहीअल्लाहो आयावाज बुलंद रोने लगे तो हजरत उमरने उनसे भी इरमाया के अय सुहैब क्या तुम नहीं जानते के जुन पर अयावाज रोया जाता है उन पर अजाब होता है.

२०४४ : अबुदुल्लाह बिन अभी मलीकसे रिवायत है के, मैं हजरत एब्ने उमर रहीअल्लाह अन्हो के साथ बैठा होता और हम हजरत उरमानकी साहुअजादी उम्मे अमान के जनाजे

के मुन्तज्जर थे और अपने उमर के पास हजरत अम्र बिन अरमान ली थीं थे, घतनेमें हजरत अपने रहीअल्लाहो अन्होको ली ओक शप्श लेकर आ गया. (वो देष नहीं शकते थे)

मेरा जयाल है के, अन्हें हजरत अपने उमरकी जगह पता ही गद्य थी क्युं के वो आकर मेरे पहलुमें बैठ गये और मैं उन दोनों के दरम्यान था. अथानक धरसे रोनेकी आवाज आई. हजरत अपने उमरने अम्र बिन अरमानकी तरफ़ इशारा करते हुये कहा के वो ओडे होकर अन्हें मना करें क्युं के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लामसे ये इरमाते हुये सुना है धरवालों के रोनेकी वजहसे मैयतको अजाप होता है.

हजरत अब्दुल्लाह बिन उमरने इस दुकुमको आम रज्जा और इसमे कोइ कैद नहीं लगाई. हजरत अपने अज्जास रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “ओक बार हम अभीरुल मुयमेनीन हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्हो के साथ थे जब मुकामे जयदा में पहोंचे तो देभा के ओक शप्श ओक दरभत के नीचे बैठा हुआ है, हजरत उमरने मुजसे इरमाया, “जानो जाकर पता करो ये कौन शप्श है. मैंने जाकर देभा तो वो सुहैब रहीअल्लाहो अन्हो थे. मैंने वापस आकर कहा के आपने मुजे दुकुम दिया था के मैं जाकर उस शप्श के बारेमें पता करूं, वो शप्श सुहैब है.

हजरत उमरने इरमाया, “उनको हमारे पास जुलाकर लाओ.

मैंने कहा उन के साथ उनकी अहल्या ली है. हजरत उमरने इरमाया अगर ये उन के साथ अहल्याली हो तो ली उनको जुलाकर लाओ. जब हम मदीना पहोंचे तो कुछ हिनॉ जाह हजरत उमरकी जज्मी कर दिये गये फिर हजरत सुहैब आकर कहेने लगे. हाय अइसोस मेरे भाई ! हाय अइसोस मेरे साथी !

हजरत उमरने इरमाया, “क्या तुम्हें नहीं मालुम था तुमने नहीं सुना है के, हुजुर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लामने इरमाया है के, मैयतको उस के जाह धरवालों के रोनेसे अजाप होता है.

हजरत अब्दुल्लाह बिन उमरने मुतादलुक (पिना कीसी कैद के) कहा था और हजरत उमरने कहा था, जायज धरवालों के रोनेसे रावी कहेते है के, मैं जडा हुआ और हजरत आअेशाह रहीअल्लाहो अन्हो के पास गया और हजरत अपने उमरने जे कुछ कहा था अन्हें पताथा.

हजरत आअेशाह रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “जज्जा रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लामने बिलकुल ली ये नहीं कहा के, मैयतको कीसीकी रोनेकी वजहसे अजाप होता है, लेकीन आपने इरमाया था के धरवालोंकी रोनेकी वजहसे अल्लाह त्वाला काकीरक अजाप जयादा कर देता है और अल्लाह त्वाला ही हंसाता है और वही इलाता है और कोइ शप्श कीसी के गुनाहका भोज नहीं उठायेगा.

रावीका कहेना है के, कासीम बिन मुहम्मदने जयान किया के जब हजरत आअेशा रहीअल्लाहो अन्होको ये मालूम हुआ के ये जात हजरत उमर और अपने उमरने कही है

तो ओन्होंने इरमाया, “तुमने जून शप्शीयतोंसे ये हदीष रिवायत की है वो, ना तो ऊँहें है और ना ही ओन्हें कोइ जुहा समजता है लेकीन सुननेमें गलती हो जाती है.

२०४५ : अब्दुल्लाह बिन अब्नी मुलयका रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हजरत ओस्मान रहीअल्लाहो अन्होकी साहजजदीका भक्केमें धन्तकाल हो गया. हम ओन के जनजेमें शरीक होने के लिये गये. हजरत एब्ने ओमर और हजरत एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होम ली आ गये, और मैं ओन दोनों के दरम्यानमें बैठा हुआ था.

हजरत अब्दुल्लाह बिन ओमरने हजरत अम्र बिन ओस्मानसे कहा, ओस पकत वो ओन के सामने थे. तुम धन लोगोंकी रोनेसे क्युं नहीं रोकते ? क्युं के रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व सललमने इरमाया है, घरवालों के रोनेसे मैयतको अजाब होता है.

हजरत एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “हजरत ओमर रहीअल्लाहो अन्हो ली एस किसमकी कुछ बात इरमाते थे. इर हदीष भयान की के, मैं हजरत ओमर के साथ भक्कासे लौट कर आ रहा था. यहां तक के जब हम भयदा पहोंये तो ओक दरभत के नीचे कुछ सवार नजर आये. हजरत ओमरने इरमाया, “जान्यो देओ ये कौन सवार है.

मैंने जकर देया तो वो सुहैण रहीअल्लाहो अन्हो थे, मैंने जकर हजरत ओमरको भताया, हजरत ओमरने इरमाया, “ओसको बुलाकर लाओ.

मैंने हजरत सुहैणसे जकर कहा, अभीइल मुअमेनीन के पास यलो.

और जब हजरत ओमर रहीअल्लाहो अन्हो जग्मी हुये तो हजरत सुहैण आकर रोने लगे. हाय अइसोस मेरे भाई ! हाय अइसोस मेरे साथी !

हजरत ओमर रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “अथ सुहैण ! क्या तुम मुजपर रो रहे हो ? हालां की रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व सललमने इरमाया है भयअ घरवालों के रोनेसे मैयतको अजाब पहोंयता है.

हजरत एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “हजरत ओमर रहीअल्लाहो अन्होकी शहादत के बाद मैंने हजरत आअेशा रहीअल्लाहो अन्होसे एस बातका जिकर किया, हजरत आअेशा रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “अल्लाह त्वाला ओमर पर रहेम करे ! अभुदा, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व सललमने ये नहीं इरमाया था के अल्लाह त्वाला कीसी के रोनेसे मुसलमानको अजाब देता है. लेकीन आपने ये इरमाया था घरवालों के रोनेकी वजहसे काइर के अजाबमें जयादती करता है.

हजरत आअेशाने इरमाया तुम्हारे लिये ये आयत काई है, कोइ शप्श कीसी के गुनाहका ओज नहीं ओहाओगा. और एस मौ के पर हजरत एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “अल्लाह त्वाला हंसाता है और वही इलाता है.

एब्ने अब्नी मुलयकाने इरमाया ये सुनकर हजरत एब्ने ओमर रहीअल्लाहो अन्होने कुछ नहीं इरमाया.

२०४६ : ओक और सनदसे ली औरी ही हदीष भन्कुल है.

२०४७ : हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “जुन्दा लोगों के रोनेसे मैयतकी अजाप दिया जाता है.

२०४८ : उर्वह कहेते है के, हजरत आअेशाह रहीअल्लाहो अनहा के सामने हजरत एब्ने उमरका ये कौल जिक् किया गया के, मैयत के घरवालों के रोनेसे मैयतकी अजाप दिया जाता है तो हजरत आअेशाह रहीअल्लाहो अन्हाने इरमाया, “अल्लाह त्वाला अबु अब्दुर्रहमान पर रहेम इरमाये, उसने सुना और याह नहीं रभा, भात ये है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम के सामने अेक यहुदीका जनाजा गुजरा जूस पर वो (यहुदी) रो रहे थे. आपने इरमाया, “तुम इस पर रो रहे हो और इस पर अजाप हो रहा है.

२०४९ : उर्वह भयान करते है के, हजरत आअेशाह रहीअल्लाहो अन्हा के सामने जिक् किया गया के हजरत एब्ने उमर रहीअल्लाहो अन्हुमा कहेते है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “मैयत के घरवालों के रोनेकी वजहसे मैयतकी कब्रमें अजाप दिया जाता है.

हजरत आअेशाहने इरमाया, “नहीं ! याह नहीं रहा ! रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने तो सिई ये इरमाया था के मैयतकी उसकी भता या गुनाहोंकी वजहसे अजाप दिया जा रहा होता है. और घरवाले इस पर रो रहे होते है. और एब्ने उमरका ये कौल उन के उस कौलकी तरहां है जूसमे उन्होंने कहा के, जंगे भदर के दिन रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम इस कुंवे पर भडे थे जूसमें मुश्कीनकी लारों पडी लुध थी.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने उनसे कुछ (और) कहा और ये नहीं कहा था के, ये मेरी भात सुन रहे है, और वो भूल गये, हालां की उन्होंने ये (जइर) इरमाया था के, मैं जो कुछ भी कहे रहा हुं ये जानते है के, ये हक है. फिर आपने ये आयत पणही.

तरजुमा :- आप मुहोंकी नहीं सुनाते और आप कब्रोंकी सुनानेवाले नहीं है. (वो उस वकतकी भवर दे रहे है) जब के वो अपना किकाना होजभमें बना यु के है.

२०५० : अेक और सनहसे भी अैसी ही रिवायत मन्कुल है.

२०५१ : उमरह बिनते अब्दुर्रहमानसे रिवायत है के, हजरत आअेशाह के सामने जिक् किया गया के हजरत अब्दुर्रहमान बिन उमर कहेते है के, जुन्दा (लोगों) के रोनेसे मैयतकी अजाप होता है.

हजरत आअेशाहने इरमाया, “अल्लाह त्वाला हजरत अबु अब्दुर्रहमानकी भगइरत इरमाये, उन्होंने अट्ट नहीं भोला, या वो भूल गये या समझ नहीं शके. भात सिई एतनी है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमका गुजर अेक यहुदी (के जनाजे) पर हुआ जूस पर रोया जा रहा था. आपने इरमाया, “ये इस पर रो रहे है और इसकी कब्रमें अजाप हो रहा है.

२०५२ : अली बिन अबी रबीअह इरमाते है के, कुईमें सभसे पहले ञस शप्श पर नौहा किया गया वो करअह बिन कयब था. मुगीरह बिन शोअबाने इरमाया, “मैने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमसे सुना है, ञस शप्श पर नौहा किया जाता है, क्यामत के दिन उसको उस नौहेकी वजहसे अजाब होगा.

२०५३ : हजरत मुगीरह रहीअल्लाहो अन्होकी यही रिवायत अेक और सनहसे भी मन्कुल है.

२०५४ : दूसरी अेक सनहसे भी हजरत मुगीरह रहीअल्लाहो अन्होकी औसी ही रिवायत मन्कुल है.

२०५५ : हजरत अबु मालिक अरअरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “मेरी उम्मतमें जमाना-अे-जालिलियतकी आर थीजे है, ञनको लोग नहीं छोडेंगे. हरओ नसब पर इपर करना. दूसरे शप्शको नसबका ताना देना. सितारोंको जारीशका सभब जानना और नौहा करना, नौहा करनेवाले अगर मरनेसे पहले तौबा ना करे तो अन्हे क्यामत के दिन अन्हे गंधक और आरिशकी कभीअ पहलेनाथ जामेगी.

२०५६ : हजरत आअेशह सिद्दीका रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, जब रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के पास, अैद बिन हारीष, जअइर बिन अबी तालीम और अब्दुल्लाह बिन रवाहाकी शाहादतकी जपर आथ तो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम पर गम के आसार नजर आअे.

हजरत आअेशह इरमाती है के, मै हरवाजे के अरीसे देभ रही थी अेक शप्शने आकर कहा, या रसूलुल्लाह, हजरत जअइरकी औरते रो रही है.

आपने इरमाया, “जामो जकर अन्हे मना करदी.

वो जकर वापस आया, और कहा के, वो उसका कहा नहीं मानती है.

आपने दोबारा कहा, जकर अन्हे मना कर दी.

वो इर वापस आया और कहा, या रसूलुल्लाह ! जुदाकी कसम वो हम पर गालीब है.

हजरत आअेशह इरमाती है के, मैने हिलमें कहा, तेरी नाक धूलसे भर जअे, तुं वो काम क्युं नहीं करता ञसका रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने हुकम दिया है ! और ना ही रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमको तकलीईसे नजात देता है.

२०५७ : अेक और सनहसे ये हदीष मन्कुल है धसका आबिरी जुम्ला धस तरहां है. ना ही रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमको थकावटसे नजात देता है.

२०५८ : हजरत उम्मे अतियह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने हमसे जयअत के वक्त ये अहद लिया था के हम डीसी पर नौहा नहीं करेंगे.

(हममेंसे) पांच औरतों के सिवाय डीसीनेबी ये अहेद पुरा नहीं किया। ठाम्मे सुलैम, ठाम्मे आला, भिन्ते अबु सुवरह, और हजरत मुआज रदीअल्लाहो अन्होकी बीबी.

२०५८ : अैसी ही अेक और हदीष थोडे इरक के साथ मन्दुल है.

२०६० : हजरत ठाम्मे अतियह रदीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, जब ये आयाते करीमा नाजिल हुं, युभाध-अेअि-नका अला अल-ला यशरीकन भिल्लाहे शयअंव.... ..

तरजुमा :- औरतें आपसे इस बात पर ब्यअत करें, अल्लाह त्वाला के साथ डीसी बीअकी शरीक नहीं करेंगी और ना डीसी नेकी के काममें ना इरमानी करेंगी (धन बातोंमें नौहा नहीं करनेकी बात भी थी).

हजरत ठाम्मे अलियहने कहा, मैं सिवाय इलां कभीले के नौहा नहीं करुंगी क्युं के अिन्होंने जमाना अे ज़हिलीयतमें मेरे साथ नौहा करनेमें ताअवुन किया था. पस मेरे लिये ज़री है के, मैं भी अिन के साथ ताअवुन करूं. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमने इरमाया, "सिवाय अिस कभीले के आकीमें अज्जत नहीं है.

२०६१ : मुहंमद अिन शीरीन बयान करते है के, हजरत ठाम्मे अलियह रदीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, हमें जनाअे के साथ जानेसे मना किया जाता था. लेकीन सप्ती के साथ नहीं.

२०६२ : हजरत ठाम्मे अतियहसे रिवायत है के, हमें जनाअो के साथ जानेसे मना किया जाता था. लेकीन हम पर सप्ती नहीं की जाती थी.

२०६३ : हजरत ठाम्मे अतियहसे रिवायत है के, नबीअे करीम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेही वसल्लम तशरीक लाअे और अिस वक्त हम अिनकी साहबज्जदीको गुस्ल दे रहे थे. आपने इरमाया, "इसकी तीन दक्ष या पांच दक्ष, या मुनासिब सभअे तो इससे भी अयाध मरतबा बेरी के पत्तों और पानीसे गुस्ल दो, और आअिरमें कुछ क़ुर रभ देना. और जब तुम इरीग हो जाओ. मुजे अबर देना.

हमने इरीग होने के बाद आपको अन्तला ही, आपने हमारी तरफ अपनी आदर ईकी और इरमाया, "इसकी सभ कपडों के नीचे पहनाना.

२०६४: हजरत अतियह रदीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, हमने अिनकी (आपकी साहबज्जदीकी) तीन अोटीयां करदी थी. २०६५ : हजरत ठाम्मे अतियह रदीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमकी साहबज्जदीयोंमेंसे अेक साहबज्जदीका अन्तकाल हो गया. और अेक रिवायतमें ये है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेही वसल्लम हमारे पास आअे, और अिस वक्त हम आपकी साहबज्जदीको गुस्ल दे रहे थे.

और अेक रिवायतमें है के, अिस वक्त आपकी साहबज्जदी इत हो गध तो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व आलेही वसल्लम तशरीक लाअे इस के बाद अिपर गुजरी हुं हदीष के मुताअीक हदीष है.

२०६६ : એક ઔર સનદસે હજરત ઊમ્મે અતિયહ રહીઅલ્લાહો અન્હાસે રિવાયત હૈ, ઇસમેં યે આયા હૈ કે, આપને ફરમાયા, “તીન બાર યા પાંચ બાર, યા સાત બાર યા ઇસસે જ્યાહલ બાર ઔર ઊમ્મે અતિયહને કહા, હમને ઊન કે સરકી તીન ચોટીયાં કર દી થી.

૨૦૬૭ : હજરત ઊમ્મે અતિયહસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “ઊનકો તાક મરતબા ગુસ્લ દો, તીન બાર, યા પાંચ બાર યા સાત બાર, ઔર ઊમ્મે અતિયહ રહીઅલ્લાહો અન્હાને ફરમાયા, “હમને ઊન કે સરકી તીન ચોટીયાં કી થી.

૨૦૬૮ : હજરત ઊમ્મે અતિયહ રહીઅલ્લાહો અન્હાસે રિવાયત હૈ કે, જબ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “ઊનકો તાક મરતબા ગુસ્લ દો. તીન બાર યા પાંચ બાર, ઔર પાંચવી બાર કાફુર રદ દેના. ઔર જબ તુમ ગુસ્લ દે ચુકો તો મુજે ખબર દેના. હમને આપકો ખબર દી તો, હુઝુરને અપની યાદર હમને દી ઔર ફરમાયા, “ઇસસે સબ કપડોં કે નીચે પહેનાના.

૨૦૬૯ : હજરત ઊમ્મે અતિયહ રહીઅલ્લાહો અન્હાસે ઐસી એક હદીષ રિવાયત હૈ જીસમેં યે ઇબ્નકા હૈ કે, હમને ઊન કે બાલોંકી તીન મેંઠીયા કરદી, દો કનપટીયોંકી તરફ ઔર, એક પેશાની કે સામને.

૨૦૭૦ : હજરત ઊમ્મે અતિયહ રહીઅલ્લાહો અન્હાસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને જબ હમેં અપની સાહબઝાદીકો ગુસ્લ દેને કે લિયે હુકમ દિયા તો ફરમાયા, “દાંઇ જાનીબ ઔર અઅજાએ વુઝુસે ગુસ્લ દેના શુરૂ કરેં.

૨૦૭૧ : ઐસી હી એક હદીષ મન્કુલ હૈ જીસમેં અઅઝાએ વુઝુકી તરફસે આયા હૈ.

૨૦૭૨ : હજરત ખબ્બાબ બિન અરત રહીઅલ્લાહો અન્હાસે રિવાયત હૈ કે, હમને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે સાથ અલ્લાહ કે રાસ્તેમેં મહઝ અલ્લાહકી રઝામંદી કે લિયે હિજરત કી જીસકા અજર અલ્લાહ કે પાસ સાબિત હો ગયા, હમમેંસે બાઅઝ વૌ હે જો ઇન્તકાલ કર ગએ ઔર ઊન્હેં દુનિયામેં કોઇ અજર નહીં મિલા. ઊનમેંસે હજરત મુસ્અબ બિન ઊમૈર રહીઅલ્લાહો અન્હો યે જો જંગે ઊહદમેં શહીદ હુએ ઔર ઊન્હેં કફન દેને કે લિયે યાદર કે સિવા ઔર કુઇ ના થા. ઇસ યાદરકો જબ હમ સર પર રખતે તો પૈર ખુલ જાતે ઔર પૈરોં પર રખતે તો સર ખુલ જાતા રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “ઇસ યાદરકો ઊન કે સર કે કરીબ રખ દો. ઔર પૈરોં પર અઝખર (એક તરહાંકા ઘાસ) ડાલ દો. ઔર હમમેંસે બાઅઝ વોહ હૈ જીનકી મહેનતકા ફલ પક ચુકા હૈ ઔર વો ઊસકો ચુન ચુન કર ખા રહે હૈ.

૨૦૭૩ : એક ઔર સનદસે ભી ઐસી હી હદીષ મન્કુલ હૈ.

૨૦૭૪ : હજરત આએશહ રહીઅલ્લાહો અન્હાસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લમક્રે (ઇલાકા) સહલકી બની હુઇ તીન સુફેદ સુતી યાદરોંમેં કફન દિયા ગયા. ઇનમેં ના તો કમીઝ થી ઔર ના હી અમામા ઔર હુલ્લે કે બારેમેં (દો યાદરોંકે) લોગોંકો ઇસ્તીબાહ હૈ. મૈને ઇસકો સિફ ઇસ લિયે ખરીદા થા કે આપકો ઊસમેં

कईन दिया जाये. फिर हुल्ला छोड दिया गया. और आपको तीन सुईए कपडोंमें दईन किया गया. फिर उस हुल्लेको अब्दुल्लाह बिन अबी बऊने ले लिया. और कहा मैं इसको संभाल कर रचभुंगा. ता डी मुजे इसमें कईन दिया जाये. फिर कहा 'के अगर अल्लाह तयालाको पसंद आता तो ये (कपडा) उस के नबी के कईनमें काम आता. फिर उन्होंने उस हुल्लेको बेचकर उसकी किमत सढका कर दिया.

२०७५ : हुजरत आअेशाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है 'के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमको यमनी हुल्लेमें लपेटा गया. ये हुल्ला हुजरत अब्दुल्लाह बिन अबी बऊका था. फिर उसको निकाल लिया गया, फिर आपको तीन सहल यमनी कपडोंमें दईन किया गया. इनमें नतो अमाभा था (और) ना कमीज थी.

हुजरत अब्दुल्लाहने वो हुल्ला उठा लिया और कहा 'के मैं इसे अपने कईन के लिये रचभुंगा, फिर कहा 'के जब रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमको इसमें कईन नहीं दिया गया तो मैं इसको कैसे रचुं ? फिर उसको (उन्होंने) सढका कर दिया.

२०७६ : अेक और सनदसे ली अैसी ही रिवायत मन्कुल है मगर इसमे हुजरत अब्दुल्लाह बिन अबी बऊ रहीअल्लाहो अहोका वाडेआ नहीं है.

२०७७ : हुजरत अबु सलमासे रिवायत है 'के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी जवजा हुजरत आअेशाह रहीअल्लाहो अन्होसे पुछा 'के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमको कितने कपडोंमें दईन किया गया था ?

हुजरत आअेशाह रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, "तीन सहली कपडों में.

२०७८ : हुजरत अब्दुल मुअमेनीन आअेशाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है 'के, जब रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम रई के आअलासे वासील हुये तो आप पर अेक यमनी आहर डाल दी गइ.

२०७९ : अब्दुल्लाह बिन अब्दुर्रहमान दारमीसे अैसी ही उहीष मन्कुल है.

२०८० : हुजरत जाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है 'के, नबीअे करीम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने अेक दिन ખुत्बा दिया और अपने अेक सहलबीका जिंक किया ७०नको इन्तेकाल के बाद छोटेसे कपडेमें कईन दिया गया. और उसको रात ही में दईन कर दिया गया.

नबीअे करीम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने उन्हें रातमें दईन करने पर नाराजगीका इजहार किया क्युं 'के आपको उनकी जनाजेकी नमाज पढानेका मौका नहीं मिला.

और इरमाया, "मजबुरी हो तो अलग जात है.

और नबीअे करीम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, "जब तुममेंसे कोइ शखश अपने लाइकी कईन दे तो अच्छा कईन दे.

२०८१ : हुजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है 'के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, "जनाजेकी जल्दी ले जाओ अगर वो नेक है तो

तुम उसको अच्छाईकी तरफ़ लेजा रहे हो। और अगर वो भद्र है तो तुम अपनी गरदनोसे भुराईको जल्दी उतार डैकोगे।

२०८२ : अेक और सनदसे भी मामूली ईक़ के साथ अैसी ही हदीष मन्दुल है।

२०८३ : हजरत अबु हु़रैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “जनाजेको तेजसे ले जाओ अगर वो नेक है तो तुम उससे ललाईकी करीब ले जा रहे हो और अगर भुरा है तो तुम भुराईको अपनी गरदनोसे उतार रहे हो।

२०८४ : हजरत अबु हु़रैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “जे शफ़श नमाज पठ के जाने तक जनाजे के साथ रहा उससे अेक किरात अजर मिलता है। पुछा गया के किरातसे क्या मतलब है, इरमाया, “दो भडी पहाडियों के बराबर।

सालीमका कहेना है के, हजरत अबुहुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो सीई नमाजे जनाजा पठ के अले जाने थे।

जब हजरत अबु हु़रैरह रहीअल्लाहो अन्होसे ये हदीष सुनी तो कहा, हमने जहोत किरातोंको जथां कर दिया।

२०८५ : हजरत अबु हु़रैरह रहीअल्लाहो अन्हो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमसे भडी पहाडियों तक रिवायत करते है और उस सनदमें इस के जाहका जिक़ नहीं।

२०८६ : हजरत अबु हु़रैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमसे उपर जे हदीष गुजरी वैसी ही हदीष रिवायत करते है और इसमें है के, जे शफ़श जनाजेकी साथ दइन होने तक रहा।

२०८७ : हजरत अबु हु़रैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “जस शफ़शने नमाजे जनाजा पठही और जनाजे के साथ नहीं गया उस के लिये अेक किरात है और जे शफ़श जनाजे के साथ गया उस के लिये दो किरात अजर है। आपने इरमाया, “छोटा किरात ओहद पहाड के बराबर है।

२०८८ : हजरत अबु हु़रैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “जस शफ़शने जनाजेकी नमाज पठही उस के लिये अेक किरात है और जे जनाजे के साथ गया यहां तक के जनाजेको कबरमें उतार दिया गया। इस के लिये दो किरात है।

रावीका बयान है के, मैंने अबु हु़रैरह रहीअल्लाहो अन्होसे पुछा किरात कितना है ? उन्होंने बताया, ओहद पहाडी के बराबर।

२०८९ : हजरत अबु हु़रैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “जे शफ़श जनाजे के साथ गया उस के लिये अेक किरात अजर है।

हजरत धंने उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्हो औसी अहादिष ज-कसरत जयान करते है.

उन्होंने हजरत आअेशह रहीअल्लाहो अन्होसे पुछवाया, तो उन्होने इरमाया, “हजरत अबु हुरैरहकी तस्हीक करही तज हजरत धंने उमरने कहा, हुमने जहोत सी किरातोमें कमी करही.

२०६० : हजरत साअह बिन अभी वककास रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, वो हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्हो के पास जेठ हुअे थे इतनेमें हजरत जज्जाम सहाज मकशूरह आअे और कहने लगे, अय अब्दुल्लाह बिन उमर क्या आपने हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे ये हदीष सुना है के, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व सल्लमने इरमाया, “जे शप्श अपने घरसे नमाजे जनाजा के साथ गया और नमाजे जनाजा पणही और इकन तक जनाजे के साथ रहा तो उसको दो किरात अजर मिलेगा. हर किरात ओहद पहाडी के जराजर है और जे शप्श नमाजे जनाजा पणहकर लौट आया तो उस के लिये ओहद पहाडी के जराजर अजर मिलेगा.

हजरत धंने उमरने हजरत जज्जामको हजरत आअेशा (रहीअल्लाहु अन्हुम) के पास इस हदीषकी तस्हीक के लिये लेजा.

हजरत धंने उमर मरजुहकी कंकरियोमेंसे अेक मुह्री कंकरियां, लेकर उनहे लोट मोट करने लगे यहां तक के कासीह लोट आअे.

और हजरत आअेशहने हजरत अबु हुरैरहकी तस्हीक करही हजरत धंने उमरने अपने हाथसे कंकरिया ईक ही और इरमाने लगे, हुमने तो जहोत किरातोका नुकशान कर दिया.

२०६१ : रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व सल्लम के गुलाम हजरत शोअमान रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जस शप्शने जनाजेकी नमाज पणही. उस के लिये अेक किराअत है और अगर इकन तक जनाजे पर हाजर रहा तो उस के लिये दो किरात है अेक किरात ओहद के जराजर है.

२०६२ : सैयाह और हिशामकी रिवायतमें है के, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व सल्लमसे किरात के जारेमें सवाल किया गया तो इरमाया, “(किरात) दो ओहदकी पहाडी के जराजर है.

२०६३ : हजरत आअेशह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, नबीअे करीम रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व सल्लमने इरमाया, “जस मैयत पर सो मुसलमानोंका गिरोह नमाज पण के ओर वोह सज उसकी शकअत करे तो उनकी शकअत कुबुल की जाती है.

रावीका जयान है के, मैने ये हदीष शोअमा बिन हीज्जामसे जयान की तो उन्होने कहा के, मुजे ये हदीष अतस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होने जयान की थी.

૨૦૯૪ : હજરત અબ્દુલ્લાહ બિન અબ્બાસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, ઊનકા ફરજદ કદીર યા અસ્કહાનમૈં ઇન્તકાલ કર ગયા આપને કરીબસે કહા, દેખો કિતને લોગ હૈ (જનાઝે મૈં)

કરીબને કહા, મૈં નિકલા તો દેખા કે લોગ જમા હુએ થે.

હજરત ઇબ્ને અબ્બાસ રદીઅલ્લાહો અન્હોને ફરમાયા, “કયા તુમહારે અંદાજેમૈં વો ચાલીસ હૈ ? મૈંને કહા, હાં.

હજરત ઇબ્ને અબ્બાસને કહા, જનાઝા નિકાલો મૈંને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમસે સુના હૈ આપને ફરમાયા, “જો મુસલમાન કૈત હો જાએ ઔર ઊસ કે જનાઝેમૈં ઔસે લોગ હો, જીન્હોને અલ્લાહ ત્યાલાસે શિક્ક ના કિયા હો તો અલ્લાહ ત્યાલા મૈયત કે હકમૈં ઊનકી શિક્કાઅત કુબુલ ફરમાતા હૈ.

૨૦૯૫ : હજરત અનસ બિન માલિક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, એક જનાઝા ગુજરા લોગોને ઊસકી તારીફ કી, નખીએ કરીમ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “વાજીબ હો ગઈ ! વાજીબ હો ગઈ ! વાજીબ હો ગઈ !

ઔર દૂસરા જનાઝા ગુજરા તો લોગોને ઊસકી મઝહમત કી. નખીએ કરીમ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “વાજીબ હો ગઈ ! વાજીબ હો ગઈ ! વાજીબ હો ગઈ.

હજરત ઊમર રદીઅલ્લાહો અન્હોને કહા, મેરે માં બાપ આપ પર કુરબાન ! એક જનાઝા ગુજરા ઊસકી અચ્ચાઈ બયાન કી ગઈ તો આપને ફરમાયા, “વાજીબ હો ગઈ ! વાજીબ હો ગઈ ! વાજીબ હો ગઈ ! ઔર દૂસરા જનાઝા ગુજરા ઊસકી ખુરાઈ બયાન કી ગઈ આપને ફિર ફરમાયા, “વાજીબ હો ગઈ ! વાજીબ હો ગઈ ! વાજીબ હો ગઈ !

આપને ફરમાયા, “જીસ જનાઝેકી તુમને તારીફ કી ઊસ કે લિયે જન્નત વાજીબ હો ગઈ. ઔર જીસ જનાઝેકી તુમને ખુરાઈકી ઊસ કે લિયે દોજખ વાજીબ હો ગઈ. તુમ જમીન પર અલ્લાહ કે ગવાહ હો, તુમ જમીન પર અલ્લાહ ત્યાલા કે ગવાહ હો.

૨૦૯૬ : હજરત અનસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે પાસસે એક જનાઝા ગુજરા ઇસ કે બાદ ઉપર જેસી હી હદીષ મન્કુલ હૈ.

૨૦૯૭ : હજરત અબુ ક્તાદહ બિન રખીહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે પાસસે એક જનાઝા ગુજરા, આપને ફરમાયા, “યે આરામ પાનેવાલા હૈ ! યા લોગોંકો ઇસસે આરામ હોગા.

સહાબાને પુછા, યે આરામ પાનેવાલા હૈ ! યા લોગોંકો ઇસસે આરામ હોગા, ઇસસે આપકા કયા મતલબ હૈ ?

આપને ફરમાયા, “મોમીન દુનિયાંકી તકલીફોંસે આરામ પાતા હૈ ઔર કાફિર મરનેસે ઇન્સાનોં, શહરોં, દરખ્તોં ઔર જાનવરોંકો આરામ મિલતા હૈ.

२०६८ : એક ઔર સનદસે યહી રિવાયત મન્કુલ હૈ, ઇસમેં હૈ કે, મોમીન દુનિયાંકી તકલીફોં ઔર મુસીબતોંસે નજાત પાકર અલલાહ ત્આલાકી રહમત હાંસીલ કર લેતા હૈ.

૨૦૬૯ : હજરત અબુ હુરૈરહ રદીઅલલાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, જીસ દિન નજજાશીકા ઇન્તકાલ હુઆ લોગોંકી રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને નજજાશી કે ઇન્તકાલકી ખબર દી આપ ઇદગાહ ગએ ઔર ચાર તકબીરોં કે સાથ નમાઝે (જનાઝા) પઠ્હી.

૨૧૦૦ : હજરત અબુ હુરૈરહ રદીઅલલાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને હબશા કે બાદશાહ નજજાશીકી વક્ષાતકી ઊસ દીન ખબર દી જીસ દિન ઊસકા ઇન્તકાલ હુઆ થા. આપને ફરમાયા, “અપને ભાઈ કે લિયે ઇસ્તીગ્ફાર કરો.

એક ઔર સનદસે રિવાયત હૈ કે, હજરત અબુ હુરૈરહ રદીઅલલાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ઇદગાહમેં સંઈ બનાઈ ઔર ચાર તકબીરોં કે સાથ નમાઝે જનાઝા પઠ્હી.

૨૧૦૧: એક ઔર સનદસે ભી ઔસી હી હદીષ મન્કુલ હૈ.

૨૧૦૨ : હજરત જાબિર બિન અબ્દુલ્લાહ રદીઅલલાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને અશહમા નજજાશી કી નમાઝે જનાઝા પઠ્હાઈ ઔર ઊસમેં ચાર તકબીરોં કહી.

૨૧૦૩ : હજરત જાબિર બિન અબ્દુલ્લાહ રદીઅલલાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “આજ અલલાહ કે એક નેક બંદે અશહમાકા ઇન્તકાલ હો ગયા. ફિર આપને ખંડે હોકર ઊનકી નમાઝે જનાઝા પઠ્હાઈ.

૨૧૦૪ : હજરત જાબિર બિન અબ્દુલ્લાહ રદીઅલલાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “તુમ્હારે એક ભાઈકા ઇન્તકાલ હો ગયા હૈ ! ખંડે હોકર નમાઝ પઠ્હો, ફિર હુમને ખંડે હોકર દો સંઈ બાંધ લી.

૨૧૦૫ : હજરત ઇમરાન બિન હસીન રદીઅલલાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “તુમ્હારે ભાઈકા ઇન્તકાલ હો ગયા હૈ. ખંડે હોકર ઊસકી નમાઝે જનાઝા પઠ્હો.

રાવી કહેતે હૈં ઇસસે મુરાદ નજજાશી થા.

૨૧૦૬ : હજરત શોઅબાસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને એક કબ્ર પર દફન કે બાદ, નમાઝ પઠ્હી ઔર ચાર તકબીરોં કહી, શયબાનીને કહા, તુમ્હેં યે હદીષ કિસને બયાન કી ?

ઊન્હોંને કહા, એક મોઅતબર શખ્શ યાને અબ્દુલ્લાહ બિન અબ્બાસ રદીઅલલાહો અન્હોને.

એક ઔર રિવાયતમેં હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લમ એક તાઝા કબર પર ગએ ઔર ઊસ પર નમાઝ પઠ્હી સહાબાને ભી આપકી ઇકતેદામેં નમાઝ પઠ્હી. ઔર ચાર તકબીરોં કહી.

रावीका कहेना है के, मैंने आभीरसे पूछा ये हदीष तुम्हें कीसने ज्ञान की ?

उन्होंने कहे, अेक मोअतअर शप्सने जूस के पास हजरत अब्दुल्लाह एब्ने अब्बास रहीअल्लाहो अन्हो आते थे.

२१०७ : अेक और सनदसे हजरत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रहीअल्लाहो अन्होकी ये रिवायत आछ है मगर एसमें चार तकबीरोंका जिक्र नहीं है.

२१०८ : अेक और सनदसे भी हजरत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रहीअल्लाहो अन्होकी ये रिवायत आछ है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने कभर पर नमाज पण्डी. मगर एसमें चार तकबीरोंका जिक्र नहीं है.

२१०९ : हजरत अनस रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने अेक कभ्र पर नमाज पण्दाछ.

२११० : हजरत अबु हुदैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने अेक हजशी जवान या अेक हजशी औरत जो मरजुहकी सक्कछ करता था उसकी नहीं देखा तो उस के बारेमें पूछा.

सहाबाने अरज किया, वोह कौत हो गया.

आपने इरमाया, "तुमने मुझे जबर क्युं नहीं दी ?

रावी ज्ञान करते है के, सहाबाने एस मुआमलेको मामूली समज्ना था.

आपने इरमाया, "मुझे उसकी कभर हिजाओ.

आपने उस पर नमाज पण्डी, फिर आपने इरमाया, "ये कभरें अंधेरोसे लरी हुए है. और मेरी नमाजकी वजहसे अल्लाह त्वाला एन कभरोंको रोशन कर देता है.

२१११ : हजरत अब्दुर्रहमान बिन अबी लयलासे रिवायत है के, जैद रहीअल्लाहो अन्हो हमारे जनाजों पर चार तकबीरें कहेते थे. उन्होंने अेक जनाजे पर पांच तकबीर कहीं.

मैंने उनसे पूछा तो उन्होंने कहा, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमभी औसा ही करते थे.

२११२ : हजरत आभिर बिन रबिअह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया के जभ तुम जनाजा देभो तो उस के लिये अडे हो ज्ञायो. यहाँ तक के वो आगे यला ज्ञाये या उसे जमीन पर रज दिया ज्ञाये.

२११३ : अेक और सनदसे भी औसी ही हदीष मन्कुल है.

२११४ : हजरत आभीर बिन रबीअह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, "जभ तुममेंसे कोछ शप्श जनाजा देभे और अगर वो उस के साथ ना ज्ञा श के तो उस वक्त तक षडा रहे जभ तक वो आगे ना निकल ज्ञाये, या आगे ज्ञानेसे पहेले उसे जमीन पर रज दिया ज्ञाये.

२११५ : एब्ने जरीहसे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, "जभ तुममेंसे कोछ शप्श जनाजा देभे और वो उस के साथ ना ज्ञा श के तो उस वक्त तक षडा रहे जभ तक वो आगे ना निकल ज्ञाये.

૨૧૧૬ ; હજરત અબુ સઈદ ખુદરી રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “જબ તુમ જનાઝા દેખો તો ખંડે હો જાઓ ઔર જો જનાઝે કે સાથ ના જાએ વો જનાઝા રખનેસે પહેલે ના ખૈઠ.

૨૧૧૭ : હજરત અબુ સઈદ ખુદરી રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “જબ તુમ જનાઝે કે સાથ જાઓ તો ઊસ વક્ત તક ના ખૈઠો જબ તક જનાઝા રખ ના દિયા જાએ.

૨૧૧૮ : હજરત જાબિર બિન અબ્દુલ્લાહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, એક જનાઝા ગુજરા રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ ઉન કે લિયે ખંડે હો ગએ, અર્ઝ કિયા, યા રસૂલલ્લાહ ! યે યહુદીયહ થી.

આપને ફરમાયા, “મૌત ઘબરાહટકા સબબ હૈ, જબ તુમ જનાઝા દેખો તો ખંડે હો જાઓ.

૨૧૧૯ : હજરત જાબિર રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, એક જનાઝા ગુજરા તો રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લમ ઊસ વક્ત તક ખંડે રહે જબ તક વો નિગાહોસે ઓઝલ નહીં હુઆ.

૨૧૨૦ : હજરત જાબિર રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, એક યહુદીકા જનાઝા ગુજરા તો રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ ઔર આપ કે અસ્હાબ ખંડે રહે તા કે વો નિગાહોસે ઓઝલ હો ગયા.

૨૧૨૧ : હૈસ બિન સઅદ ઔર સુહૈલ બિન હનીફ રદીઅલ્લાહો અન્હુમ કાદસિયામે થે ઉન કે પાસસે એક જનાઝા ગુજરા તો વો દોનોં ખંડે હો ગએ. ઉનસે કહા ગયા કે યે તો કાફિર થા. ઉન્હોંને કહા કે આબિર યે ઝી રહ તો હૈ.

૨૧૨૨ : એક ઔર સનદસે ભી ઐસીહી હદીષ મન્કુલ હૈ. ઇસમં યે હૈ કે, ઉન્હોંને કહા, રસૂલલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે સાથ થે. હમારે સામને એક જનાઝા ગુજરા.

૨૧૨૩ : હજરત સાઅદ બિન મુઆઝ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, નાફેઅ બિન ઝુબૈરને મુજે દેખા. યહાં તક કી હમ જનાઝેમં ખંડે થે. ઔર વો ખૈઠ હુએ જનાઝેકો રખખે જાનેકા ઇન્તજાર કર રહે થે. ઉન્હોંને મુજસે કહા, તુમકો કીસ ચીજને ખડા કિયા હુઆ હૈ ?

મૈને કહા, મૈને જનાઝે કે જાનેકા ઇન્તજાર કર રહા હું, ક્યું કે હજરત અબુ સઈદ ખુદરી રદીઅલ્લાહો અન્હો હદીષ બયાન કરતે હૈ.

નાફેઅને કહા કે મરઉદ બિન હકમ, અલી બીન બલી તાલીબ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત કરતે હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લમ પહેલે ખંડે હુએ થે ફીર ખૈઠ ગએ.

૨૧૨૪ : હજરત અલી બિન અબી તાલીબ રદીઅલ્લાહો અન્હોં જનાઝે કે બારેમં ફરમાતે હૈ કે, રસૂલલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ પહેલે ખંડે હુએ ફિર ખૈઠ ગએ ઔર યે હદીષ ઇસ લિયે બયાન કી કે નાફેઅ બિન ઝુબૈરને વાહિદ બિન અમ્રકો દેખા કે વો જનાઝે કે રખે જાને તક ખંડે રહે.

२१२५ : अेक और सनदसे ली औरी ही हदीष मन्कुल है.

२१२६ : हजरत अली कर्मल्लाहो वजहलुसे रिवायत है के, हमने देखा के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम ँडे हुअे तो हम ँडे हो गअे, और आप ँडे तो हम ँडे गअे.

२१२७ : अेक और सनदसे ली औरी ही हदीष मन्कुल है.

२१२८ : हजरत औरै बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने अेक जनाजेकी नमाज पणही. मैंने उसकी दुआ के अल्लाज याद रभे. वो ये है,

अल्लाहुम्भगकिरलहु, वरहमहु, व अकिही, व अहु अन्हु, व अक्रीम नुजुलहु, व वरसेअ महभलहु, व गुसीलहु बिल माअे, वरसलजे, वल अरहे व लकैकी बिनल अताया कमा नकक्यतस-सवभल अअयेदें बिनद-दतसे व अअेदें लहु दारन औरा बिन अवहेही व अहभेलहुलुलु जन्नता व अअजहु अजाबिल अररे व बिन अजाबन्नारे,

तरजुमा :- अय अल्लाह एसकी भगैरत इरमा, एसपर रहेम इरमा, एसको आकियतमें रभ, और एसको मुआइ इरमा दे. एसकी अजजतके साथ महेमानी कर, एस के महभलको वसीअ करे. एसको पानी अरइ और ओलोंसे धो डाल, एस के गुनाहोंको एस तरहों साइ करे जैसे तुने सुई कपडेको मैलसे साइ कर दिया है, एस के घर के अदलेमें एससे अहतरीन घर अता इरमा. एस के घरवालों के अदलेमें अहततर घरवाले अता इरमा. एसकी बीबी के अदलेमें उससे अहततर बीबी अता इरमा, एसको जन्नतमें दाबिल इरमा. एसको अजाअे कअ्र और अजाअे नारसे महेकुअ रभ.

हजरत औरै इरमाते है के, उस वक्त मैंने ये तमन्ना की के काश! वो मरने वाला मैं होता.

२१२९ : अेक सनद सेली औरी ही हदीष मन्कुल है.

२१३० : हजरत औरै बिन मालिक सजअ रहीअल्लाहो अन्हो रिवायत करते है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने अेक जनाजेकी नमाज पणही और उसमें ये दुआ मांगी. (जे अपर है)

तरजुमा :- अय अल्लाह एसको अअश दे, एस पर रहेम इरमा, एसको मुआइ इरमा, एसको आकियतमें रभ, एसकी अअी महेमानी इरमा, एस के महभलको वसीअ कर एसको पानी, अर. और ओलोंसे धो दे, एस के गुनाहोंको एस तरहों साइ करे अउ तरहों सई कपडे के मैलको साइ किया जाता है, एसको घर के अदलेमें अशत घर अता इरमा, और दुन्यवी घरवालों के अदलेमें अअे घरवाले अता इरमा और बीबी के अदलेमें अअी बीबी अता इरमा. एसको अजाअे कअ्र और अजाअे नारसे महेकुअ रभ.

हजरत औरै इरमाते है के, एस मैयत के लिये ये दुआ सुनकर मैंने ये तमन्ना की के काश ! ये मरनेवाला मैं होता !

२१३१ : हजरत सभूरहु बिन जुन्दुअ रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैंने नबीअे क्रीम सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी अकनेदामें हजरत कअअकी वालेहडकी जनाजेकी

નમાઝ પળહી. જો કી હાલતે નિકાસમેં ફીત હો ગઈ થી. ઊનકી નમાઝ પળહાને કે લિયે રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામ જનાઝે કે વુસ્તમેં ખંડે હુઝમે થે.

૨૧૩૨ : દૂસરી એક સનદસે ભી ઐસી હી રિવાયત મન્દુલ હૈ લેકીન ઇસમે હજરત કઅબ રહીઅલ્લાહકી વાલેદાકા ઝિક નહી હૈ.

૨૧૩૩ : હજરત સમૂરહ બિન જુન્દુબ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, મેં રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામ કે જમાનેમેં (કમસીન) લડકા થા, મેં ઊસ વક્ત આપકી અહાદિષ યાદ ક્રિયા કરતા થા. મેં વહાં ઇસલિયે નહી ખોલતા થા કી વહાં મુજસે જ્યાદા ઊમ્ર કે લોગ મૌજુદ હોતે થે.

મેંને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામકી ઇકતેદામેં એક ઔરતકી નમાઝ પળહી જો કે નિકાસકી હાલતમેં ઇન્તકાલ કર ગઈ થી. રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામ ઊસકી જનાઝેકી નમાઝ પળહાતે વક્ત જનાઝે કે દરમ્યાનમેં ખંડે થે.

એક રિવાયતમેં યે હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લામ ઊસ (ઔરત) પર નમાઝ પળહાને કે લિયે દરમ્યાનમેં ખંડે હુઝમે.

૨૧૩૪ : હજરત જાબિર બિન સમૂરહ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામકી ખિદમતમેં એક નંગી પીઠવાલા ઘોડા લાયા ગયા. જબ આપ ઇબ્ને વહદા કે જનાઝેસે ફારીગ હુઝમે તો આપ ઊસ ઘોડે પર સવાર હો કર આઝમે ઔર હમ આપ કે ચારોં તકક પૈદલ ચલ રહે થે.

૨૧૩૫ : હજરત જાબિર બિન સમૂરહ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામને ઇબ્ને વહદાકી નમાઝે જનાઝા પળહી. ફિર આપ કે લિયે નંગી પુસ્તવાલા ઘોડા લાયા ગયા. એક શખ્સને ઊસકો પકડા ઔર આપ ઊસ પર સવાર હો ગએ. વો ઘોડા ફુલકી ચાલ ચલને લગા. હમ આપ કે પીછે ભાગતે હુઝમે ચલ રહે થે.

જમાઅતમેંસે એક શખ્સને કહા કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામને ફરમાયા, “ઇબ્ને વહદા કે લિયે જન્નતમેં કિતને ખોશે લટક રહે હૈ. શોઅબાકા કહેના હૈ કે, અબુલ વહદા કે લિયે.

૨૧૩૬ : હજરત સાઅદ બિન અબી વકકાસ રહીઅલ્લાહને મરજુલ મૌતમેં કહા, મેરે લિયે લહફ બનાના ઔર ઊસ પર કુઇ ઇંટે લગાના, જીસ તરહાં રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામકી કબ્ર બનાઈ ગઈ થી.

૨૧૩૭ : હજરત ઇબ્ને અબ્બાસ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામકી કબ્રમેં સુર્ખ ચાદર રખી ગઈ થી.

૨૧૩૮ : શમામા બિન શફીસે રિવાયત હૈ કે, હમ ફઝાલા બિન અબી ઊબૈદ કે સાથ રુમ કે શહર રોડસમેં થે, હમારે એક સાથીકા ઇન્તકાલ હો ગયા. તો હજરત ફઝાલા રહીઅલ્લાહો અન્હોને હુકમ દિયા કે ઊનકી કબર બરાબર કર દી જાએ. ઔર બયાન ક્રિયા કે રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામને ફરમાયા થા, કબરે જમીન કે બરાબર કર દી જાએ.

૨૧૩૯ : અબુલ હયાઝ અસદીસે રિવાયત હૈ કે, મુજસે હજરત અલી કરમલ્લાહો વજહલુને કહા કે કયા મૈ તુમહે ઊસ કામ કે લિયે ના ભેજું જુસ કામ કે લિયે મુજે રસૂલલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ભેજા થા. કે મૈ હર તસ્વીરકો મિટાદું ઔર હર ઊંચી કબરકો ખરાબર કર દું.

૨૧૪૦ : એક ઔર સનદસે ભી ઐસી રિવાયત મન્કુલ હૈ મગર ઇસમૈ તસ્વીરકા ઝિક નહીં હૈ.

૨૧૪૧ : હજરત જાબિર રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વસલમને કબ્રકો પુખ્તા બનાને, ઊસ પર બૈઠને ઔર ઊસ પર ઇમારત તામીર કરનેસે મના ફરમાયા હૈ.

૨૧૪૨ : એક ઔર સનદસે ભી ઐસી હી રિવાયત મન્કુલ હૈ.

૨૧૪૩ : હજરત જાબિર રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને કબરોં કે પુખ્તા બનાનેસે મના ફરમાયા હૈ.

૨૧૪૪ : હજરત અબુ હુરૈરહ રદીઅલ્લાહો ત્યાલા અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “અગર કોઈ શખ્શ અંગારો પર બૈઠ જાએ જુસસે ઊસકે કપડે જલ જાએ ઔર ઊસકી ખાલ તક પહોંચ જાએ તો યે કબ્ર પર બૈઠનેસે બેહતર હૈ.

૨૧૪૫ : એક ઔર સનદસેભી ઐસી હી હદીષ મન્કુલ હૈ.

૨૧૪૬ : હજરત અબુ મરસદ ગનવી રદીઅલ્લાહોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “(ન તો) કબરોંકી તરફ નમાઝ પળહો, ના (તો) ઊન પર બૈઠો.

૨૧૪૭ : હજરત અબુ મરસદ ગનવી રદીઅલ્લાહોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “(ન તો) કબરોંકી તરફ નમાઝ પળહો, ના (તો) ઊન પર બૈઠો.

૨૧૪૮ : ઊબાદ બિન ઊબૈદુલ્લાહ બિન ઝુબૈર રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, હજરત આએશહ રદીઅલ્લાહો અન્હાને ફરમાયા કે હજરત સાઅદ બિન અલી વક્કાસ રદીઅલ્લાહો અન્હાકો જનાઝા મસ્જીદમૈ લાયા જાએ તા કી વો ભી ઊસકી નમાઝે જનાઝા પળહ શકે.

સહાબા એ કિરામને ઇસપર એતરાજ કિયા તો હજરત આએશહને ફરમાયા, “લોગ કીસ કદર જલ્દ ભૂલ ગએ કે રસૂલલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને સુહેલ બિન ખયદાઅકી નમાઝ મસ્જીદહીમૈ પળહી થી.

૨૧૪૯ : ઊબાદ બિન ઊબૈદુલ્લાહ બિન જુબૈર (રદીઅલ્લાહ) કહેતે હૈં જબ હજરત સાઅદ બિન અબી વક્કાસ રદીઅલ્લાહો અન્હોકા વિસાલ હો ગયા તો અજવાબે મુતહહેરાતને ફરમાયા કે ઊનકા જનાઝા મસ્જીદમૈ લે આઓ તા કે હુમ ભી ઊનકી નમાઝે જનાઝા પળહ લે. લિહાઝા ઐસા હી કિયા ગયા ઔર જનાઝા ઊન કે હુજરોં કે સામને રખ કિયા ગયા. તા કે વો ભી નમાઝ જનાઝા પળહ લે.

ફિર જનાઝેકો મુકાઅદકી તરફસે બાબુલ જનાઈઝસે બહાર લે જાયા ગયા, જબ સહાબાકો ઇસકા પતા ચલા તો ઉન્હોંને ઇસ પર એતરાજ કિયા ઔર કહા જનાઝેકો મસ્જીદમં નહીં લે જાયા જાતા.

હજરત આએશહને ફરમાયા, “લોગ કીસ કદર જલદ હર ખાત પે એતરાજ કરને લગે હૈ, જીસકો વો નહીં જાનતે, વો જનાઝેકો મસ્જીદમં લાએ જાને પર એતરાજ કર રહે હૈ. હાલાંકી રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામને સુહૈલ બિન બયદઅકી નમાઝે જનાઝા મસ્જીદહીમં પઠ્ઠી થી.

૨૧૫૦ : અબુ સલમા બિન અબ્દુરહમાન કહતે હૈ કે, જબ સાઅદ બિન અબી વક્કાસ રદીઅલ્લાહો અન્હોકા વિસાલ હુઆ તો હજરત આએશહ રદીઅલ્લાહો અન્હાને ફરમાયા, “ઊન કે જનાઝેકો મસ્જીદમં દાખિલ કરો તા કી મૈં ઇસ પર નમાઝે જનાઝા પઠું.

સહાબાકી તરફસે ઇસપર એતરાજ કિયા ગયા. તો હજરત આએશહ રદીઅલ્લાહો અન્હાને ફરમાયા, “બખુદા ! રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામને બયદઅ કે દો બેટે સહલ ઔર ઊસ કે ભાઈકી નમાઝે જનાઝા મસ્જીદમં પઠ્ઠી થી.

૨૧૫૧ : હજરત આએશહ રદીઅલ્લાહો અન્હાસે રિવાયત હૈ કે, જબ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામકી મેરે યહાં બારી હોતી થી તો રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લામ રાત કે આખિરી હિસ્સેમં (જન્નતુલ) બકીઅ તશરીફ લે જાતે ઔર ફરમાતે “અય જમાઅતે મુઅમેનીન ! અસસલામો અલયકુમ ! તુમહારે પાસ વો ચીજ આ ચુકી હૈ જીસકા તુમસે વાદા કિયા ગયા થા. ઇન્શાઅલ્લાહ ! હમભી તુમહારે સાથ લાહક હોનેવાલે હૈ. અય અલ્લાહ ! બકીઅ ગરકઠ્ઠવાલોંકી મગફેરત ફરમા !”

૨૧૫૨ : ઇબને જુરૈજ ફરમાતે હૈ કે, મુજસે કુરૈશ કે એક શખ્શને કહા, કે મહુંમદ બિન કેસ (બિન મખ્જુમા બિન મુતલીબ) એક દિન કહને લગે, ક્યા મૈં તુઝે અપની ઔર અપની માં કી તરફસે હદીષ ના બયાન કરે ? રાવીકા કહેના હૈ કે, હમ સમજે વો અપની નસબી માં કા ઝિક્ક કર રહે હૈ. ઊન્હોંને કહા કે, હજરત આએશહ રદીઅલ્લાહો અન્હાને ફરમાયા, “ક્યા મૈં તુમકો અપની તરફસે ઔર રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લામકી તરફસે હદીષ ના બયાન કરે ?

હમને કહા, ક્યું નહીં ?

હજરત આએશહને ફરમાયા, “ઊસ રાતકી ખાત હૈ જબ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લામ મેરે ઘર થે, આપને કરવટ લેકર ચાદર ઓઢી ઔર જુતે નિકાલ કર આપને કદમોં કે સામને રખે ઔર ચાદરકી એક તરફ અપને બિસ્તર પર બિછા કર લેટ ગએ. થોડી દેર મેરી નીંદ કે ખયાલસે ઠહરે રહે. ફિર આહિસ્તાસે ચાદર ઓઢી. જુતા પહેના, ચુપકેસે દરવાજા ખોલા આરામસે બાહર નિકલે ઔર આહિસ્તાસે દરવાજા બંદ કર દિયા. મૈંને ભી એક ચાદર સર પર ઓઢી, એક ચાદર અપની ગિર્દ લપેટી, ઔર આપ કે પીછે પીછે ચલ પડી. આપ (જન્નતુલ) બકી પહોંચે ઔર દેર તક ખંડે રહે. ફિર આપને ત્રીન બાર અપને હાથ

ઊઠાએ ઔર વાપસ લૌટને લગે. મેં ભી વાપસ ચલ પડી. આપ તેજ ચલે મેં ભી તેજ ચલી. આપ ઔર તેજ ચલે મેં ભી ઔર તેજ ચલી. આપ ઘર આવે મેં આપસે પહેલે ઘર પહુંચ ગઈ ઔર આતે હી લેટ ગઈ. આપને દાખિલ હોકર ફરમાયા, “અચ આવેશહ ! કયા હુઆ ? તુમહારા સાંસ કયું ચઢ રહા હૈ ?

મેંને કહા, કોઈ ખાસ ખાત નહીં.

આપને ફરમાયા, “તુમ ખુદ ખતાદો વરના મુજે લતીફો, ખબીર (અલ્લાહ) ખતા દેગા.

મેંને કહા, યા રસૂલુલ્લાહ ! આપ પર મેરે માં ખાપ કિદા હોં. કિર મેંને સારી ખાત ખતા દી.

આપને ફરમાયા, “મેરે આગે જો એક હીલાસા નજર આ રહા થા વો તુમ થી ?

મેંને કહા, હાં

આપને શક્કતસે મેરે સીને પર એક હાથ મારા, જીસસે મુજે દઈ હુઆ. કિર ફરમાયા, “કયા તુમને યે ખયાલ કિયા થા કે અલ્લાહ ઔર ઊસકા રસૂલ તુમહારા હક માર રહા હૈ ?

મેંને સોચા કે જબ લોગ હુઝુરસે કુછ છુપાતે હૈ તો અલ્લાહ ત્યાલા ઊન્હોં ખતા દેતા હૈ.

આપને ફરમાયા, “જબ તુમને મુજે દેખા થા ઊસ વકત જીબ્રીલ મેરે પાસ આયા થા. ઊસને મુજે બુલાયા ઔર તુમકો મખફી રખા. મેં ઊસ કે બુલાને પર ગયા ઔર મેંને ભી તુમસે મખફી રખા.

વો તુમહારે પાસ નહીં આવે થે કયું કે તુમ શાયદ જયદા કે કપડે ઊતાર ચુકી થી. ઔર મેંને યે ખયાલ કિયા થા કે તુમ સો ચુકી હો, મેંને તુમહે જગાના મુનાસિખ નહી સમજા ઔર યે ભી ખયાલ આયા કે તુમ ગભરાઓગી.

આપને ફરમાયા, “તુમહારા રબ તુમહે હુકમ દેતા હૈ કે, તુમ જાકર અહેલે ખકીઅ કે લિયે બખ્શીશકી દુઆ કરો.

હજરત આવેશહ ફરમાતી હૈ મેંને પુછા, યા રસૂલુલ્લાહ ! કીસ તરહાં દુઆ કરું ?

આપને ફરમાયા, “અચ મુઅમીનો ઔર મુસલમાનોં કે ઘરવાલોં જો હમસે પહેલે જા ચુ કે હૈ ઔર જો બાદમં જાનેવાલે હૈ. સબ પર અલ્લાહ ત્યાલા રહમ ફરમાએ, ઔર હમ ભી ઇન્શાઅલ્લાહ તુમહારે સાથ લાહક હોંગે.

૨૧૫૩ : હજરત બુરૈદહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લામ હમં તાલીમ દેતે થે કે જબ વો કબ્રસ્તાન જાએ તો કહે, અચ મુસલમાનોં કે ઘરવાલો ! અરસલામો અલયકુમ. ઇન્શાઅલ્લાહ, હમ તુમહારે સાથ લાહક હોંગે. હમ અલ્લાહ ત્યાલાસે અપને ઔર તુમહારે લિયે આફિયતકા સવાલ કરતે હૈ.

૨૧૫૪ : હજરત અબુ હુરૈરહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયોકે, મેંને અપને રબસે અપની માં કે લિયે ઇસસ્તગફારકી ઇજાજત

માંગી તો અલ્લાહત્આલાને ઇજાજત નહીં દી, ફિર અપની માં કી કબ્રકી જિયારતકી ઇજાજત માંગી તો અલ્લાહત્આલાને ઇજાજત દે દી.

૨૧૫૫ : હજરત અબુ હુરૈરહ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને અપની વાલીદાકી કબ્રકી જિયારતકી તો રોએ ઓર આપ કે ગિદ ખંડે લોગ ભી રોએ.

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “મૈને અપને રબસે અપની વાલેદહકી ઇસ્તગફાર કે લિયે દુઆ માંગી થી. તો મુજે ઇજાજત નહીં મિલી. ફિર ઊનકી કબ્રકી જિયારત કે લિયે ઇજાજત માંગી તો મુજે ઇજાજત દે દી ગઇ. પસ કબરોંકી જિયારત કિયાં કરો ક્યું કે યે મૌતકો યાદ દિલાતી હૈ.

૨૧૫૬ : હજરત બુરૈદહ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “મૈને તુમ્હે કબરોંકી જિયારતસે મના કિયા થા. તુમ ઊનકી જિયારત કિયાં કરો. ઓર મૈને તુમ્હે તીન દિન કે બાદ કુરઆની કે ગોશ્તકો રખનેસે મના કિયા થા. અબ તુમ ઊન્હે રખ શકતે હો. મૈને તુમ્હે મશકીઝોં કે અલાવા ઓર ચીજોંમેં નબીઝ પીનેસે મના કિયા થા અબ તુમ સબ કિસ્મ કે બરતનોંમેં નબીઝ પી લીયાં કરો ઓર નશા આવર ચીજકો ઇસ્તમાલ મત કરો.

૨૧૫૭ : દૂસરે કંઇ અસ્નાદસે ભી યે હદીષ રિવાયત હુઇ હૈ.

૨૧૫૮ : હજરત જાબિર બિન સમૂરહ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે સામને એક શખ્શકો લાયા ગયા. જુસને અપને આપકો એક તીરસે હલાક કર લિયા થા. આપને ઊસકી નમાઝે જનાઝા નહીં પળી.

किताबु-अ-अक़त

(अक़त अद्व इनेक़ भयान)

२१५८ : हुजरत अबु सय्द जुहुरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “पांच वरक़ (भतीस मन)से कम (अरध पैदावार) पर अक़त वाजुब नहीं है, ना पांचसे कम ओंट (हो तो (अक़त वाजुब नहीं है) मैं अक़त है और ना ही पांच औकिया (द्वा सो हिरहम) या साढे भावन तोला (६१२.३६ ग्राम) चांदीसे कममें अक़त (वाजुब) नहीं है.

२१६० : अेक़ और सनदसे भी औसी ही रिवायत मन्कुल है.

२१६१ : हुजरत अबु सय्द रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम अपने दाथकी पांच ओंगलियोसे धशारा कर के इरमा रहे थे, धस के भाद उपरवाली हदीष रिवायत की है.

२१६२ : हुजरत अबु सय्द जुहुरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “पांच वरक़से कममें अक़त नहीं है, पांच ओंटोसे कममें अक़त नहीं है और ना पांच औकिया चांदीसे कममें अक़त है.

२१६३ : हुजरत अबु सय्द जुहुरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “पांच वरक़ अजुरसे कममें अक़त नहीं और ना ओससे कम गल्ले पर अक़त है.”

२१६४ : अबु सय्द जुहुरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “गल्ला और अजुर ज़ब तक पांच वरक़ ना हो ओनमें अक़त वाजुब नहीं और ना पांच ओंटोसे कममें और ना पांच औकिया चांदीसे कममें अक़त वाजुब है.”

२१६५ : अेक़ और सनदसे भी औसी ही रिवायत है.

२१६६ : अेक़ और सनदसे भी औसी ही रिवायत है धसमें अजुरकी जगह इलौका लक़अ है.

२१६७ : हुजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाहसे (रहीअल्लाहो अन्हो) रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “पांच औकिया चांदीसे कममें अक़त नहीं, ना पांच ओंटोसे कममें अक़त है, और ना पांच वरक़से कम अजुरमें अक़त है.”

२१६८ : हुजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “ओन ज़मीनोंकी दरिया और भारीश सैराब करे ओनमें ओश्र है. (१/१० दसवां हिस्सा) और जो ज़मीने ओंट के ज़रीअे सैराब की ज़अे ओनमें निरूफ़ ओश्र है (१/२० भीसवा हिस्सा). ”

२१६९ : हुजरत अबु हुज़ैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “मुसलमान पर ओस के गुलाब और घोडेमें अक़त नहीं है.”

२१७० : औसी ही अेक़ और हदीष मन्कुल है.

२१७१ : जैसे ही अक और हदीष मन्कुल है.

२१७२ : हजरत अबु हुसैरहसे रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व सल्लमने इरमाया, "गुलाम पर अक़ात नहीं है मगर सहक़य़े क़ितर है."

२१७३ : हजरत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व सल्लमने हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्होको अक़ात वसुल करने के लिये भेजा. फिर आपको बताया गयाके, एब्ने ज़मीला हजरत ખालीद बिन वलीद, उममे रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व सल्लम और हजरत अब्बास रहीअल्लाहो अन्होने अक़ात नहीं दी तो रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व सल्लमने इरमाया, "एब्ने ज़मीलको तो सिर्फ़ ये खीज ना-गंवार हुंफ़ के वो मोहताज था और अल्लाह त्वालाने उसको गनी कर दिया.

रहे खालिद बिन वलीद, तो तुम उन के साथ ज़याहती करते हो क्युं के उन्होने तो अपनी ज़रहें और हथियार तक अल्लाहकी राहमें वक़ किये हुये है, भाकी रहे अब्बास तो ज़तनी अक़ात उन पर वाजुब है उससे हुगनी में अदा कर हुंगा. "

फिर इरमाया, "अय उमर ! क्या तुम नहीं जानते के कीसी शप्शका यया उस के आपकी भिरल होता है ? "

भाष : २७६ सहक-अ-क़ित्र

२१४७ : हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व सल्लमने रमज़ान के सभभसे मुसलमानों पर अक़ साय्य (साढे चार शेर) या अक़ साय्य जव सहक़य़े क़ित्र मुक़रर किया. याहे वो आज़ाह हो या गुलाम, मर्द हो या औरत.

२१७५ : हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहेसे व सल्लमने हर रमज़ान पर अक़ साय्य षजुर या अक़ साय्य जव सहक़य़े क़ित्र मुक़रर किया याहे वो आज़ाह हो या गुलाम छोटा हो या बडा.

२१७६ : हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सललल्लाहो अललयहे व सल्लमने हर आज़ाह और गुलाम, हर मर्द और औरत पर अक़ साय्य षजुर या अक़ साय्य जव सहक़य़े क़ित्र मुक़रर कियाथा और लोगोने एस के कायम मुक़ाम निश्च साय्य (सवा दो शेर) गेहुंको कर लिया.

२१७७ : जैसे ही हदीष थोडे इर्क़ के साथ रिवायत की गइ है.

२१७८ : उपर जैसे ही हदीष मन्कुल है एसमें ये है के, मुसलमानों पर अक़ साय्य षजुर या अक़ साय्य जव सहक़य़े क़ित्र मुक़रर किया है याहे वो आज़ाह हो या गुलाम छोटा हो या बडा.

२१७९ : हजरत अबु सईद ख़ुदरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हम अक़ साय्य तय्याम, या अक़ साय्य जव, या अक़ साय्य षजुर, या अक़ साय्य पनीर या अक़ साय्य किसभीस सहक-अ-क़ित्र अदा करतेथे.

२१८० : हजरत अबु सय्द जुहरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जब रसुलल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम हममें मौजूद थे. उस वक्त हम हर छोटे और बड़े, आजाद और गुलामकी तरफसे एक साथ तयाम या एक साथ जब, या एक साथ ज़ुर, या एक साथ पनीर या एक साथ किसमिस सफ़काये कित्र अदा करतेथे.

हम ये सफ़कये कित्र धसी तरहां अदा करते थे हुत्ता के हजरत मुआवीया हज्ज या उमराले के लिये आये उन्होंने भिबर पर बड़े होकर लोगों के सामने तकरीरकी और कदा के शाम के गन्धुम (गेहूँ)का निश्च साथ एक साथ ज़ुर के बराबर होगा. कित्र लोगों ने उस पर अमल करना शर् कर दिया.

हजरत अबु सय्द जुहरी रहीअल्लाहो अन्होने कदा, मैं अपनी पुरी ज़ुन्दगी धसी तरहां सफ़क-ये-कित्र अदा करता रहूंगा जोस तरहां पहले अदा किया करता था.

२१८१ : हजरत अबु सय्द जुहरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जिस वक्त रसुलल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम हममें मौजूद थे, उस वक्त हम हर छोटे बड़े और आजाद और गुलामकी तरफसे तीन तरह सफ़कां ये कित्र अदा किया करते थे. एक साथ ज़ुर या एक साथ पनीर या एक साथ जब. हम थुंही सफ़का-ये-कित्र अदा किया करतेथे, हुत्ता के अभीर मुआवीया रहीअल्लाहो अन्होने कदा के दो मुह गन्धुम एक साथ ज़ुर के बराबर है. हजरत अबु सय्द जुहरी रहीअल्लाहो अन्होने कदा, मैं अपनी पुरी ज़ुन्दगी धसी तरहां सफ़क-ये-कित्र अदा करता रहूंगा जोस तरहां पहले अदा किया करता था.

२१८२ : हजरत अबु सय्द जुहरी रहीअल्लाहो अन्हो रिवायत करते है के, हम तीन किसमसे सफ़का-ये-कित्र दिया करतेथे. पनीर, ज़ुर और जब.

२१८३ : हजरत अबु सय्द जुहरीसे रिवायत है की जब हजरत मुआवीयाने निश्च साथ गन्धुमकी एक साथ ज़ुर के बराबर करार दिया तो मेने उसका धनकार किया और कदामें धसी तरह सफ़का-ये-कित्र अदा करता रहूंगा. जोस तरह रसुलल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम के अहदमें किया करता था याने एक साथ ज़ुर या एक साथ किसमिस या एक साथ जब या एक साथ पनीर.

२१८४ : हजरत अबुल्लाह बीन उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसुलल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने हुकम दिया था के सफ़का-ये-कित्र नमाज़-ये-छे के लिये ज़ानेसे पहले अदा किया ज़ाये.

२१८५ : एक सनहसे बी औसी ही हदीष मनकुल है.

भाब २७७ :- अक़ात ना देनेका गुनाह

२१८६ : हजरत अबु जुहरह रहीअल्लाहोत्त्याला अन्होसे रिवायत है के रसुलल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया ज़े शपश सोना चांदी रपता हो और उसका हक ना अदा करता हो तो कयामत के दिन उस के लिये आगकी यदूनोकी परत बनाध ज़येगी और उस के पैहलु और होठकी उस के साथ दगा ज़येगा. एक बार ये अमल करने के बाद होबारा

लौटाया जायेगा. जो दिन पचास हज़ार साल के बराबर, है उन दिन ये अमल मुसलसल होता रहेगा और आभिर जब तमाम लोगो के ईसले हो जायेंगे तो उसे जन्त या जहन्नमका रास्ता दिभा दिया जायेगा.

अर्ज किया या रसुलल्लाह उँटवालोका क्या होगा ?

इरमाया, “जो उँटवाला उँटोका हक अदा नहि करेगा और उँटोका हककमेंसे ये भी है के, पानी पीलातेका देना. उँटोका दूध द्रोहकर गरीबोको पीलाया जाये. क्यामत के दिन अक यटियल जमीन पर लेटा देया जायेगा. उस वक्त वो उँट आयेंगे. यहां तक की वो बहोत इरबाह होंगे और उनमेंसे कोछ बन्या तक गुम नहि होगा वो उस सभशको अपने पुरोसे गूहेंगे और अपने मुँहसे काटेंगे. उनका अक रेवण गुजर जायेगा तो दूसरी आ जायेगा. पचास हज़ार साल के बराबर देरीमे ये सिलसिला खुँडी जारी रहेंगा. हुता के जब लोगो के ईसले हो जायेंगे तब उसे जन्त या जहन्नमका रास्ता दिभा दिया जायेगा. ”

अर्ज किया, या रसुलल्लाह गाय और बकरीयो वालोका क्या हाल होगा ?

इरमाया, गाय और बकरीयोवाला उनका हक अदा ना करेगा उसे क्यामत के दिन यटियल मेदानमें उसे मुँह के बल गिराया जायेगा. तमाम गाय और बकरीयां उसको अपने पुरोसे रोंहंगी और शिंगोसे मारेगी.

उस रोज उनमे ना कोछ उल्टे सिंगवाली होगी ना बगैर सिंगवाली ना टुटे हुअे सिंगवाली. अक रेवण गुजरने के बाद झैरन दुसरा आ जायेगा और पचास हज़ार साल के बराबर दिनमे खुँडी होता रहेगा यहां तक की लोगो के दरभियान ईसला कर दिया जायेगा. फिर उसे जन्त या जहन्नमका रास्ता दिभा दिया जायेगा.

अर्ज किया या रसुलल्लाह घोडोवालोका क्या होगा ?

आपने इरमाया घोडोकी तीन किसमें हे, घोडे मालिक के लिये भोज होते हैं, मालिक के लिये सतर होते हे और मालिक के लिये अजर होते हैं, भोज वो घोडे होते हे जोसकी मालिकने दिभावे कर कर और मुसलमानोका धजा पहोचाने के लिये रभा हो वो घोडे मालिक के लिये भोजका भाअस है और मालिक के लिये सतर वो घोडे के जोसे मालिकने राहे जुदामें बांधा हो फिर वो उन हकुकको ना लुला हो जो घोडोकी पीछो और गर्दनोसे वाबस्ता है ये घोडे मालिक के लिये सतर भाअस हे और जो घोडे मालिक के लिये अजर हे ये वो घोडे हे जो मालिकको राहे जुदामें मुसलमानो के लिये बांधा हो, ब्रीसी यारागाह या जागमें ये घोडे यारागाह या जागसे जो कुछ आयेंगे या पेशाब या लीह करेंगे उस के बराबर मालिककी नेकियां लीज ही जायेंगी और अगर घोडे रस्सी तुडाकर अक या दो टीलोका चकर लगायेंगे तो अल्लाह त्वाला उन के कदमों के निशानात और लिह के बराबर मालिक के लिअे नेकिया लीज हेगा और अगर मालिक घोडोको लेकर नहेर परसे गुजरे और बगैर धरादा के भी घोडे पानी पी ले तो पानी बराबर मालिककी नेकियां लीज हेगा.

अर्ज किया या रसुलल्लाह गर्धो के बारेमें क्या हुकम है ?

इरमाया, “गधों के बारेमें मुजपर कोछ हुकुम नाजिल नहीं हुआ अलफत्ता ये जामेअ आयात है.”

इ-मंय-यअमल मिशकल अर-रतीन जैरंथ्यरह, व-मंय-यअमल मिशकल अर-रतीन शरंथ्यरह, (सुर-अ-जिलजाल ९९ : ७)

तरजुमा :- जूसने जर्रा अराअर नेकीकी वो उसकी जजा देभेगां और जूसने जर्रा अराअर अुराछकी उसकी सजा पायेगा.

२१८७ : रिवायते साबिकाकी तरह जैद भीन अरलमसे रिवायत है लेकीन अल्फजे हदीषमे ईक है छस रिवायतमे मा-भीन साहबी छभीली-ल-लायुअहदीयो हकक-हा है. भिन्हा हककहा नहीं है और छसमे है , ला यककीहु भिन्हा इसलंअ-वाहदं-अकाला युक्वाभेहा जन्भाहु व जअहतो वअरुहु है.

२१८८ : हजरत अबु हुरैरा रहीअल्लाहो अन्हो अयान करते हे की रसूलल्लाहो सललल्लाहो अललयहे व सललमने इरमाया, “जे शाहेभे अजाना; की अपने अजानेकी अकत अहा नहि करेगा उस के अजानेकी जहनुममें गरम कर के सभ अजानेकी पेहलुअयान और पेशानीकी दागा जयेगा. यहां तक की अल्लाह त्वाला उस दीन अपने अंढोका ईसला इरमायेगा, जे पयास हजर साल के अराअर होगा फिर वो शअश अपना रास्ता देभ लेगा. जे या जन्तकी तरफ होगा या. जहनुमकी तरफ और जे अंतवाला अंतों की अकत अहा नहि करेगा उसको अतीयाल मैदानमें गिरा दिया जायेगा. और अन्तेछाछ इरभा जूसमे के अंत जाहिर हो कर उससे रौहते हुये गुजर जायेगे. अेक रेवड के आद दूसरा रेवड रौहता हुआ गुजर जायेगा. हत्ता के अल्लाह त्वाला अपने ईसला इरमायेगा, जे दीन पयास हजर साल के अराअर होगा फिर वो अपना रास्ता देभ लेगा, जे या जन्तकी तरफ होगा या जहनुमकी तरफ और जे अकरीयांवाला अकरीयांकी अकत अहा नहीं करेगा उसे अतीयाल मैदानमें गिरा दिया जायेगा और अन्तछाछ इरभा जूसमें उसकी अकरीयां जाहिर हो कर उसको अपने अुरीयांसे रौहती हुअ यली जायेगी और यहांसे उसको मारेगी जअ अकरीयांका अेक रेवड उसे रौहते हुये गुजर जायेगा तो दूसरा रेवड आ जायेगा. हत्ता के अल्लाह त्वाला उस दिन अपने अं देका ईसला कर देगा. जे पयास हजर सालों के अराअर होगा फिर वो शअश अपना रास्ता देभ लेगा. जे या जन्तकी तरफ होगा या. जहनुमकी तरफ सुहेल (जे के रावी है) इरमाते है के, मैं नहीं जानता के गाथोंका अिक किया या नहीं. ”

सहाबाने अर्ज किया, या रसूलल्लाह ! और गधों के बारेमें ?

आपने इरमाया, “गधोंकी पेशानीसे कयामत तक जैर वाअरता रहेगी और इरमाया घोंडे तीन किरम के होते हैं, वो कीसी शअश के लिये अजर होते है कीसी के लिये सतर होते और कीसी के लिये षोअ होते हैं, जे घोंडे अजर होते है वो ये हैं जूसने आहमी राहे अुदा के लिये तैयार रअता है, अिन घोंडों के पेटमें जे सुराभी जाता है अल्लाह त्वाला उस के अहलेमें अजर लिअ देता है. वो उसको जूस आरागाहमें अराता है और उसमे वो जे कुअ अराता है अल्लाह त्वाला उसका अजर लिअ देता है और अगर वो उसे किराई दरियासे पानी

पीलाये तो उस के पेटमें पानीका जो कतरा ली जाता है उसका अजर मिलता है यहाँ तक के इरमाया, “उस के पेशाब और लीदकी वजहसेभी अजर मिलता है. और ये घोंडे अेक या दो टीलोंका चक्कर लगाये तो उन के हर कदमसे अजर मिलता है.”

रहे वो घोंडे जो सतर है वो ये है जोन्हें कोष शप्श अपने हाठ पाठ और इयाब दाब के लिये रभता है मगर वो शप्श तंगी और इराभीमें उन हुकक को नहीं लूलता जो घोंडोंकी पेटों और पीहों के साथ वाबस्ता है.

रहे वो घोंडे जो ओज है वो ये है जोनको मालीकने गइर, तकब्बुर व दिबलावे और धत्तराहुट के लिये रभ्या हो ये वो घोंडे है जो मालीक के लिये सभजे वपाल होते है.

सहाबाने पूछा, या रसूलुल्लाह ! गधों के बारेमें ?

आपने इरमाया, “उन के बारेमें मुज पर कोष हुकम नाजिल नहीं हुआ. लेकिन ये आयत जो सभके सामिल है.”

इ-मंय-यअमल मिशकल उर-रतीन भैरंय्यरह, व-मंय-यअमल मिशकल उर-रतीन शरंय्यरह,

तरजुमा :- जोसने जर्रा बराबर नेकी की वो उसकी जजा पायेगा और जोस शप्शने अेक जर्रा के बराबर बुराई की वो उसकी रजा पायेगा.

२१८८ : अेक और सनहसे ली औसी ही रिवायत मन्कुल है.

२१८० : अेक और सनहसे ली ये रिवायत मन्कुल है लेकिन हदीथमें बराबर सींगोकी बजाये शिख्ता शिंगोवाली बकरीया है और पेशानीका जिक् नहीं है और पहेलु और पुस्त के दगे जनेका जिक् है.

२१८१ : अेक और सनहसे हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होकी रिवायत है के, अगर आदमी अल्लाह त्वाला के उस हुक को अदा ना करे जो ओटोमें वाजुब है, या ओटोका सहा ना हे, पाकी रिवायत वैसी ही है जो उपर गुजरी.

२१८२ : हजरत ज़बिर बिन अबुल्लाह रहीअल्लाहसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयेहे व सल्लमने इरमाया, “जो ओटोवाला ओटोका हुक अदा नहीं करेगा क्यामत के दिन उस के ओट, असल तादाहसे बढकर आयेगे और उन के सामने यटीयल मैदानमें मालिकको बिहा दिया जायेगा और ओट उसको अपनी टांगो और पुरीयाँसे रौदते हुये गुजरेंगे. और जो गायाँवाला गायाँका हुक अदा नहीं करेगा तो क्यामत के दिन वो गायें असल तादाहसे बढकर आयेगी और उस के मालिकको यटीयल मैदानमें बैहा दिया जायेगा और वो उसको भारती हुँध और पैराँसे रौदती हुँध गुजर जायेगी और जो बकरीयाँवाला बकरीयाँका हुक अदा नहीं करेगा तो क्यामत के दिन वो बकरीयाँ असल तादाहसे बढकर आयेगी और उस के मालिकको यटीयल मैदानमें बैहा दिया जायेगा और वो उसको भारती हुँध और पैराँसे रौदती हुँध गुजर जायेगी गुजर जायेगी. उस रोज उनमें ना कोष बगैर सींग के होगी ना टूटी हुँध शिंगोवाली और जो साहेबे अजाना अपने अजानेमेंसे अल्लाह त्वालाका हुक अदा नहीं करेगा तो क्यामत के दिन उसका अजाना गजे सांपकी शकलमें मुँह

ખોલે ઉસ કે પીછે ઢોંડેગા, માલિક કે ખજાના ભાગેગા તો એક મુનાદિ આવાજ દેકર કહેગા, અપના ખજાના લે લો હમે ઇસકી જરૂરત નહીં હૈ. જબ માલિક કે ખજાનાકો કોઈ રસ્તા નજર નહીં આવ્યેગા તો વો સાંપ નુમા ખજાને કે મુંડમેં હાથ ડાલ દેગા ઔર વો સાંપ ઉસકો ઊંટકી તરહાં ચબાચેગા. ”

અબુ ઝહીર (રાવી) ફરમાતે હૈ કે, હમને ઊબૈદ બિન ઊમૈરસે સુના વો ઇસી તરહાં ખયાન કરતે થે ફિર હમને હજરત જાબિરસે પુછા તો ઊન્હોંને ઊબૈદ બિન ઊમૈરકી તરહાં ખયાન કિયા.

અબુ જહીર કહેતે હૈં કી મૈને ઊબૈદ બિન ઊમૈરસે સુના એક આદમીને અર્જ કિયા, યા રસૂલુલ્લાહ ! ઊંટોકા ક્યા હક હૈ ?

ફરમાયા, “પાની (પિલાને કે મોંકે) પર ઊસકા દૂધ દોહ લેના (તા કે લોગ પીએ.) ઔર (ડોલ કે જરીએ પાની નિકાલને કે લિયે) ઊંટકો દેના ઔર નર ઊંટકો જુફતી કે લિયે આરયતન દેના ઔર ઊંટનીકો દૂધ પીને કે લિયે દેના ઔર રાહે ખુદામેં ઊસ પર લોગોંકા માલ લાદના. ”

૨૧૯૩ : હજરત જાબિર બિન અબ્દુલ્લાહસે રિવાયત હૈ કે, નખી એ કરીમ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “જો ઊંટનીચોં, યા ગાયોં, યા બકરીચોંવાલા ઊનકા હક અદા નહીં કરેગા, ક્યામત કે દિન ઉસે હમવાર ચટીયલ મૈદાનમેં બૈઠા દિયા જાચેગા, ખુરીચોંવાલે જાનવર ઊસે અપની ખુરીચોંસે પામાલ કરેંગે ઔર શિંગોવાલે જાનવર ઊસે શિંગોસે મારેંગે ઊસદિન કોઈ જાનવર બેશિંગા નહી હોગા ઔર શિક્ષતા શિંગવાલા નહીં હોગા. ”

હમને અર્જ કિયા, યા રસૂલુલ્લાહ ! ઊનકા હક ક્યા હૈ ?

ફરમાયા, “નરકો આરયતન દેના ઔર ડોલમેંસે (પાની નિકાલ લેને કે લિયે) ઊનકો દેના ઔર પાની પિલાતે વક્ત ઊનકા દૂધ દોહના (તા કે કુછ દૂધ ગરીબોકો મિલ જાચે) ઔર રાહે ખુદામેં ઇન પર કીસીકા સવારી કરના. ઔર જો માલદાર અપને માલકી ઝકાત અદા નહીં કરેગા તો ક્યામત કે દિન ઊસકા માલ ગંજે સાંપકી શકલમેં આકર અપને માલિકકા પિછા કરેગા. માલીક ભાગેગા ઔર વો જહાં જાચેગા સાંપ ઊસ કે પીછે જાચેગા ઔર ઊસસે કહા જાચેગા કે, થે તેરા વહી માલ હૈ જુસ પર તું ખુબ્લ કિયા કરતા થા. બિલઆખિર જબ સહાબે માલ કે પાસ કોઈ રસ્તા ના રહેગા તો અપના હાથ ઊસ કે મુંડમેં ડાલ દેગા ઔર વો સાંપ ઊસ હાથકો ઇસ તરહાં ચબાચેગા જુસ તરહાં નર ઊંટ ચબાતા હૈ. ”

બાબ ૨૭૮ :- આમેલીને ઝકાતકો રાજી રખના.

૨૧૯૪ : હજરત જુરૈર બિન અબ્દુલ્લાહ રદીઅલ્લાહો અન્હોંસે રિવાયત હૈ કે, દેહાત કે કુછ લોગોંને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમકી ખિદમતમેં હાજીર હોકર અરજ કિયા, યા રસૂલુલ્લાહ ! ઝકાત વસુલ કરનેવાલે આકર હમ પર જુદમ કરતે હૈ.

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “તુમ ઝકાત વસુલ કરનેવાલોંકો રાજી કિયાં કરો. ”

हृदयत जहूरत इरमाते है के, जभसे मैने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमका ये धर्शाह सुना है मुजसे कोह जकात वसुल करनेवाला नाराज होकर नहीं गया.

२१९५ : अक और सनदसे भी औसी ही हदीष मन्कुल है.

भाष २७६ : अकत अह नही करनेवालों पर सहीद अजाब

२१९६ : हृदयत अबु उर रहिअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी भीदमतमें हाजिर हुआ और यहाँ तक की आप काभे के साथेमें तशरीर इरमां थे. आपने मुजे देअकर इरमाया, रफ्मे काभाकी कसम वो लोग असावेवाले है मैं आकर भैठ गया फिर भेयैनीसे अडा हो गया और अर्ज किया या रसूलुल्लाह ! आप पर मेरे मां-आप किहा हो वो कोन लोग है ?

आपने इरमाया, “वो लोग अडे अडे शरमायाहार है सिवाय उन के जो धधर-धधर आगे-पीछे दायें-बायें अर्थ करते है और औसे शरमायाहार अहोत कम है और जो शफश अंत या गाय या अकरीयां रभता हो और उनकी अकात ना देता हो कयामत के दिन वो ज्ञानपर पीछले तमाम दिनोसे अयादा इरमां और अर्बिवाले होकर आयेंगे और अपने शिंगोसे उसको मारेंगे और भुरियाँसे रौंहेगे, जब आभिर रौंह कर गुजर जायेगा तो फिर पड़ेला रौंहने के लिये आ जायेगा और लोगो के दरभियान ईसला होने तक युंही अजाब होता रहेगा.

२१९७ : हृदयत अबु उर रहिअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी भीदमतमें हाजिर हुआ उस वकत आप काभे के साथेमें तशरीर इरमां थे आकी हदीष उपर औसी ही है, इसमें ये अजाका है के आपने इरमाया कसम हे उस अत की, जोस के कफअ अे कुदरतमें मेरी ज्ञान है, जो शफश अंत, गाय, अकरीयां छोडकर भर जाये हालांकी उसने उसकी अकात ना ही हो.

२१९८ : हृदयत अबु हुरैरह रहिअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “मेरे लीये ये आत भुशीका आअस नहि के ये अहद पहाड मेरे लीये सोनेका अन जाये और तीन दिनसे जयादा मेरे पास अक दिनार भी आकी रहे सिवाय उस दिनार के जोसका मैं अहायगी अे कर्ज के लीये आकी रअलुं.”

२१९९ : अक और सनदसे भी औसी ही हदीष मन्कुल है.

२२०० : हृदयत अबु उर रहिअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं नफीअे करीम सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के साथ मदीनाकी पथरीली अमीनमें पैदल चल रहा था यहाँ तक की हम ओहद पहाडको देअ रहे थे, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने मुजसे इरमाया अबु उर ! मैने अर्ज किया लफ्फैक या रसूलुल्लाह आपने इरमाया, “अगर ये ओहद पहाड मेरे लिये सोनेका अन जाये तब भी मैं ये नहि आहता के तिसरी रात इसमेंसे अक दिनार भी आकी रहे सिवाय उस दिनार के जोसकोमें कर्जकी अहायगी के लीये आकी रअुं. अगर मैं ये आहता हुं के मैं भुरी भर भर के अल्लाह के अन्होमें वो माल तकसीम करुं, दायें-बायें और आगे देता रहुं. हृदयत अबु उर केहते है हम फिर चलते रहे आपने फिर इरमाया

अथ अबु अर ! मेने कहा लम्बैक या रसूलुल्लाह ? आपने इरमाया, “मालदार लोग क्यामत के दिन मुझलीश होंगे. सिवाय उन लोगों के जो माल देते रहे है. (जकात) फिर कुछ देर चलने के बाद आपने इरमाया अबु अर ! मेरे आने तक तुम यहीं ठहरेना फिर आप चले गये यहाँ तक की मेरी नजरोंसे ओझल हो गये फिर मैंने कुछ आवाज सुनी और मुझे भौंक हुआ की कहीं आपकी कोश हादसा ना पेश आ गया हो. ये सोचकर मेने आप के पीछे जानेका इरादा किया फिर झैरन ही आपका ये इरमान याद आ गया की जब तकमें ना आऊँ यहाँसे ना जाना. फिर मैं वही ठहरकर धंतजार करता रहा. यहाँ तक की आप तशरीफ ले आये. मैंने आवाजोंका जिक्र किया. आपने इरमाया वो ज़ुब्रील थे उन्होंने मुझेसे आकर कहा आपकी उम्मतमेंसे जो शप्श ली इस हालमें भरा हो के उसने शिकं ना किया हो वो जन्तमें चला जायेगा.

मैंने कहा, ज्वाह उसने खोरी की हो या जीना किया हो?

आपने इरमाया, ज्वाह खोरी की हो या जीना कीया हो.

२२०१ : हजरत अबु अर रदीअल्लाहो अन्होसे थोडे इरक के साथ खैसी हदीष मन्कुल है.

२२०२ : हजरत अहदन्क भिन कैस रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं महिनामें आया, मैं अेक खैसे हलकेमें जा भैठा जोसमें कुरैशके सरदार ली थे. अयानक अेक शप्श आया, जोसने मोटे कपडे पहने हुये थे. उसका जोस्म भा-वकार और चहेरा इयााबदार था. उसने उन लोगों के पास भेडे होकर कहा, माल जमा कर के भजाना धकड़ा करनेवालोंको इस पत्थरकी भशारत हो जोसको जहन्नुमकी आगमें तपाया जायेगा. और वो पत्थर उनकी छातीकी नोंक पर रभा जायेगा, यहाँ तक की वो पीठकी हड्डीसे कुट निकलेगा और पीठको हड्डी पर रज्भा जाये तो छातीयोंकी नोंकसे कुट निकलेगा और वो पत्थर खुंटी आरपार होता रहेगा.

रावी इरमाते हैं, उन लोगोंने अपने सर जुका लिये और मैंने उनमेंसे कीसी को ली उन्हें जवाब देते हुये नहीं देभा. फिर वो लोग लौट गये और मैं उस शप्श के पीछे गया. यहाँ तक के वो अेक सूतन के पास भैठ गये. और कहा, मेरा जयाल है के उन लोगोंने आपकी बात पसंद नहीं की है. उस शप्शने कहा, ये लोग कुछ अकल नहीं रभते, मेरे महेबुब अबुल कासीम सल्लल्लाहो अलअहे व सल्लमने मुझे बुलाया, मैं उन के पास गया, उन्होंने इरमाया, “क्या तुम ओहदको देभते हो ? मैंने उसको देभा और ये सभज के आप मुझे कीसी काम के लिये वहाँ लेजाना चाहते हैं, मैंने अर्ज किया, जो हां देभता हुं.

आपने इरमाया, “मुझे इस बातसे ખुशी नहीं होगी के मेरे पास उस पहलड जोतना सोना हो और अगर हो तो ली कर्ज अदा करने के तीन दिनार के सिवा बाकी सभ भैरात कर हुंगा.

फिर ये लोग दुनिया जम्अ करते हैं और कुछ नहीं सभजते.

मैंने उनसे कहा, आपका धन कुरैश भाधयों के साथ क्या मुआमला है के क्युं की आप ना तो कीसी ज़रीयतकी भिना पर उन के पास जाते है और ना हीं उनसे कोश सवाल करते हैं ?

उन्होंने कहा, इसमें है तुम्हारे परिवारद्वारा की मैं उनसे ना तो दुनियाका कोश सवाल कइंगा, ना दीनका कोश मस्जिदला पहुँगा। यहाँ तक के मैं अल्लाह त्वाला और उस के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमसे जा मिलुं।

२२०३ : हजरत अल-नफ् भिन कैस रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं कुरैश के अंद लोगों के दरम्यान बैठा हुआ था। अचानक हजरत अबु अर रदीअल्लाहो अन्हो तशरीफ ले आये और कहेने लगे, भजाना जमा करनेवालोंको धन हागोंकी भशारत हो। जो उनकी पीठों पर लगाये जायेंगे और उन के पहेलुओंसे निकल जायेंगे। और उनकी गुदीयोंमे लगाये जायेंगे तो उनकी पेशानीयोंसे निकल जायेंगे, फिर वो अेक तरफ मुंड कर के बैठ गये।

मैंने पूछा, ये कौन हैं ?

हाजेरीनने जवाब दिया, अबु अर है।

मैंने उन के सामने जाकर कहा, आप जो कुछ भयान कर रहे थे वो सभ क्या था ?

उन्होंने कहा, मैंने वही कुछ कहा है जो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमसे सुना है।

मैंने कहा, हुकुमतसे वजाहक लेने के बारेमें आपकी क्या राय है ?

कहा, ले लियां करो। क्युं के तुम्हें आजकल उससे मदद मिलेगी, हां ! जब ये माल तुम्हारे दीनका मुआवजा हो जाये तो छोड देना।

बाब :- २८० अर्थ करनेवालेकी इज़ीलत और भशारत.

२२०४ : हजरत अबु हुरैरह रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “अल्लाह त्वाला इरमाता हैं, अय धुंने आहम अर्थ कर मैं तुज पर अर्थ कइंगा और इरमाया, “अल्लाह त्वाला ब्र हाथ भरा हुआ है रात दिन के अर्थसे उसमे कोश कभी नहीं होती। ”

२२०५ : हजरत अबु हुरैरह रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “अल्लाह त्वालाने मुजसे इरमाया, “तुम अर्थ करो मैं तुम पर अर्थ कइंगा। और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “अल्लाह त्वालाका हाथ भरा हुआ है रात दिन के अर्थसे उसमें कोश कभी नहीं होती। भला जाताओ तो सही जबसे उसने आसमानों और जमीनोंको पैदा किया है, कीस कहर अर्थ कर यूँ है ? (किरामी) धस के हाथमें कोश कभी नहीं हुं। ”

उसका अर्थ पानी पर है और उस के दूसरे हाथमें सीकते कण्ड है। वो ज़से आहता है जुलुं करता है और ज़से आहता है पस्त कर देता है।

बाब :- २८१, अहेलो अयाल पर अर्थ करनेकी इज़ीलत

और उन के लुक्कु ज़ाये करनेका गुनाह

२२०६ : हजरत शोबान रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “जहेतरीन दिनार वो है जोसे कोछ शप्श अपने अहेलो अयाल पर अर्थ करता है, जहेतरीन दिनार वो है जो कोछ शप्श अल्लाहकी राहमें अपनी सवारी पर अर्थ करता है, और जहेतरीन दिनार वो है जोसे कोछ शप्श अल्लाह त्वालाकी राहमें अपने साथियों पर अर्थ करता है.”

अबु कुलाबाने कहा, आपने घरवालों पर अर्थ करनेसे शुरु किया था.

अबु कुलाबाने कहा, उस शप्शसे ज्यादा किसका अजर होगा जो अपने छोटे बच्चों पर अर्थ करता है. अल्लाह त्वाला उस शप्श के सभजसे बच्चोंको नका देता है और उसको गनी कर देता है.

२२०७ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “अेक दिनार वो है जोसे तुम अल्लाह त्वालाकी राहमें अर्थ करते हो, अेक दिनार वो है जोसको तुम मीरकीन पर सफका करते हो और अेक दिनार वो है जोसको तुम अपने अहेल पर अर्थ करते हो. धनमें सभसे ज्यादा अजर उस दिनार पर है मिलेगा जोसको तुम अपने अहेल पर अर्थ करते हो.”

२२०८ : जमीसा जयान करते है के, हम हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्हो के पास भेठे थे. धतनेमें उनका मुन्शी आया.हजरत अब्दुल्लाह रहीअल्लाहने उनसे पूछा, क्या तुमने आदिमोंको उनका अर्थ दे दिया ? ”

उसने कहा, नहीं. ”

हजरत धप्ने उमरने कहा, ज़ाओ, दे दो और कहा के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “कीसी आदमी के गुनाह के लिये धतना ही काफ़ी है के, जोस के अर्थका वो जोम्मेदार है उसका अर्थ रोक ले.”

बाब २८२ :- अर्थमें पहले अपनी ज़तसे शुरु करना फिर अहेल और इराबतदारों पर.

२२०९ : हजरत ज़ाबिर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, बनी उजरह के अेक शप्शको भरने के बाद आज़ाह करनेको (मदभर) कहा, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमको ये जबर पहोंय गध. आपने उससे पूछा, क्या तरे पास धस के सिवाय भी कोछ माल है ?

उसने कहा, नहीं. ”

आपने कहा, गुलामको मुजसे कौन ज़रहिगा ? ”

हजरत नधम बिन अब्दुल्लाहने उसको आठ दिरहममें ज़रीह लिया. और वो दिरहम लाकर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमकी बिदमतमें पेश किये.

आपने वो फिरहम उस गुलाम के मालीकको दे दिये और इरमाया, “पहले अपनी जात पर भर्ष करो और कुछ भये तो अपनी अहेलो अयाल पर भर्ष करो. फिर अगर कुछ अपने अहेलो अयालसे भये तो, कराबतदारों पर और अगर कराबतदारोंसे कुछ भय ज्ञये तो धर, धर, अपने सामने, दार्ये, भार्ये (भर्ष करो) ”

२२१० : हजरत ज़ाबिर रहीअल्लाहो अन्हो रिवायत करते है के, अेक अन्सारी ज़नका नाम अबु मज़्ज़ुर था, अेक गुलामको मुद्भर कर दिया. उस के बाद उपर जैसी ही हदीष है.

बाब २८३ :

२२११ : हजरत अनस रहीअल्लाहो अन्हो अन्हो कहेते है के, ज़ब ये आयत नाज़िल हुं, लन तनालुल भिर, हत्ता तुन्हेकु भिम्मा तुहिब्बुन.

तरजूमा :- तुम नेकीको हांसील नहीं कर शकोगे हत्ता के अपनी पसंदीदा चीजको राहे जुदाभे दे दो.

तो हजरत अबु तलहा रहीअल्लाहो अन्हो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमकी भिदमतमें हाज़र हुंये और अर्ज किया, या रसूलुल्लाह ! अल्लाह त्वाला अपनी किताबमें इरमाता है, तुम नेकीको हांसील नहीं कर शकोगे हत्ता के अपनी पसंदीदा चीजको राहे जुदाभे दे दो, और मेरा सभसे पसंदीदा माल भीरे माय है वो अल्लाहकी राहमें सडका है.”

मैं इस के सवाब और आभिरतमें ज़भीरा होनेका तलभगार हुं या रसूलुल्लाह आप इसको जहां चाहे लगा दे.

आपने इरमाया, “जुब ! ये नक्ष देनेवाला माल है, ये नक्ष देनेवाला माल है, तुमने इस के बारेमें जो कुछ ली कडा मैंने सुन लिया, मेरा भश्वरा है के, तुम इसे अपने रिश्तेदारोंमें तकसीम करदो. ” फिर हजरत अबु तलहा रहीअल्लाहो अन्होने वो भाग अपने रिश्तेदार और मादरी भाइयों तकसीम कर दिया.

हजरत अनस रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, ज़ब ये आयत नाज़िल हुं, लन तनालुल भिर, हत्ता तुन्हेकु भिम्मा तुहिब्बुन.

तो हजरत अबु तलहा रहीअल्लाहो अन्हो कहेने लगे, मेरा अयाल है के, हमारा रब हमसे हमारा माल तलभ कर रहा है, या रसूलुल्लाह मैं आपको गवाह बनाता हुं के मैंने अपनी भीरे मायकी ज़मीन अल्लाह त्वालाकी राहमें दे दी.

हजरत अनस रहीअल्लाहो अन्हो कहेते है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमने इरमाया, “वो अपने रिश्तेदारोंको दे दो. ” हजरत अबु तलहाने वो भाग हजरत हस्सान बिन साबित और हजरत अबैय बिन कयब रहीअल्लाहो अन्हुमको दे दिया.

२२१३ : हजरत मयमूनह बिनते हारीष रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, उन्होंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लम के जमानेमें अेक बांदीको आजाह किया और उसका रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमसे जिक किया.

आपने इरमाया, “अगर तुम वो बांदी अपने मामु को दे देती तो ज्यादा अजर मिलता.”

२२१४ : हजरत जयनब रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “अथ औरतोंकी जमाअत ! सद्का कियां करो, आहे फिर जेवरातसे ही (क्युं ना हो) किया करो.

हजरत जयनब इरमाती है के, मैं हजरत अब्दुल्लाह बिन मसउद रहीअल्लाहो अन्हो के पास आछ और उनसे कहा के तुम जाली हाथ और मुफ्लीस हो. और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने हमें सद्का देनेको हुकुम किया है. तुम जाकर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमको मालुम करो के (क्या तुम्हें सद्का देनेसे) अगर ये अदाअेगीसे सद्का हो तो हीक है वरना मैं तुम्हारे सिवा कीसी औरको दे देती हुं.

हजरत जयनब इरमाती हैं, उन्होंने कहा, तुम खुद जाओ.

हजरत जयनब इरमाती है के, जब मैं गछ तो देखा के अन्सारकी ओक औरत रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम के दरवाजे पर भडी है और के सामने ली येही मस्ला था. और हम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमको भाहोत धज्जत करते हुये उनसे डरते थे.

तुम जाकर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमसे कहा के हो औरते दरवाजे पर ये मालुम करने आछ है के, वो अपने सौहरों और उनकी यतीम बन्ये है उनको सद्का दें तो अदा हो जायेगा ? और ये नहीं पताया के हम कौन है ?

हजरत जिलाल रहीअल्लाहो अन्हो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम के पास गये और उनसे ये मस्अला पूछ कर पता किया.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने पूछा, वो औरतें कौन है ?

उन्होंने कहा, अब्दुल्लाह बिन मसउद रहीअल्लाहकी बीवी.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “उन्हें हो अजर मिलेंगे, ओक अजर कराबतका और ओक अजर सद्के का.

२२१५ : अब्र बिन हारिष रहीअल्लाहो अन्हो हजरत जयनबसे ऐसी ही हदीष रिवायत करते है. उसमें ये ईक है के, हजरत जयनब रहीअल्लाहो अन्हा इरमाती हैं मैं मस्जुदमें थी, मुजे देभ कर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “सद्का किया करो ज्यादा जेवरात से.

२२१६ : हजरत उममे सलामा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, मैंने अर्ज किया, या रसूलुल्लाह ! क्या अबु सलमाकी औलाह पर अर्थ करनेसे मुजे अजर मिलेगा ? जब के मैं उन्हें छोडनेवाली नहीं, क्युं के वो धरर उधर बिबर जायेंगे और आबिर वो मेरी औलाह है.

आपने इरमाया, “हां, तुम जो ली उन पर अर्थ करोगी तुमको उसका अजर मिलेगा.

२२१७ : ओक और सनह सेली ऐसी ही हदीष मन्कुल है.

२२१८ : हुजरत अबु मसूद बहरी रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “मुसलमान जब अपने अहेलो अयाल पर सवाबकी नियतसे भयं करता है तो ये भी उसका सहका है.

२२१९ : अेक और सनदसे भी ये रिवायत मन्कुल है.

२२२० : हुजरत अस्मा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, मैंने अर्ज किया, या रसूलुल्लाह ! मेरी मां आध है और वो दीनसे बेजार है (मुसलमान नहीं) क्या मैं उससे सिला रहूँ ?

आपने इरमाया, “हां.

२२२१ : हुजरत अस्मा बिनते अबु बकसे रिवायत है के, मैंने अर्ज किया, या रसूलुल्लाह ! मेरी मां आध है और वो मुश्रीक है ये उस दौरकी आत है जब आपने कुरैशसे अहेद किया हुआ था, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमसे पूछा कहा, मेरी मां आध है और वो दीनसे बेजार है क्या मैं उससे हुस्ने सलुकी करूं ?

इरमाया, “हां, अपनी मांसे हुस्ने सलुकी करो.

आब २८४ : : मैयत के लिये धसाले सवाब

२२२२ : हुजरत आअेशा रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, अेक शष्श नसीबे करीम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी भिदमतमें हाज्जर हुआ और कहा, या रसूलुल्लाह, मेरी वालेदह अयानक हीत हो गध है जूसकी वजहसे वो वसीयत नहीं कर शकी, मेरा गुमान है के अगर वो ओलती तो सहका करती अगरमें उनकी तरफसे सहका करूं तो क्या उन्हें अगर मिलेगा ?

आपने इरमाया, “हां.

२२२३ : अेक और सनदसे भी ये रिवायत मन्कुल है.

आब २८५ :- हर अेक नेकी सहका है.

२२२४ : धब्ने अभी शयबाने कहा, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “हर अेक नेकी सहका है.

२२२५ : हुजरत अबु जर रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम के कुछ सहाबाने आपसे कहा, मैं या रसूलुल्लाह ! मालवाले तो सवाब लूटकर ले गअे, वो हमारी तरहां नमाज पणहते हैं, हमारी तरहां रोग्न रभते है और अपने आधे मालमें सहका भी देते है.

आपने इरमाया, “क्या अल्लाह त्वालाने तुम्हारे लिये सहकेका सवब नहीं बनाया, हर तरबीह सहका है, हर तकबीर सहका है और हर अेक बार अलहम्दु सिल्लाह कहेना सहका है, हर अेक बार लाधलाहा धल्लल्लाह कहेना सहका है, अमल तजवीज करना सहका है.

सहाजाने अर्ज किया, या रसूलुल्लाह ! हमसे कोश शब्श शहवतकी गरजसे अभल तजवीज करे फिर भी सफका है ?

आपने इरमाया, “क्युं नही ? जरा जताओ, अगर कोश हुराम तरकिसे अपनी शहवत पुरी करता तो क्या ठिसे गुनाह ना होता ? दहीसी तरहांसे जज वो हलाल तरकिसे अपनी शहवत पुरी करेगा तो ठिसको अजर मिलेगा.

२२२६ : हजरत आअेशह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह ! सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “हर धन्सान ३६० (तीनसो साठ) जेडों के साथ पैदा किया गया है. जुस शब्शने अलहुम्द कडा, अल्लाहो अकबर कडा, लाधलाहा धल्लल्लाह कडा, सुज्दानअल्लाह कडा, अस्तग़्दिल्लाह कडा, लोगों के रास्तेसे कोश पत्थर हटाया, कोश कांटा, या कोश हड्डी रास्तेसे हटाध, नेकीका हुकम दिया, या जुराधसे रोका तो ये तीनसो साठ जेडों (भराभर) है. और ठिस दिन वो ठिस हालमें चल रहा होगा के जहन्नुमसे आजाह होगा.

२२२७ : अेक और सनदसे भी थोडे इर्क के साथ औसी हदीष मन्कुल है.

२२२८ : हजरत आअेशह रहीअल्लाहसे रिवायत दूसरी हदीषमें ये है के, हर धन्सान पयदा किया गया. भाहमें औसी ही रिवायत आध हो.

२२२९ : हजरत अभी जुरहह रहीअल्लाहो अन्होकी अपने आपसे रिवायत है के, नबीअे कीरम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “मुसलमान पर सफका है, आपसे पुछा गया, ये जताधये अगर वो (सफ के को) ना पा श के ? आपने इरमाया, “अपने हाथोंसे कमाअे और अपने ठिपर नक्का पहोंचाअें और सफका करे.

अर्ज किया, अगर ये भी ना कर श के तो.

इरमाया, “कीसी मज्जुर और परेशान आहमीकी मद्द करे.

पूछा गया, अगर ये भी ना कर श के तो ?

इरमाया, “नेकीका हुकम दे.

कडा गया, अगर ये भी ना कर श के तो ?

इरमाया, “जुराधसे जाअ रहे. ये भी सफका है.

२२३० : अेक और सनदसे भी औसी ही हदीष मन्कुल है.

२२३१ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “हररोज तुलुअ आइताज के भाह, धन्सान के हर जेड पर सफका वाजुज होता है. हो आहमीयों के दरम्यान धन्साइ करना भी सफका है. कीसको सवारी पर सवार होनेमें मद्द करना भी सफका है, सवारी पर कीसका माल लाहना भी सफका है, अखी ज्ञात कहेना भी सफका है, नमाअकी ज्ञाने के लिये हर कदम सफका है, और रास्तेसे तकलीक़ हेह खीज हटा ना भी सफका है.

२२३२ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “हर रोज सुज्हुको हो इरीस्ते नाजिल होते है, अेक कहेता है

અચ અલ્લાહ ખર્ચ કરનેવાલેકો ઔર માલ અતા કર ઔર દુસરા કહતા હૈ, બાખીલકા માલ તબાહ કર દે.

૨૨૩૩ : હજરત હારિષા બિન વહબ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “સદકા કિયા કરો ક્યું કે નજદીક હી મેં ઔસા વક્ત આનેવાલા હૈ જબ આદમી અપને સદકેકા માલ લિયે લિયે ફિરેગા ઔર જીસે ભી દેગા વો કહેગા કલ લે આતે તો મેં લે લેતા. આજ મુજે જરૂરત નહીં હૈં, મતલબ કે કોઈ સદકા લેનેવાલા નહીં મિલેગા.

૨૨૩૪ : હજરત અબુ મુસા રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “લોગોં પર એક ઔસા દૌર આએગા કે જબ ઇન્સાન સોના લિયે ધૂમ્તા ફિરેગા ઔર કોઈ લેનેવાલા નહીં મિલેગા. ઔર મરહોંકી કમી ઔર ઔરતોંકી કસરતસે યે હાલ હોગા કે એક મદદી પનાહમેં ચાલીસ ઔરતેં દિખાઈ દેગી.

૨૨૩૫ : હજરત અબુ હુરૈરહ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “કયામત ઊસ વક્ત તક કાયમ નહીં હોગી જબ તક માલ બ-કસરત હો કર બહે ના જાએ, ય હાંતક કે એક આદમી અપના ઝકાતકા માલ નિકાલેગા. ઔર ઊસે કુબુલ કરનેવાલા (લેનેવાલા) કોઈ નહીં મિલેગા, ઔર (કયામત કાયમ નહીં હોગી) જબ તક સરજમીને અરબ ચારાગાહોં ઔર નહેરોંવાલી ના હો જાએ.

૨૨૩૬ : હજરત અબુ હુરૈરહ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, નબીએ કરીમ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “કયામત ઊસ વક્ત તક કાયમ નહીં હોગી જબ તક કે માલ કસરતકી વજહસે બહે ના જાએ ઔર યહાં તક કે માલવાલા સોચમેં પડ જાએ કે ઊસકા માલ કૌન કબુલ કરેગા ઔર કીસી શખ્શકો સદકા કુબુલ કરને કે લિયે બુલાયા જાએગા. તો વો કહેગા મુજે ઇસકી જરૂરત નહીં હૈ.

૨૨૩૭ : હજરત અબુ હુરૈરહ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “સોને ઔર ચાંદી કે સુતુનોંકી તરહાં જમીન અપને દિલ કે ટૂંકે ઊગલ દેગી. કાતિલ દેખકર કહેગા, ઇસકી વજહસે તો મેંને કતલ કિયા થા. કાતેઅ (કરનેવાલા) કહેગા, ઇસી વજહસે તો મેંને રિશ્તેદારી તોડી થી, ચોર દેખકર કહેગા, ઇસ માલકી વજહસે મેરા હાથ કાટા ગયા થા, ફિર સબ ઊસ માલકો છોડ દેંગે, ઔર કોઈ કુછ નહીં લેગા.

૨૨૩૮ : હજરત અબુ હુરૈરહ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “જો કોઈ શખ્શ પાકિઝા માલસે સદકા કરે ઔર અલ્લાહ પાકીઝા માલ કે સિવા સદકા કુબુલ નહીં કરતા, અલ્લાહ ત્યાલા ઊસકો અપને દાંએ હાથસે કુબુલ કરતા હૈ. ખ્વાહ વો એક ખજુર હો ફિર વો સદકા રહેમાન કે હાથમેં બઢતા રહેતા હૈ. યહાં તક કે પહાડસે જ્યાદા હો જાએ. જીસ તરહાં તુમમેંસે કોઈ શખ્શ ઘોડે યા ઊંટકો પાલતા હૈ.

૨૨૩૯ : હજરત અબુ હુરૈરહ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “જો શખ્શ અપની કમાઈસે એક ખજુરકા સદકા કરતા હૈ અલ્લાહ ત્યાલા ઊસે અપને દાએં હાથસે કુબુલ કરતા હૈ. ફિર ઊસકો બઢાતા રહેતા હૈ જીસ

तरहा तुममेंसे कोश शप्श अपने घोडे या ठाँट के बन्धेको पालता है यहां तक के वो पहाडसे भी बजा हो जाता है.

२२४० : अेक और सनहसे भी औरी ही रिवायत मन्कुल है.

२२४१ : अेक और सनहसे भी औरी ही हदीष मन्कुल है.

२२४२ : हजरत अबु हुदैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “अल्लाह त्वाला पाक हे और वो पाक थीण के सिवा कीसी थीणको पसंह नहीं करता और अल्लाह त्वालाने मुसलमानोंको वही हुकम दिया है जो रसूलको हुकम दिया था, और इरमाया, “अय रसूल पाक थीणे भाओ और नेक कमाध करों में तुम्हारे कामोंसे जा-अपर हुं.

और इरमाया, “अय मुसलमानो ! हमारी ही हुध थीणोंसे पाक थीणें भाओ, फिर अपने औरे शप्शका जिकर किया जो लम्बा सफ़र करता है, उस के बाल गुबार आलुह है, वो आसमानकी तरफ़ हाथ ठाँटा कर कहेता है, या रब ! या रब ! उसका भाना पीना हराम हो, उसका लिबास हराम हो, उसकी गिजा हराम हो तो उसकी हुआ कहां कुबुल होगी ?

भाप २८६ :- सहका और भैरातका तरीका.

२२४३ : हजरत अही बिन हातीम रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “तुममेंसे जो शप्श अणुरके अेक दूडंडकी वणहसे होणभसे बच शकता है तो वोह औरा करे.

२२४४ : हजरत अही बिन हातीम रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “तुममेंसे हर शप्श अन करीम है के, अल्लाह त्वालाने औरे भात करेगा के उस के और अल्लाह त्वाला के दरमियान कोश तरणुमान नहीं होगा. जब धन्सान अपनी हाँध तरफ़ हेभेगा तो उसे अपने लेजे हुअे आमाह नजर आअेंगे और हाँध तरफ़ हेभेगा तब भी अपने आमाह नजर आअेंगे, सामने हेभेगा तो होणभ नजर आअेंगी. तो तुम आगसे बचों, प्वाह अणुर के अेक दूडंड से. अेक और सनहमें है प्वाह अखी भात से.

२२४५ : हजरत अही बिन हातीम रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने होणभका जिक किया और ना-पसंहगीसे मुंह केर लिया, फिर इरमाया, “होणभसे डरो, और फिर ना-पसंहगीसे मुंह केर लिया, जोससे हमने ये गुमान किया के शायद आप होणभको हेभ रहे हैं फिर इरमाया, “होणभसे बचो, प्वाह अणुर के अेक दूडंड से; और जोसको अणुरका दूडंडा भी ना मिल श के वो अखी भात कहे हे.

२२४६ : हजरत अही बिन हातीम रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने होणभका जिक किया और उससे पनाह मांगी और तीन बार मुंह केरा फिर इरमाया, “होणभसे बचो प्वाह अणुर के अेक दूडंडसे. अगर वो भी ना मिल शके तो अखी भात से.

२२४७ : हुजरत जहीर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, ओक बार हुम हीनकी शुरुआत के हिस्सेमें रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे वसलम के साथ बैठे थे. अयानक आप के पास लोगोंकी ओक जमाअत आध. उन के पैर नंगे, अहन नंगे, गलेमें यमडेकी कफ्नियां अबाअं पहनेनी हुध थी. और तलवारें लटकाध हुध थी. धनमेंसे अकसर अलके सली, कपीला मुदरसे ताअल्लुक रभते थे. उन के किकरो-झकाको देअकर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमका अहेरा मुतगअ्युर हो गया. आप अंदर गये फिर आहर आये और हुजरत बिलाल रहीअल्लाहको अअान देनेका हुकम दिया.

हुजरत बिलालने अअान ही. फिर धकामत कही, आपने नमाअ पणहाध फिर भुत्पा दिया और इरमाया, “अय लोगो ! अपने रअसे उरो उनसे तुम्हे ओक नईससे पैदा किया.... ये पुरी आयत पणही. (या अअ्योहलन्तासुत्तु रब्बोकुम.... आभिर तक) और सूरूमे हश्रीकी ये आयत पणही. (या अअ्योहल-लजीना आमनु-त्तुल्लाहा वल-तन्जुर नईसुम-मा क्क-हमत लिगह.....)

तरनुमा : धन्सानको गौर करना आहिये के वो कल आभेरत के लिये क्या भेज रहा है.

लोग हिरहम, हिनार अपने कपडे गेहुं और जव अ अंदाजे साथ, सहका करें, ज्वाह भजुरका ओक टूकडा ही हो.

रावी कहते है के, अन्सारमेंसे ओक शप्श थेली लेकर आये उसको ठिकानेसे उनका हाथ थका जता था अलके थक गया था.

धस के आह लोगोंका तांता अंध गया, यहां तक के मैंने जाने और कपडे के दो ढेर देभे. हुत्ता की मैंने देभा के (भुशी से) रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमका अहेरा यमक ठिका है. युं लगा था जैसे आपका अहेरो सोनेका हो.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “जे शप्श इस्लाममे कीसी नेक कामकी शुरुआत करे, उसको अपने अमलका ली अजर मिलेगा और आहमें करनेवालों के अमलकाभी अजर मिलेगा. और उन अमल करनेवालों के अमलमें कोध कमी नहीं होगी.

और उनसे इस्लाममें कीसी भुरे कामकी धप्तेदा की उसे अपने अमलका ली गुनाह होगा और आहमें करनेवालों के ली अमलका ली गुनाह होगा. और उन अमल करनेवालों के गुनाहमें कोध कमी नहीं होगी.

२२४८ : हुजरत जहीर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हुम हीन के धप्तेदाध हिस्सेमें, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के साथ बैठे हुये थे उस के आह अपर जैसे ही हदीष है.

और हुजरत मुआअकी रिवायतमें ये धज्हा है के, जुहरकी नमाअ पणही फिर भुत्पा दिया.

२२४९ : हुजरत जहीर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी भिहमतमें बैठा हुया था. आप के पास कुछ लोग आये उनहोंने यमडेकी कफ्नियां पहनेनी हुध थी. धस के आह अपर जैसे ही हदीष है. धसमें ये है के, आपने जुहरकी नमाअ पणही फिर छोटे भिंभर पर जल्वा अइरोज हुये अल्लाह त्आलाकी हम्दी

षनाकी किअ इरमाया, “अल्लाह त्आलाने अपनी किताबमें इरमाया है, या अथ्युहन्नासुत्तकु रब्बोकुमुल-लजी जलक्कुम भिन-नक्षिसंव-वालेक्तीन.

२२५० : हजरत जहीर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, कुछ देहाती लोग रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी भिदमतमें हाजुर हुअे ज्जुनोंने मोटे कपडे पहने हुअे थे. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने अेहतियाज की भिना पर उनका पुरा हाल देभा. उस के बाद उपर जैसी ही हदीष है.

भाब २८७ :- कम सफका हेनेवालेकी मज्भमत नहीं करना आहिये.

२२५१ : हजरत अबु मसउद अन्सारी रहीअल्लाहसे रिवायत है के, हमें सफकेका हुकम हुआ, हम उस वक्त भोज दोगां करते थे. हजरत अबु अकीलनेने आधा साअ, सफका दिया, अेक और शप्श उनसे ज्यादा ले आया, मुनाकिर्कोने कहा, अल्लाहको धंस सफकेकी जरत नहीं है और हुसरेने तो महज दिभावे के लिये सफका किया है. उस वक्त ये आयत नाजिल हुअ, अललजीना यदमेजुनल मुत-तवीधन भीनल मुअमेनीन ईस-सफकते. (सुरे तवभा :७९)

तरजुमा :- जो लोग भजुशी सफकेनेवालौं और उन लोगौं पर तन्ज करते है जो लोग अपनी महेनत और मजदूरी के तनासुबसे सफका देते है.

२२५२ : अेक और सनहसे भी अैसी ही हदीष मन्कुल है., उसमे है हम उस वक्त पीठ पर भोज दोगां करते थे.

भाब २८८ :- दूध हेनेवाले ज्ञानवरौंको आरयतन हेनेकी इजीलत :

२२५३ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “जो शप्श कीसी घरवालेको अैसी ओटनी देता है जो सुज्हो शाम, अेक घडा भर कर दूध देती है तो उसका जहात ज्यादा अजर है.

२२५४ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने जहातसे कामोंसे मना इरमाया, “आपने इरमाया, “जुसने कीसी शप्शको दूधवाला ज्ञानवर दिया तो सुज्ह के दूध के वक्त उसे अेक सफकेका सवाब होगा. और शाम के दूध के वक्त उसे अेक सफकेका सवाब होगा.

भाब २८९ :- सजीकी और जभीलकी भिसाल.

२२५५ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “भर्य करने और सफका हेनेवालेकी भिसाल उस शप्श के जैसी है जुसने छातीसे गले तक दो कुर्ते या दो जुरहें पहनी हों, जब भर्य करनेवाला या सफकेनेवाला सफका हेनेका धरादा करता है तो जुरह कुशादा होकर उस के सारे जहन पर फैल जाती है.

और जब अभील भर्ष करनेका धरादा करता है तो वो ज़रह तंग हो जाती है. और हर हलका अपनी जगह जब जाता है. उस के पोरोंको छुपा लेता है. और उस के निशानातको मिटा देता है. और हज़रत अबु हुज़ैरह रहीअल्लाहो अन्हो अयान करते हैं के, अभील उस ज़रहको कुशादा करनेकी कोशीष करता है मगर वो नहीं होती है.

२२५ : अबु हुज़ैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने अभील और सफ़का देनेवालेकी मिसाल उन दो शप्शों के जैसी अयान की ज़न पर लोहेकी दो ज़रहें हों, और उन के हाथ उन के सीनों और गरदनोसे जड़ते हुये हों.

सफ़का देनेवाला जब सफ़का देनेका धरादा करता है तो वो धस कदर कुशादा हो जाती है के, उस के पुरे अदन यहाँ तक के पोरों तक डैल जाती है. और उस के निशान मिटा देती है.

और जब अभील सफ़का करनेका धरादा करता है तो उसकी ज़रह तंग हो जाती है और हर हलका अपनी जगह पर जब जाता है.

रावी कहते हैं, मैंने देखा के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम अपने गिरेबानकी तरफ़ अपनी ठीगलियोंसे धशारा इरमा रहे थे अगर तुम देभते तो कहते के कुशादा करना चाहते हैं. और कुशादा नहीं होता.

हज़रत अबु हुज़ैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “अभील और सफ़का देनेवालेकी मिसाल उन दो शप्शोकी तरहां है ज़न पर लोहेकी दो ज़रहें हों.

जब सफ़का देनेवाला सफ़का देनेका धरादा करता है तो ज़रहें कुशादा हो जाती है यहाँ तक के उस के निशान मिटा देती है. और जब अभील सफ़का धरादा करता है तो वो ज़रहें उस पर तंग हो जाती है. उस के हाथ उस के गलेमें इंस जाते हैं और हर हलका दूसरेमें धूस जाता है.

रावी कहते हैं के, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमसे सुना आपने इरमाया, “अभील उसे कुशादा करना चाहता है अगर वो (कुशादा) नहीं होती.

भाब २६० : शसिक़े सफ़का देनेसे ली सवाब मिलता है.

२२५ : हज़रत अबु हुज़ैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “अेक शप्शने कडा, मैं आज़ ही सफ़का करुंगा, वो अपना सफ़का लेकर निकला और अेक जिनाकार औरत के हाथमें रभ दिया.

सुब्ह लोग भातें करने लगे के आज़ रात अेक शप्शने अेक जीनाकार औरतको सफ़का दे दिया.

वो कहने लगा, अय अल्लाह ! तेरे लिये ही सब तारीफ़ें हैं (मतलब मेरे सफ़का की डीसीने तारीफ़ें नहीं की तो क्या हुआ) मेरा सफ़का डीसी जानियहको मिला मैं ज़र सफ़का करुंगा.

इर वो सफ़का लेकर निकला और अेक गनी के हाथमें सफ़का रभ दिया. सुब्ह लोग भातें करने लगे के अेक गनीकी सफ़का दिया गया.

उसने कहा, अथ अल्लाह !सब तारीखें तेरे लिये हैं, मेरा सफ़का अेक गनीकी मिला, में ७३२ सफ़का करूंगा. वो फिर अपना सफ़का लेकर निकला और अेक योर के हाथ पर रभ दिया.

सुबहको लोग फिर बातें करने लगे के अेक योरको सफ़का दिया गया. उसने कहा, अथ अल्लाह, तेरे ही लीये हम्द और सताधस है, मेरा सफ़का जानियह, गनी और योरको मिला.

फिर उस के पास अेक आनेवाला आया और उसे बताया के तेरा सफ़का कुबुल हो गया, जे सफ़का तुने जानियहको दिया था तो शायद वो जिनाकारीसे भाज आ जाये ! और जे सफ़का तुने गनीकी दिया था तो शायद वो धरत पकडे के अल्लाहत्यालाने जे उसे दिया हुआ माल है उससे सफ़का करने लगे ! और जे सफ़का तुमने योरको दिया था, शायद उसकी वजहसे वो योरीसे भाज आ जाये.

भाब २९१ :- मालिक और शौहर के मालसे सफ़का देना.

२२५९ : हजरत अबु मुसा रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “वोह भाजिन (भजतनी) जे मुसलमान और अभीन हो, और वो हुकम के मुताबिक जुशीसे पुरा पुरा माल उस सफ़का करनेवालोंमेंसे है.

२२६० : हजरत आअेशह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “जब कोध औरत अपने घर के तय्यामसे उसको भराभ डिये भगैर अर्थ करे तो उसको अर्थ करनेका अजर मिलेगा और उस के सौहरको कमानेका और उस के भाजिनको जितना ही अजर मिलेगा और डीसीको अजर मिलनेसे दूसरेका अजर कम नहीं होगा.

२२६१ : अेक और सनदसे भी अैसी ही हदीष मन्कुल है इसमे हें, भाविह के तय्याम से.

२२६२ : हजरत आअेशह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “जब कोध औरत अपने भाविह के घरसे भराभ डिये भगैर (कोध माल) अर्थ करे तो उसको अजर मिलेगा, उस के भाविहको कमानेका अजर मिलेगा, और औरतको अर्थ करनेकी वजहसे अजर मिलेगा, और भाजिनको भी जितना अजर मिलेगा और डीसी के अजरमे कोध कम नहीं होगी.

२२६३ : अेक और सनदसे भी अैसी ही हदीष मन्कुल है.

२२६४ : आबिल-लहेम के गुलाम हजरत अभीर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जब में गुलाम था तो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमसे पूछा, मैं अपने मालिकों के अमवालसे कुछ सफ़का या भौरत करूं ?

आपने इरमाया, “हां, और तुम दोनोंको आधा आधा अजर मिलेगा के मुजे मेरे मालिकने हुकम दिया के मैं गोश्त सुभाऊँ धतनेमें मेरे पास अेक भीरकीन आ गया. मैंने उस गोश्तमेंसे उसको मिला दिया. मेरे मालिकको जब धस बीजका पता चला तो उसने मुजे पीटा.

मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी जिहमतमें हाज़र हुया और आपसे धस वाडेयाका जिक्र किया.

आपने मालिकको बुलाकर पुछा, तुमने धसको क्या मारा ?

उसने कहा, ये मेरे तआममेंसे मेरे हुकम के अगैर लोगोंको देता है.

आपने इरमाया, “तुम दोनोंको अजर मिलेगा.

२२६५ : : आबिल लहेम के गुलाम हजरत अमीर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है मुजे मेरे मालिकने हुकम दिया के मैं गोश्त सुभाळीं धतनेमें मेरे पास अे भीस्कीन आ गया. मैंने उस गोश्तमेंसे उसको पिला दिया. मेरे मालिकको जब धस चीजका पता चला तो उसने मुजे पीटा. मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी जिहमतमें हाज़र हुया और आपसे धस वाडेयाका जिक्र किया.

आपने मालिकको बुलाकर पुछा, तुमने धसको क्या मारा ?

उसने कहा, “ये मेरे तआममेंसे मेरे हुकम के अगैर लोगोंको देता है”

आपने इरमाया, “तुम दोनोंको अजर मिलेगा.”

२२६६ : : अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “आविंदकी मौजूदगीमें कोछ औरत उसकी धज्जत के अगैर (नइली) रोजा ना रभे. और उसकी मौजूदगीमें (अपने कीसी महरमको) उसकी धज्जत के बिना आने ना दे. और उसकी कमाधसे ज़े कुछ भी उसकी धज्जत के अगैर अर्थ करेगी उससे आधा अजर औरतको मिलेगा.

बाब २६२ :- सहके के साथ दूसरी नेकीयाँकी इज़ीलत.

२२६७ : : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “जुस शप्शने अपने मालमेंसे अेक ज़ेणा भी अल्लाहकी राहमें अर्थ किया तो उस के लिये जन्ततमें निहा की ज़अेगी. अय अल्लाह के अहे ये नेकी है.

पस ज़े शप्श नमाज़ीयोंमेंसे होगा उसे अबुससलातसे पुकारा ज़अेगा और ज़े मुज्जहिदोंमेंसे होगा उसे बाबे जिहादसे पुकारा ज़अेगा. और ज़े सहक़ेनेवालोंमेंसे होगा उसे बाबुस-सहकासे पुकारा ज़अेगा. ज़े रोज़ादारोंमेंसे होगा. उसे बाबुर-रययानसे बुलाया ज़अेगा.

हजरत अबु अक सीदीक रहीअल्लाहो अन्होने अर्ज किया, या रसूलुल्लाह ! अैसे शप्श पर कोछ हज्ज तो नहीं ?

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “मुजे अिम्मीद है तुम अिनमेंसे होंगे.

हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “आज तुममेंसे कौन रोज़दार है ?

हजरत अबुअकने अर्ज किया, मैं.

आपने इरमाया, “आज तुममेंसे कौन जनाजे के साथ गया था ?

हुजरत अबुबकने कहा, मैं.

आपने इरमाया, “तुममेंसे किसने आज मुसलमानको जाना जिलाया ?

हुजरत अबुबकने इरमाया, “मैंने.

आपने पुछा, आज तुममेंसे किसने मरीजकी अयाहतकी है ?

हुजरत अबुबकने कहा, मैंने.

आपने इरमाया, “जुस शप्शमें ये तमाम काम जम्ह होंगे वो जन्ततमें जाये.

२२६८ : अक और सनदसे भी औसी ही हदीष मन्कुल है.

२२६९ : हुजरत अबु हुदैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “जुस शप्शने अपने मालमेंसे अक जोगाली अल्लाहकी राहमें अर्थ किया तो उसे जन्ततके हर हवाजेसे पहरेदार पुकारेंगे हुजरत अबु बक सीदीक रहीअल्लाहो अन्होने कहा, या रसूलुल्लाह ! औसे शप्श पर कोह हर्ज तो नहीं ?

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “मुजे अभ्मीद है तुम जिनमेंसे होंगे.

२२७० : हुजरत अबु हुदैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “आज तुममेंसे कौन रोजदार है ?

हुजरत अबुबकने अर्ज किया, मैं.

आपने इरमाया, “आज तुममेंसे कौन जनाजे के साथ गया था ?

हुजरत अबुबकने कहा, मैं.

आपने इरमाया, “तुममेंसे किसने आज मुसलमानको जाना जिलाया ?

हुजरत अबुबकने इरमाया, “मैंने.

आपने पुछा, आज तुममेंसे किसने मरीजकी अयाहतकी है ?

हुजरत अबुबकने कहा, मैंने.

आपने इरमाया, “जुस शप्शमें ये तमाम काम जम्ह होंगे वो जन्ततमें जायेगा.

बाब २६३ :- अर्थ करनेकी इज्जत और जमा करनेकी ना पसंदगी.

२२७१ : हुजरत अरमा अबुबक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “अर्थ करो और गिन गिन के ना रज्जो, वरना अल्लाह त्आलाभी तुम्हें, गिन गिन कर देगा.

२२७२ : हुजरत अरमा रहीअल्लाहसे औसी ही हदीष रिवायत है इसमें ये है और जम्ह मत करो वरना अल्लाहत्आलाभी तुम्हारे मुआमलेमें जम्ह कर के रजेगा.

२२७३ : अक और सनदसे भी औसी ही हदीष मन्कुल है.

२२७४ : हुजरत अरमा बिनते अबु बक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, वो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लममें जिदमतमें हाजूर हुं और अर्ज किया, या

रसूलुल्लाह मेरे पास तो सिवा इस माल के और कुछ नहीं है, जो जुर्नर मुझे देते हैं, अगर मैं इस मालमेंसे कुछ ખર્च करहुं तो क्या मुझे गुनाह होगा ?

आपने इरमाया, “जुस कहर दे शकी हो, और जब्ब मत करो. वरना अल्लाह त्वाला भी तुम्हारे मामलोमें जब्ब कर के रभेगा.

બાબ ૨૯૪ :- થોડા સદકા દેનેકી તરગીબ.

૨૨૭૫ : હજરત અબુ હુરૈરહ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “અય મુસલમાન ઔરતો ! તુમમેસે કોઈ ઔરત અપને હુમસાયેકો હકીર ના સમજે ખ્વાહ વો ઊસસે બકરીકા એક ખુર દે.

બાબ ૨૯૫ :- પોશીદગીસે સદકા દેનેકી ફઝીલત

૨૨૭૬ : હજરત અબુ હુરૈરહ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, નખીએ કરીમ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “અલ્લાહ ત્વાલા કે સાથે કે સિવા કીસીકા સાયા નહીં હે, ઇમામે આદિલ વો નવખવાન જો અલ્લાહ ત્વાલાકી ઇખાદતમે મશરફ હો વો શખ્શ જુસકા ફિલ મરજુદમે ટીકા રહે. વો દો શખ્શ જો અલ્લાહ ત્વાલાકી મુહબ્બતમે મિલે ઔર જુદા હુએ. વો શખ્શ જુસે કોઈ મુકતદર ઔર હુસ્ન હસીન ઔરત (ગુનાહકી) દાવત દે ઔર વો શખ્શ કહે કે મેં અલ્લાહ ત્વાલાસે ડરતા હું, વો શખ્શ કે જો છુપા કર સદકા દે, દાયેં હાથકો પતા ના ચલે કે બાયેં હાથને કયા ખર્ચ કયા હૈ ઔર વો શખ્શ જો તન્હાઇમે ખૈઠકર અલ્લાહકો યાદ કરે ઔર ઊસકી આંખોસે આંસુ જારી હો જાએ.

૨૨૭૭ : એક ઔર સનદસે ભી ઐસી હી રિવાયત મન્કુલ હૈ ઇસમે યે હૈ કે, જો શખ્શ મરજુદસે નિકલે ઔર મરજુદમે લૌટને તક ઊસકા ફિલ મરજુદહીમે લગા રહે

બાબ ૨૯૬ : તંદુરસ્ત ઔર હરીષ ઇન્સાનકા સદકા જ્યાદા અફઝલ હૈ.

૨૨૭૮ : હજરત અબુ હુરૈરહ રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમકી ખિદમતમે એક શખ્શ હાજુર હુઆ ઔર અર્ઝ કયા, યા રસૂલુલ્લાહ કીસ સદકેકા અઝર જ્યાદા હૈ ?

આપને ફરમાયા, “તુમ ઊસ હાલમે સદકા દો કે તુમ તંદુરસ્ત હો હરીષ હો, તુમકો ફિકરકા ખૈફ હો ઔર માલદારીકી ઊમ્મીદ હો ઔર સદકા દેનેકો ઊસ વકત તક ના ખુખર કરતે રહો ઊસ વકત તક જબ કે તુમહારી જાન હલક તક જા પહોંચે ઔર તુમ કહો, ઇતના ફલાંકા હૈ ઔર ઇતના ફલાંકા. (અબ તુમ કહો યા ના કહો) વો તો ફલાંકા હો ચુકા.

૨૨૭૯ : હજરત અબુ હુરૈરહ રહીઅલ્લાહોસે રિવાયત હૈ કે, એક શખ્શ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમકી ખિદમતમે હાજુર હુઆ ઔર અર્ઝ કયા, યા રસૂલુલ્લાહ ! કૌનસે સદકેકા અરજ જ્યાદા હૈ ?

आपने इरमाया, “तुम्हारे आपकी कसम !तुमको जरूर ખબર ही જાગ્યેगी तुम उस हालतमें सडका हो के तुम तंदूरस्त हो हरीष हो.....

२२८० : अेक और सनदसे भी ये रिवायत मन्कुल है.

आप २६७ :- उपरवाला हाथ नीचे वाले हाथसे भेदतर है.

२२८१ : हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहसे रिवायत है के, अेक बार रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम भिम्बर पर सडकेका वाअज इरमा रहे थे और सवाल ना करनेकी नसीहत कर रहे थे. उस वक्त आपने इरमाया, “उपरवाला हाथ नीचेवाले हाथसे भेदतर है और उपरवाला हाथ अर्थ करनेवाला और नीचे वाला हाथ सवाल करनेवाला है.

२२८२ : हजरत हकीम बिन हिजाम रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “अइजल तरीन सडका वो है जसमे सडका करने के बादभी आदमी गनीर हे और उपरवाला हाथ नीचेवाले हाथसे भेदतर है और जे तुम्हारे अेरे किशालतमें (सडका देनेकी) धप्तेदा है.

२२८३ : हजरत हकीम बिन हिजाम रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमसे तीन भरतया मांगा आपने मुजे तीन बार अता डिया इर आपने इरमाया, “माल या सर सज्ज और मीठा है. जसने उसको नइसकी सरबुलंदीसे (याने मांगे बिना या देनेवालेकी भुशीसे) डिया उस के मालमें भरकत होगी और जसने नइसको जलील कर के (मांग कर) डिया उस के मालमें भरकत नहीं होगी और वो उस शअशकी तरहां होगा जे कहेता है शीर नहीं होता, और उपरवाला हाथ नीचेवाले हाथसे भेदतर है.

२२८४ : हजरत अबु अमामह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “अय धप्ने आदम ! तेरे लिये जरूरतसे ज्यादा अजका अर्थ करना भेदतर है और अगर तुं धसको रो के रज्जे तो ये बुरा है और जरूरत के मुताबिक अर्थ करने पर तुजे मुलामत नहीं है. और जे तेरी अेरे परवरीश है उनसे धप्तेदा कर और उपरवाला हाथ नीचेवाले हाथसे भेदतर है.

आप २६८ : सवाल करनेकी मुआनीअत

२२८५ : हजरत मुआवियह रहीअल्लाहोने इरमाया, “तुम उन अह्लादिष के सिवाय अह्लादिष अयान करनेसे अयो. जे हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्हो के जमानेमें रिवायत की गध है.क्युं के हजरत उमर रहीअल्लाहो अन्हो धस मुआमलेमें लोगोंको अल्लाहसे डरते थे.और मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमसे सुना है, आपने इरमाया, “अल्लाह त्वाला जस शअशसे ललाधका धरादा करता है उसे हीनकी समज अता इरमा देता है. और मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमसे सुना, मैं सिई आजिन

हुं, जूसको मैंने भुशीसे दिया जिसको भरकत होगी और जूसको मैंने जिस के मांगने या जिस के हरीषकी वजहसे दिया तो वो जिस शप्शकी तरहं हैं, जो जाता है और सैर नहीं होता.

२२८६ : हजरत मुआवियह रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “गिडगिडा कर सवाल मत किया करो, बभुदा जो शप्श मुजसे सवाल करे और मैं नाभुशीसे जिसको हुं तो मेरी ही हुइ थीजें केसे भरकतवाली हांगी ?

२२८७ : अेक और सनदसे भी इसी रावीकी हदीष मन्कुल है.

२२८८ : हजरत मुआवीया बिन अबी सुफियान रदीअल्लाहो अन्होने भुत्बा देते हुअे इरमाया, “मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमसे सुना, अल्लाह जिस के साथ पैरका धरादा करता है जिसे दीनकी इहम अता कर देता है. और मैं सिई तकसीम करनेवाला हुं और देता अल्लाह है.

२२८९ : हजरत अबु हुरैरह रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “मिस्कीन वो नहीं जो लोगोमें धूमता रहेता है और अेक लुकमा या हो लुकमें, या अे भजुर या हो भजुरे लेकर अला जाता है.

सहाबाने कहा, या रसूलुल्लाह ! फिर मिस्कीन कौन है ?

आपने इरमाया, “जिस के पास धतना माल ना हो जो जिसकी जरूरीयातकी पुरा शके और ना जिस के आसारसे मिस्कीनी और इकरका पता अले. ता की जिस पर सद्का किया जाअे. और ना वो लोगोसे सवाल करता हो.

२२९० : हजरत अबु हुरैरह रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “मिस्कीन वो नहीं जो अेक भजुर या हो भजुरें या अेक लुकमा या हो लुकमें लेकर अला जाता है, मिस्कीन वो है जो सवालसे इकता हो. अगर आहो तो ये आयत पणहो, व धन शिअतुम ला गस अलुन्नास धलाइन.

तरजुमा : वोह जो लोगोसे गिडगिडा कर नहीं मांगते.

२२९१ : अेक और सनदसे हजरत अबु हुरैरह रदीअल्लाहो अन्होकी औसी ही रिवायत मन्कुल है.

२२९२ : हजरत अबुदुल्लाह बिन उमर रदीअल्लाहोसे रिवायत है के, नबी अे करीम सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “तुममेंसे कोइ शप्श सवाल करता रहेगा, यहां तक के वो जिसी हालमें अल्लाह त्वालासे मुलाकात करेगा के जिस के जुरम पर गोस्तका अेक टूंडा भी नहीं हांगा.

२२९३ : अेक और रिवायतसे औसी ही हदीष मन्कुल है मगर जिसमें गोस्त के टूंडका जिक्र नहीं है.

२२९४ : हजरत अबुदुल्लाह बिन उमर रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “धन्सान सवाल करता रहेगा यहां तक के क्यामत के दिन इस हालमें आअेगा के जिस के अहरे पर गोस्तका अेक टूंडा भी नहीं हांगा.

੨੨੯੫ : ਹੁਜ਼ਰਤ ਅਯੂ ਹੁਰੈਰਹੁ ਰਹੀਅਲਲਾਹੀ ਅਨਹੀਸੇ ਰਿਵਾਯਤ ਹੈ ਕੇ, ਰਸੂਲੁਲਲਾਹੁ ਸਲਲਲਲਾਹੀ ਅਲਯਹੇ ਵ ਸਲਲਮਨੇ ਫ਼ਰਮਾਯਾ, “ਜ਼ੋ ਸਾਫ਼ ਅਪਨਾ ਮਾਲ ਭਫ਼ਾਨੇ ਕੇ ਲਿਯੇ ਲੋਗੋਂਸੇ ਮਾਂਗਤਾ ਰਹੇ ਵੋ ਅੰਗਾਰੋਂਕਾ ਸਵਾਲ ਕਰਤਾ ਹੈ. ਯਵਾਹੁ ਕਮ ਕਰੇ ਯਾ ਯਵਾਫ਼ਾ.

੨੨੯੬ : ਹੁਜ਼ਰਤ ਅਯੂ ਹੁਰੈਰਹੁ ਰਹੀਅਲਲਾਹੀ ਅਨਹੀਸੇ ਰਿਵਾਯਤ ਹੈ ਕੇ, ਸਲਲਲਲਾਹੀ ਅਲਯਹੇ ਵ ਸਲਲਮਨੇ ਫ਼ਰਮਾਯਾ, “ਤੁਮਮੈਂਸੇ ਕੋਏ ਸਾਫ਼ ਸੁਯੁਹੁ ਜ਼ਾਕਰ ਅਪਨੀ ਪੀਠ ਪਰ ਲਕਤਿਯਾਂ ਲਾਫ਼ ਕਰ ਲਾਯੇ ਔਰ ਊਸਸੇ ਸਫ਼ਕਾ ਕਰੇ ਔਰ ਊਨ ਕੇ ਸਯਯ ਮਾਂਗਨੇਸੇ ਭਯਾ ਰਹੇ ਤੋ ਯੇ ਊਸਸੇ ਯੇਹੁਤਰ ਹੈ ਕੇ, ਵੋ ਕੀਸੀ ਸਾਫ਼ਸੇ ਸਵਾਲ ਕਰੇ. ਵੋ ਊਸਕੋ ਫ਼ੇ, ਯਾ ਮਨਾ ਕਰੇ, ਕਯੁੰ ਕੀ ਊਪਰਵਾਲਾ ਫ਼ਾਥ ਨੀਯੇਵਾਲੇ ਫ਼ਾਥਸੇ ਯੇਹੁਤਰ ਹੋਤਾ ਹੈ ਔਰ ਜ਼ੋ ਤੁਮਫ਼ਾਰੇ ਝੇਰੇ ਕਫ਼ਾਲਤ ਹੈ ਊਨਸੇ ਏਯਨੇਫ਼ਾ ਕਰੋ.

੨੨੯੭ : ਹੁਜ਼ਰਤ ਕੈਸ ਬਿਨ ਅਯੀ ਫ਼ਾਜ਼ਿਮ ਰਹੀਅਲਲਾਹੀ ਅਨਹੀ ਫ਼ਰਮਾਏ ਹੈ ਕੇ, ਹੁਮ ਹੁਜ਼ਰਤ ਅਯੂ ਹੁਰੈਰਹੁ ਕੇ ਪਾਸ ਯਾਯੇ ਵੋ ਕਹਨੇ ਲਗੇ, ਕੇ ਨਯੀਯੇ ਕਰੀਮ ਸਲਲਲਲਾਹੀ ਅਲਯਹੇ ਵ ਸਲਲਮਨੇ ਫ਼ਰਮਾਯਾ, “ਤੁਮਮੈਂਸੇ ਕੋਏ ਸਾਫ਼ ਸੁਯੁਹੁਸੇ ਅਪਨੀ ਪੀਠ ਪਰ ਲਕਤਿਯਾਂ ਲਾਫ਼ ਕਰ ਲਾਯੇ ਔਰ ਊਨਕੋ ਯੇਯੇ... ਔਰ ਯਾਕੀਕੀ ਹਫ਼ੀਥ ਊਪਰ ਜੈਸੀ ਹੀ ਹੈ.

੨੨੯੮ : ਹੁਜ਼ਰਤ ਅਯੂ ਹੁਰੈਰਹੁ ਰਹੀਅਲਲਾਹੀ ਅਨਹੀਸੇ ਰਿਵਾਯਤ ਹੈ ਕੇ, ਰਸੂਲੁਲਲਾਹੁ ਸਲਲਲਲਾਹੀ ਅਲਯਹੇ ਵ ਸਲਲਮਨੇ ਫ਼ਰਮਾਯਾ, “ਤੁਮਮੈਂਸੇ ਕੋਏ ਸਾਫ਼ ਲਕਤਿਯੋਂਕਾ ਗਫ਼ਾ ਅਪਨੀ ਪੀਠ ਪਰ ਲਾਫ਼ ਕਰ ਲਾਯੇ, ਔਰ ਊਸੇ ਯੇਯੇ ਤੋ ਯੇ ਊਸਸੇ ਯੇਹੁਤਰ ਲੋਗਾ ਕੇ ਵੋ ਕੀਸੀ ਸਾਫ਼ਸੇ ਸਵਾਲ ਕਰੇ, ਵੋ ਊਸਕੋ ਫ਼ੇ ਯਾ ਮਨਾ ਕਰ ਫ਼ੇ.

੨੨੯੯ : ਹੁਜ਼ਰਤ ਔਫ਼ ਬਿਨ ਮਾਲਿਕ ਅਸਯਹੀ ਰਹੀਅਲਲਾਹੀ ਅਨਹੀਸੇ ਰਿਵਾਯਤ ਹੈ ਕੇ, ਰਸੂਲੁਲਲਾਹੁ ਸਲਲਲਲਾਹੀ ਅਲਯਹੇ ਵ ਸਲਲਮ ਕੇ ਪਾਸ ਹੁਮ ਸਾਤ, ਯਾਠ ਯਾ ਨਵ ਯਾਫ਼ਮੀ ਥੇ, ਯਾਪਨੇ ਫ਼ਰਮਾਯਾ, “ਕਯਾ ਤੁਮ ਅਲਲਾਹੁ ਕੇ ਰਸੂਲੁ ਸਲਲਲਲਾਹੀ ਅਲਯਹੇ ਵ ਸਲਲਮਸੇ ਯਯਅਤ ਨਹੀਂ ਕਰਤੇ ?

ਔਰ ਹੁਮਨੇ ਊਨਹੀਂ ਫ਼ਿਨੀਂ ਯਾਪਸੇ ਯਯਅਤਕੀ ਥੀ ਹੁਮਨੇ ਅਯੜ ਕਿਯਾ, ਯਾ ਰਸੂਲੁਲਲਾਹੁ !ਹੁਮ ਤੋ ਯਾਪਸੇ ਯਯਅਤ ਕਰ ਯੁ ਕੇ ਹੈ.

ਯਾਪਨੇ ਫ਼ਰਮਾਯਾ, “ਤੁਮ ਅਲਲਾਹੁ ਕੇ ਰਸੂਲੁਸੇ ਯਯਅਤ ਨਹੀਂ ਕਰਤੇ ?

ਹੁਮਨੇ ਅਯੜ ਕਿਯਾ, ਯਾ ਰਸੂਲੁਲਲਾਹੁ ! ਹੁਮਨੀਂ ਯਾਪਸੇ ਯਯਅਤ ਕਰ ਯੁ ਕੇ ਹੈ.

ਯਾਪਨੇ ਫ਼ਰਮਾਯਾ, “ਤੁਮ ਅਲਲਾਹੁ ਕੇ ਰਸੂਲੁਸੇ ਯਯਅਤ ਨਹੀਂ ਕਰਤੇ ?

ਔਫ਼ ਕਹੇਤੇ ਹੈਂ ਹੁਮਨੇ ਫ਼ਾਥ ਭਫ਼ਾ ਫ਼ਿਯੇ ਔਰ ਕਫ਼ਾ, ਯਾ ਰਸੂਲੁਲਲਾਹੁ !ਹੁਮਨੇ ਯਾਪਸੇ ਯਯਅਤ ਕਰ ਯੁ ਕੇ ਹੈ. ਅਯ ਕੀਸ ਯੀਯਕੀ ਯਯਅਤ ਕਰੋਂ ?

ਯਾਪਨੇ ਫ਼ਰਮਾਯਾ, “ਏਸ ਯਾਤਕੀ ਕੀ ਤੁਮ ਅਲਲਾਹੁਕੀ ਏਯਾਫ਼ਤ ਕਰੋਗੇ ਔਰ ਊਸ ਕੇ ਸਾਥ ਕੀਸੀਕੋ ਸ਼ਰੀਕ ਨਹੀਂ ਕਰੋਗੇ ਔਰ ਪਾਂਧ ਨਮਾਝੇ ਪਯਹੋਗੇ ਔਰ ਅਲਲਾਹੁ ਤਯਾਲਾਕੀ ਏਯਾਅਤ ਕਰੋਗੇ.

ਔਰ ਔਫ਼ ਯਾਤ. ਯਾ ਹਿਸਤਾਸੇ ਫ਼ਰਮਾਏਕੇ, ਲੋਗੋਂਸੇ ਕੀਸੀ ਯੀਯਕਾ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਕਰੋਗੇ.

ਮੈਂ ਏਸ ਜ਼ਮਾਅਤ ਕੇ ਯਾਅਯ ਸਾਥੀਯੋਂਕੋ ਫ਼ੇਯਾ. ਊਨਕਾ ਯਾਯੁਕ (ਸਵਾਰੀਸੇ) ਗਿਰ ਜ਼ਾਤਾ ਥਾ. ਔਰ ਵੋ ਕੀਸੀਸੇ ਊਸੇ ਊਠਾਕਰ ਫ਼ੇਨੇਕਾ ਸਵਾਲ ਨਹੀਂ ਕਰਤੇ ਥੇ.

भाष २६६ : सवाल करनेका जवाब

२३०० : कबीशा बिन मुदरिफ हलाली रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, मैं अेक अडी रकमका मक़्ज़ हो गया था. मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमकी षिदमतमें हाज़र हुआ ता के आपसे इस के बारेमें सवाल करूं.

आपने इरमाया, “उस वक़्त तक ठहरो जब तक हमारे पास सहकेका माल आ जाये. हम उसमेंसे तुम्हें देनेका हुक़म करेंगे.

द्वि इरमाया, “कबीशह ! तीन शप्शों के सिवाय कीसी के लिये सवाल करना ज़ाहज़ नहीं है, अेक तो मक़्ज़ हो उनके लिये धतनी भिक्कारका सवाल ज़ाहज़ है, ज़ससे उसका कर्ज़ अदा हो जाये, इस के बाद वो सवालसे इक़ जाये,

दूसरा वो शप्श ज़स के मालको नागहानी आइत पहोंची हो ज़ससे उसका काल तबाह हो गया हो. उस के लिये धतना सवाल करना ज़ाहज़ है ज़ससे उसका गुज़रा हो जाये.

तीसरा वो शप्श ज़े शकाइस हो और उस के कबीले के तीन आहमी गवाही दें के वाक़्फ़ शका करे है तो उस के लिये भी धतनी भिक्कारका सवाल करना ज़ाहज़ है, ज़ससे उसका गुज़रा हो जाये. और अय कबीराह धन तीन शप्शों के सिवाय सवाल करना हराम है और ज़े (कोध तीनो के सिवा कीसी और सूरतमें) सवाल कर के भाता है वो हराम भाता है.

भाष ३०० :- अगैर सवाल के लेनेका जवाब

२३०१ : हज़रत उमर धपने अत्ताब रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही वसल्लम जब मुजे कुछ अता करते तो मैं कहे दिया करता था के ज़े मुजसे ज़्यादा ज़रत मंद हो उसे दे दे.

हत्ता के अेकबार आपने मुजे कुछ माल दिया, मैंने अर्ज़ किया, ज़े शप्श मुजसे ज़्यादा ज़रतमंद हो उसे दे दें.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व सल्लमने इरमाया, “ये ले लो, और इसमेंसे ज़े माल तुम्हारे पास अगैर तमा और सवाल के आयां करे उसको ले लियां करो. और ज़े इस तरहां ना आये उसका ज़्याल ना कियां करो.

२३०२ : हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही वसल्लम हज़रत उमर रहीअल्लाहो अन्होको कुछ माल दियां करते थे.

हज़रत उमर रहीअल्लाहो अन्हो अर्ज़ करते थे या रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहे व आलेही वसल्लम कीसी अैसे शप्शको दीज्ये ज़े मुजसे ज़्यादा ज़रत मंद हो आपने इरमाया, “इस मालको रफ़्कर इससे शयदा ठिहायो. या कीसीको सहका करदो और तुम्हारे पास जब ये माल आये और तुम्हें इसकी तमा नहीं और तुमने इसका सवाल ना किया हो तो ले लिया करो और इसका इस तरहां ना हो उसका ज़्याल ना कियां करो.

સલીમ ફરમાતે હૈ કે, હજરત ઇબને ઊમર રદીઅલ્લાહો અન્હો ઊસીસે સવાલ તો ઊસકો રદ નહીં કરતે થે.

૨૩૦૩ : એક ઔર સનદસે ભી ઔસી હી હદીષ મન્કુલ હૈ.

૨૩૦૪ : ઇબને સાઅેદી માલીકી બયાન કરતે હૈ કે, હજરત ઉમર ફારૂક રદીઅલ્લાહો અન્હોને મુજે સદકાત વસુલ કરનેકા આમિલ બનાયા.જબમેં ઇસસે ફારીગ હુઆ ઔર માલ લાકર ઊન્હેં દિયા તો હજરત ઊમર રદીઅલ્લાહો અન્હોને મુજે ઊજરત દેનેકો હુકમ દિયા. મૈને કહા, મૈને યે કામ અલ્લાહ કે લિયે કિયા હૈ ઔર મેરા અજર અલ્લાહ પર હૈ.

હજરત ઊમર રદીઅલ્લાહો અન્હોને કહા, જો તુમહેં દિયા જાચ વહી લે તો. રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે અહદમેં એકબાર મૈ સામિલ થા, હુજુરને મુજે ઊજરત દી મૈને તુમહારી તરહાં કહા. તો રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “જબ તુમહેં કોઇ ચીજ બિના સવાલ કે દી જાએ તો ખા લિયાં કરો ઔર સદકા ભી દિયાં કરો.

૨૩૦૫ : યે હદીષ એક ઔર સનદસે ભી મન્કુલ હૈ ઇસમેં ઇબને સાઅેદીકી રિવાયત હૈ કે, મુજે હજરત ઊમરને સદકાતકા આમિલ બનાયા, ઇસ કે બાદકી રિવાયત ઉપર જૈસી હી હૈ.

બાબ ૩૦૧ :- હિરષ દુનિયાકી મઝમ્મત

૨૩૦૬ : હજરત અબુ હુરૈરહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “બુહે આદમીકા દિલ દો ચીજોંકી મુહુબ્બતમેં જવાન હોતા હૈ, જુદગી મુહુબ્બત ઔર માલકી.

૨૩૦૭ : ઔસી હી રિવાયત મન્કુલ હૈ ઇસમેં ફકં યે હૈ, લમ્બી જુન્દગી ઔર માલકી મુહુબ્બત.

૨૩૦૮ : હજરત અનસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “ઇબને આદમ બુખ્લાહો જાતા હૈ ઔર ઊસકી દો ખસલતેં જવાન હો જતી હૈ. માલકી હિરષ ઔર જુદગીકી હિરષ.

૨૩૦૯ : હજરત અનસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે ઔસીહી હદીષ એક ઔર સનદસે મન્કુલ હૈ.

૨૩૧૦ : હજરત અનસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે ઔસીહી હદીષ એક ઔર સનદસે મન્કુલ હૈ.

૨૩૧૧ : હજરત અનસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલાલાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “અગર ઇબને આદમ કે લિયે માલકી દો વાદિયાં હો તો વો તીસરી વાદી તલાશ કરેગા. ઔર ઇબને આદમકા પેટ મિટ્ટી કે સિવા કીસી ચીજસે નહીં ભરતા. ઔર અલ્લાહ ત્યાલા તૌબા કરનેવાલેકી તૌબા કુબુલ કરતા હૈ.

૨૩૧૨ : હજરત અનસ બિન માલિક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમસે મૈને સુના ઔર મુજે યે પતા નહીં આપ પર વો ખાત નાઝિલ હુઇ થી. યા આપ અઝ ખુદ ફરમા રહે યે. ઇસ કે બાદ ઉપર જૈસી હી હદીષ હૈ.

૨૩૧૩ : હજરત અનસ બિન માલિક રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “અગર ઇબને આદમ કે પાસ એક સોનેકી વાદી હો તો વો ચાહેગા કે ઊસે એક ઔર વાદી ભી મિલ જાએ. ઔર મિટ્ટી કે સિવા ઔર કોઇ ચીજ

ઇસકા મુંઢ ભર નહીં સકતી. ઔર જો તૌબા કરે અલ્લાહ ત્યાલા ઊસકી તૌબા કુબુલ કરતા હૈ.

૨૩૧૪ : હજરત ઇબ્ને અબ્બાસ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “અગર ઇબ્ને આદમ કે પાસ માલસે ભરી હુઇ એક વાદી હો તો વો ચાહેગા કે ઊસ જૈસી એક ઔર હી ઔર ઇબ્ને આદમ કે નફસકો મિટી કે સિવા ઔર કોઇ ચીજ નહીં ભર શકતી. ઔર જો તૌબા કરતા હૈ અલ્લાહ ઊસકી તૌબા કુબુલ કરતા હૈ. હજરત ઇબ્ને અબ્બાસ રદીઅલ્લાહ ફરમાતે હૈ કે, મુજે પતા નહીં હૈ કે, યે કુરઆનસે હૈ યા નહીં. જહીરકી રિવાયત હૈ કે, હજરત ઇબ્ને અબ્બાસને યે અલ્ફાઝ નહીં કહે, કે મૈં નહીં જાનતા કે યે કુરઆનસે હૈ યા નહીં.

૨૩૧૫ : હજરત અબુ મુસા અશઅરી રદીઅલ્લાહોને બશારા કે કારીનોંકો બુલાયા તો ઊન કે પાસ તીનસૌં એસે શખ્શ આએ જો કુરઆન મજીદ પઠ્ઠ ચુ કે થે. હજરત અબુ મુસાને કહા તુમ અહેલે બશારામેં સબસે બેહતર હો, ઔર અય કુરઆન પઠ્ઠનેવાલો, તુમ કુરઆન મજીદ પઠ્ઠતે રહો. કહીં જ્યાદા મુદ્દત ગુજર જાનેસે તુમ્હારે ફિલ સખ્ત ના હો જાએં, જૈસા કે તુમસે પહેલે લોગોં કે ફિલ સખ્ત હો ગએ થે. હમ એક તવીસ સુરત પઠ્ઠતે થે જો તવીલ ઔર સિદ્દતમેં સુરએ તૌબા કે બરાબર થી. મુજે વો સુરત ભુલા દી ગઇ. અલબત્તા મુજે ઊસકી ઇતની બાત યાદ રહી કી ઇબ્ને આદમ કે લિયે માલકી દો વાદિયાં હો તો વો તીસરી કી ખ્વાહિશ કરેગા. ઔર ઇબ્ને આદમકા પેટ મિટી કે સિવા ઔર કોઇ ચીજ નહીં ભરતી.

ઔર હમ એક ઔર સૂરત ભી પઠ્ઠા કરતે થે. જો મુસબ્બેહાતમેં સે (સુબ્હાસે શુરૂ હોનેવાલી સુરત) કીસી એક સુરત કે બરાબર થી. વો ભી મુજે ભુલા દી ગઇ અલબત્તા ઇસ મેંસે મુજે ઇતના યાદ હૈ. યા અય્યો-હલ-લઝીના.આમનુ લેમા તકુલુન..(સુર-એ-સફ :૩)

તરજુમા : અય ઇમાનવાલોં તુમ વો બાત ક્યું નહીં કરને હો જીસકો ખુદ નહીં કરતે તુમ્હારી ગરદનોંમે શાહાદત લીખ દી જાએગી. ઔર કયામત કે દિન તુમસે ઊસ કે મુતાલ્લીક પુછા જાએગા.

બાબ ૩૦૨ :- કિનાઅતકી ફઝીલત

૨૩૧૬ : હજરત અબુ હુરૈરહ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “ગિના (માલદારી) માલો અસબાબકી કસરતસે નહીં બલ કે ગિના ફિલકી બેનિયાઝીસે હૈ.

બાબ ૩૦૩ :- ઝિનતે દુનિયાંસે ફરેબ ખાનેકી મુમાનિઅત.

૨૩૧૭ : હજરત અબુ સઇદ ખુદરી રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલેહી વસલ્લમ ખડે હુએ ઔર ખુત્બા દેતે હુએ ફરમાયા, “અય લોગો ! મુજે બાખુદા તુમ્હારે બારેમેં ઝિનતે દુનિયા કે સિવા ઔર કોઇ ખતરા વ ખદસા નહીં હૈ જો અલ્લાહ ત્યાલાને તુમ્હારે લિયે બનાઇ હૈ. (જો ઇમ્તહાન હૈ)

એક શખ્શને કહા, યા રસૂલુલ્લાહ ! કયા ખેર કે સબબસે સર આજાએગા ?

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम कुछ ढेर जामोश रहे फिर इरमाया, “तुमने क्या कहा था ?

उसने कहा, मैंने कहा था, या रसूलुल्लाह ! क्या जैरकी सभज सर आ शकता है ?

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “जैरकी सभजसे जैर ही होती है मौसमे जहारमें जब सज्जा उगता है तो वो सज्जा ज्ञानवरोंको मार देता है, या करीबुल मर्ग कर देता है सिवाय उन ज्ञानवरों के जो सज्जा भाते है आले इस कहर ज्ञा लेते है के, उनकी कोषें कुल जाती है और वो धूपमें बैठ कर लीह या पेशाब करते है. फिर जुगादी करते है. और फिर यरना शद कर देते है. जो शपश मालको अपने हक और हिससे के मुताबिक लेगा उस के मालमें भरकत होगी और जो शपश नाहक माल लेगा वो उन ज्ञानवरोंकी तरहां है जो भाता है मगर सैर नहीं होता.

२३१८ : जहरत अबु सईद जुदरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “मुझे तुम लोगों के बारेमें सभसे ज्यादा दुनियाकी तर्रो-ताजगीका जहसा है.

सहाबाने अर्ज किया, या रसूलुल्लाह ! दुनियांकी तर्रो-ताजगी क्या है ?

आपने इरमाया, “जमीनकी भरकतें.

सहाबाने अर्ज किया, या रसूलुल्लाह ! क्या जैर के सभजसे सर है ?

आपने तीन बार इरमाया, “जैर के सभजसे जैर ही होती है. मौसमे जहारमें, जो जीजें उगती है तो वो सज्जा ज्ञानवरोंको मार देता है या करीबुल मर्ग कर देता है. सिवा उन ज्ञानवरों के जो सज्जा भाते है और इस कहर ज्ञा लेते है के, उनकी कोषें कुल जाती है. फिर वो धूपमें लौट लगाते है, और लीह और पेशाब करते है.

ये ये माले दुनिया सरसज्ज और मीका है जो शपश इस मालके अपने हकके मुताबिक लेगा और उसके सही जगा भरय करेगा तो ये अच्छी मशकत है और जो मालको ना हक लेगा, वो उसी ज्ञानवरकी तरहां है जो भाता है और सैर नहीं होता.

२३१९ : जहरत अबु सईद जुदरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम मिम्बर पर जल्वा इरमाये और हम सब आप के गिहें बैठे थे. आपने इरमाया, “मुझे अपने जाह तुम पर जोस थीजका जहसा है और जतरा है वो ये है के, अल्लाह त्आला तुम पर दुनियांकी जिनत और तर्रो-ताजगी के दरवाजे खोल देगा.

अेक सहाबीने अर्ज किया, या रसूलुल्लाह ! क्या जैर के सभजसे सरभी आ शकता है ?

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम उस के जवाबमें जामोश रहे लोगोंने उस शपशसे कहा, क्या सभज है तुम सवाल कर रहे हो और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम जवाब नहीं दे रहे है ?

जहरत अबु सईद जुदरी रहीअल्लाह इभाते है, फिर हमने देखा आप पर वही नाजिल हो रही है. जब आप मारअमूल पर आ गये तो आपने परसीना पुछा, फिर इरमाया, “जैर के

सबभसे सर नहीं आता। इस्ले पहलर जो सज्जा ओगती है तो वो सज्जा जानवरोंको मार देता है या करीबुल मर्ग कर देता है। सिवाय उन जानवरों के जो सज्जा भाते है और उनकी कोर्भे भर जाती है। फिर वो धूपमें लेटकर लीद और पेशाब करते है एस के बाद फिर अरना शुद्ध करते है।

ये माले दुनिया सरसज्ज और भीडा है और मुसलमानका अच्छा साथी है। एस मालका जो हिस्सा, भिस्कीन, यतीम और मुसाफिरको दिया और जोएस मालको ना हक लेता है वो उसी जानवरकी तरहा है जो भाता है और सैर नहीं होता और ये माल उस के भिलाइ क्यामत के दिन गवाही देगा।

आज ३०४ :- सवाल नहीं करने, सभ्र और कनाअत करनेकी इज्जिलत

२३२० : हजरत अबु सफह भुदरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, अन्सारमेंसे कुछ लोगोंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमसे सवाल किया, आपने उनको अता किया, फिर सवाल किया, आपने फिर अता किया, यहां तक के आप के पास माल भतम हो गया। फिर आपने इरमाया, “मेरे पास जो भी माल होगा मैं उसको तुमसे छूपाकर हरगीज नहीं रफ्भुंगा, और जो शफश सवालसे इका रहेगा अल्लाह उसे गनी कर देगा। और जो सभ्र करेगा। अल्लाह उसको साभिर रभेगा। और सभ्रसे पहकर और कोय वसियततर चीज डीसीको नहीं दी गय।

२३२१ : अक और सनदसे भी औसी ही हदीष मन्कुल है।

२३२२ : हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “जुस शफशने इस्लाम कुबुल किया उसने इलाह पाय, और उसको जरूरत के मुताबिक रोजु दी गय और जुसे अल्लाहने उन चीजों पर कायम बना दिया जो उसको दी गय है।

२३२३ : हजरत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “अय अल्लाह ! आले मुहंमदको एतनी रोजु दे जो उसकी जरूरत पुरी कर शेके।

आज ३०५ :- भुवलेकतुल कुलुब और भवारीज वगैरह के अहडका

२३२४ : हजरत उमर एब्ने अत्ताब रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने सफेकेका कुछ माल तकसीम किया। मैंने अर्ज किया, या रसूलुल्लाह ! इन के अलावा दूसरे लोग ज्यादा मुस्तहिक थे। आपने इरमाया, “उन लोगोंने अपसी सूरत पयदा कर दी के या तो ये मुजसे भे हयाइसे सवाल करते या मुजे अभील करार देते। (महाज अल्लाह) तो मैं अभील नहीं हुं।

२३२५ : हजरत अनस रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमके साथ ज रहल था आप अक नजरानी याहर ओढे हुवे थे उसके कितारे

મોટે થે અચાનક એક બદવી આયા ઊસને આપકી ચાદરકો ઇતના જોરસે ખિંચા કે આપકી ગરદન પર નિશાન પડ ગય્ને ફિર કહને લગા ' અચ મુહમ્મદ આપકે પાસ જો અલ્લાહકા માલ હે ઊસમેસે મુજે દેનેકા હુકમ કીજીયે'

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલોહી વસલ્લમ ઊસકી તરફ મુતવજ્જેહ હુએ, હંસે ઔર ઊસે દેનેકા હુકમ દિયા.

૨૩૨૬ : હજરત અકરમા બિન અમ્મારસે જો રિવાયત હે ઊસમે યે હે, એક બદવીને આપકી ચાદરકો ઇતના જોરસે ખિંચા, કે આપ ઊસ કે સીનેસે જા લગે હુમામકી રિવાયતમે હે કે, ઇતને જોરસે ચાદર ખિંચી કે વો ફટ ગઇ ઔર ઊસકા કિનારા, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમકી ગરદનમે રહે ગયા.

૨૩૨૭ : મિસ્વદ બિન મિખરમા રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હે કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને કબાએ તકસીમકી ઔર મિખરમાકો કુછ નહી દિયા

હજરત મિખરમાને કહા, અચ બેટે ! મેરે સાથ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે પાસ ચલો.

મેં ઊન કે સાથ ગયા, હજરત મિખરમાને કહા, જાઓ મેરે લિયે રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમકો લેકર આઓ.

મેંને આપકો બુલાકા, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ આલોહી વસલ્લમ તશરીફ લાએ ઔર આપ કે ઊપર ઊનમેસે એક કબા થી. આપને ફરમાયા, "અચ મિખરમા ! મેંને યે ચાદર તુમહારે લિયે છુપાકર રખી થી.

હજરત મિખરમાને ઊસ કબાકો દેખા ઔર રાજી હો ગય્ને.

૨૩૨૮ : હજરત મિસ્વદ બિન મિખરમા રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હે કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે પાસ કુછ કબાએ આઈ. મુજસે મેરે વાલિદ હજરત મિખરમાને કહા, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે પાસ ચલો શાયદ આપ હમેં ઊનમેસે કુછ દે.

હજરત મિસ્વદ ફરમાતે હે કે, મેરે વાલીદને આપ કે દરવાજે પર ખડે હોકર કુછ ખાતે કરની શરૂ કરદી, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ઊનકી આવાઝ પહેચાન લી આપ કબાકો લિયે હુએ તશરીફ લાએ. ઊસ વકત આપ કબા કે મુહાસિન ખા રહે થે ઔર ફરમા રહે થે, મેંને યે તુમહારે લિયે છુપા કર રખી થી, મેંને યે તુમહારે લિયે છુપા કર રખી થી.

૨૩૨૯ : હજરત સાઅદ રદીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હે કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને કુછ લોગોંકી એક જમાઅતકો કુછ માલ દિયા. મેં ભી ઊન લોગોંમે બેઠા હુઆ થા, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ઊનમેસે એક શખ્શકો છોડ દિયા. ઊસે કુછ નહિ દિયા.

હાલાં કે મેરે નજદિક વો બહુત પસંદીદા થા. મેં રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમ કે પાસ જાકર ખડા હુઆ ઔર ચુપકેસે કહા, યા રસૂલુલ્લાહ ! આપને ફતાં શખ્શકો ક્યું નહિ દિયા, બાખુદા મેં ઊસકો મોઅમીન ગિરદાનતા હું.

आपने इरमाया, “मुसलमान.

मैं कुछेदर आभोश रहा, फिर मुझे नहीं रहा गया, और मैंने कहा, या रसूलुल्लाह आप इलांकी क्युं नहीं देते अजुदा मैं जिसे मोअमीन गुमान करता हूं.

आपने इरमाया, “मुसलमान ! फिर आपने इरमाया, “मैं कीसी शप्शको धस मौकुं दे देता हूं, के कहीं वो मुंड के अल जहन्नुममें ना गिरा दिया जाये, हालांकी जिस के अलावा दूसरा शप्श मुझे जयादा महेअुअ होता है. हलवानी कि रीवायतमें ये कील दो बार आया है.

२३३० : अक और सनहसे भी औरी ही रिवायत मन्दुल है.

२३३१ : अक और सनहसे भी ये हदीष मन्दुल है. धसमें ये है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने मेरी गरहन और कंधो पर हाथ मारा और इरमाया, “अय साअह ! अगरमें कीसी शप्शको हूं तो क्या तुम लडाध करोगे ?

२३३२ : हजरत अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, गजवये हुनैन के दिन जब अल्लाह त्वालाने अगैर कीसी जंग के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने कुरैश के कुछ लोगोंको सो अंत अता किये, तो कुछ अन्सारी कहेने लगे, अल्लाह त्वाला रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी भगैरत इरमाये. आप कुरैशको देते है और हमें छोड देते है. हालांकी हमारी तलवारोंसे अली तक कुंशरे कुरैशका भूत अल रहा है.

हजरत अनस कहेते है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमको ये आत अताध गध, आपने अिन अन्सारीयोंको अुलवाया, और अिन सअको अक अअडे के जैमेंमें जमा किया, जब वो जमा हो गये तो अिन के पास रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम तशरीफ़ लाये. और इरमाया, “ये तुम्हारी कीस तरहांकी आत मुज तक पहोंयी है ?

अन्सारमेंसे सभअदर लोगोंने कहा, या रसूलुल्लाह ! जे लोग हममेंसे साहजे अकल है अन्होंने कोध आत नहीं की, लेकीन हमारे अिअ नौजवानोंने ये आत कही है, के अल्लाह त्वाला रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी भगैरत इरमाये. आप कुरैशको देते है और हमें छोड देते है. हालांकी हमारी तलवारोंसे अली तक कुंशरे कुरैशका भूत टपक रहा है !

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “मैं अिन लोगोंको देता हूं जे अली ताज ताज कुंसे धरलामभे आये है ता के अिनकी तालीफ़ कुअुल हो. क्या तुम धस आत पर राज्ज नहीं हो के लोग माल लेकर धर जाये. और तुम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमको ले कर धर जाओ. अल्लाहकी कसम ! जूस खीजको साथ लेकर तुम लौट रहे हो वो धससे अेहतर है. जूस के साथ वो लौट रहे है.

अन्सारने कहा, या रसूलुल्लाह ! क्युं नहीं ? हम राजी है.

आपने इरमाया, “अन करीअ के तुम हेअोगे के अहोतसे मुआमलातमें तुम लोगोंको तरज्जुह दी जायेगी. तुम धसपर सअर करना यहां तक के अल्लाह और जिस के रसूलसे जा मिलो. क्युं के मैं हीअ पर होअंगा. ”

२३३३ : हजरत अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जब अल्लाहने नबीये करीम सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमको अगैर जंग के हवाअिनका माल अता

इरमाया..... बाकी हदीष उपर जैसी है. इसमें ये है के, हजरत अनस रदीअल्लाहो अन्होने कहा, हमने सभ्र नहीं किया और नौ-उम्र लोगोंने ये कहा.

२३३४ : अेक और सनहसे अैसी ही रिवायत है इसमे है के, हम सभ्र कर लेंगे.

२३३५ : हजरत अनस बिन मालिक रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने अन्सारकी जमा कर के कहा, क्या तुममें कोइ गैर भी है ?

उन्होंने कहा, नहीं अलबत्ता हमारा भान्ज है.

आपने इरमाया, "भान्ज भी कौममें दाबिल होता है. फिर आपने इरमाया, "कुरैश अली अली ताज्र ताज्र ज़हिलियत और मशाएभसे निकले हैं मैं याहता हुं के उनको पनाहमें रज्हुं और उनकी तकलीफ़ तलभ करूं, क्या तुम इस बात पर राज़ नहीं हो के लोग दुनिया लेकर जायें और तुम अपने घरोंमें रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमको लेकर जाओ. अगर लोग अेक रास्ते पर चलें और अन्सार दूसरी घाटीमें चलें तो मैं अन्सारकी घाटीमें चलूंगा.

२३३६ : हजरत अनस बिन मलिक रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम मक्का इतेह हुआ और कुरैशमें माले गनीमत तकसीम किया गया.

अन्सारने कहा, ये अेउं ताअज्जुभकी बात है के, हमारी तलवारोंमें अली कुक्षरका भून टपक रहा है और हमारा माले गनीमत इन्हीको वापस दिया जा रहा है.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम तक जब ये बात पढ़ींथी तो उन्हें जमा कर के इरमाया, "ये तुम्हारी कीस किरमकी बात मुजतक पढ़ींथी है ? उन्होंने कहा, हमने वही बात कही है जे आप तक पढ़ींथी है, और अन्सार जुठ नहीं जोलते थे.

आपने इरमाया, "तुम इस बातसे भुश नहीं हो के लोग अपने घरोंमें माले दुनिया लेकर जायें और तुम अपने घरोंमें रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमको लेकर जाओ ? अगर लोग अेक घाटी या अेक वादीमें जायें और अन्सार दूसरी वादी या दूसरी घाटीमें जायें तो मैं अन्सारकी वादी या घाटीमें जाऊंगा.

२३३७ : हजरत अनस बिन मालिक रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, ज़स रोज जंग हुनैन हुंथ तो हुवाज़िन, गतखान वगैरा अपने बन्धों और यौपायोंको लेकर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के सामने आयें उस दिन रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के सामने दस हज़ार (१०,०००)का मजमा था और तुलक़य (जे इतेह मक्का के बाह मुसलमान हुंथे थे) भी थे वो सब पीठ के बल भाग गये और आप तन्हा रहे गये. उस दिन आपने ही आवाजे ही, ज़न के दरम्यान कुछ नहीं कहा.

हजरत अनस कहते है के, आपने हांइ तरफ़ देखा और कहा, अय जमाअते अन्सार.

उन्होंने कहा, लब्बेक या रसूलुल्लाह..... आपको भुश भभरी हो हम हाज़र है.

हजरत अनस कहते है के, आप अेक सफ़ेद भन्धर पर सवार थे. आप उससे उतरें और इरमाया, "मैं अल्लाहका भंदा और उसका रसूल हुं.

मुश्रीकों को शिक्सत हुँ और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लमको जहोत माले गनीमत मिला. आपने वो माले गनीमत मुहाजरीन और तुलकाअमें तकसीम कर दिया. और अन्सारको कुछ नहीं दिया.

अन्सारने कहा, सप्टी के वक्त हुमें जुलाया जाता है और माले गनीमतकी तकसीम के वक्त दूसरों को.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमको जब इस बातकी घत्तला मिली तो आपने अन्सारको अेक जैमेमें जमा किया और इरमाया, “अय जमाअते अन्सार तुम्हारी तरइसे ये किस कीरमकी बात पढ़ोंगी है ? वो आभोश रहे. आपने इरमाया, “अय जमाअते अन्सार ! क्या तुम इस बातसे राणु नहीं हो के लोग दुनीयां लेकर जाअे और तुम अपने घरोंकी तरइ मुहुम्मदको ले जाओ ?

अनहोंने कहा, क्युं नहीं ? या रसूलुल्लाह ! हम राणु है.

आपने इरमाया, “अगर लोग अेक रास्ते पर चलें और अन्सार दूसरी घाटीमें चलें, तो मैं अन्सारकी घाटीमें चलुंगा.

हिशामने हजरत अनससे कहा, अय अबु हमजा, क्या आप इस वाकिये के वक्त मौजूद थे ?

तो हजरत अनस रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “मैं हुजुरसे कभ गायज होता था ?

२३३८ : हजरत अनस बिन मालिक रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हमने मक्का इतेह किया हम गजवअे हुनैनमें गअे. मुश्रीकीन जेहतरीन सखें आंधकर आअे थे. जो मैंने इससे पहले नहीं देभी थी. पहले घोंकी सख, इर अिस के पीछे लडनेवालोंकी, इर अिन के पीछे औरतोंकी, इर अकरीयोंकी सख, इर अिगर यौपायोंकी सख आंधी गअ थी. हमारी तादादभी जयादा थी. जो छ हजर (६०००)को पढ़ोंच गअ थी.

हमारी अेक तरइ शहसवारों पर आलिह बिन वलीह अमीर थे, अयानक हमारे घोंडे पीठ के पीछे मुड गअे और हम ना हहर शके, यहां तक हमारे घोंडे नंगे हो गअे और अहदु और हमारी जान पहलेअान के लोग भाग पडे.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने आवाज दी, अय मुहाजुरो अय मुहाजुरो ! इर इरमाया, “अय अन्सारो ! अय अन्सारो !

हजरत अनस कहते हैं, हमने कहा, लब्बैक या रसूलुल्लाह ! हजरत अनस कहते हैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम आगे अे. हजरत अनस कहते हैं हम वहां तक पढ़ोंचे भी ना थे और अल्लाहने अन्हें शिक्सत दे दी और हमने अिनका सारा माल ले लिया.

इर हम ताघइकी तरइ जणहे और आलीस दिन तक अिनका घेराव किया. इर हम मक्का लौट आअे और वहां हहरे और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम अेक सो, अेक सौ अीट देने लगे. इस के आद अिपर जो हदीष गुजरी अैसी ही रिवायत है.

२३३८ : हजरत रफ़ैअ बिन ખદीજ रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने अबु सुफ़ियान बिन हर्ब, सफ़वान बिन उमय्या, अय्यना बिन हसन, और एकराअ बिन ह्राबिस हर अेकको सौ सौ ठीट दिये और अब्बास बिन मिरदासको कुछ कम ठीट दिये. तो अब्बास बिन मिरदासने ये अश्शार पढ़े.

आप मेरी लूटमार और औभेदकी लूटमार को,

अय्यना और एकरा के दरम्यान मुकरर करते है.

हालांकी वो अब्बास बिन मिरदासको मग्यारकेमें भढ नहीं शकते.

मैं उन दोनोंसे कीसी तरहां कम नहीं हूं.

और आज ञसकी भात नीची हो गछ फिर उपर ना होगी.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने उनको भी सौ ठीट पुरे कर दिये.

२३४० : दूसरी सनदसे भरवी हदीषमें है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने माले गनीमत तकसीम किया, और अबु सुफ़ियान बिन हर्बको सौ ठीट दिये.

२३४१ : अेक और सनदसे भी हदीष मन्डुल है ञसमें सुफ़ियान बिन उमय्या, और अश्शारका तअेकरा नहीं है.

२३४२ : हजरत अब्दुल्लाह बिन जैद रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने हुनैनको इत्ल करने के भाद माले गनीमत तकसीम किया और मुअल्ले-इतिल-कुलुबको ज्यादा दिया. उस वकत आपको ये धन्तिला मिली के अन्सारकी ये प्वाहिश है के, उन्हें भी और लोगों के भराभर दीया जाये.

फिर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने भेठे होकर भुत्पा दिया. और अल्लाह त्यालाकी हम्दी पना की फिर कहा, अय अन्सारकी जमाअत ! क्या मैंने तुमको गुमराह नहीं पाया था ? फिर अल्लाह त्यालाने तुमको मेरे जरीअेसे हिदायत दी. और क्या तुम कुफ़रा नहीं थे ? फिर अल्लाह त्यालाने तुमको मेरी वजहसे गनी कर दिया. और क्या तुम आपसमें अलग अलग नहीं थे ? फिर अल्लाह त्यालाने तुमको मेरी वजहसे अेक जुट कर दिया.

और अन्सार अेक साथ कहे रहे थे, अल्लाह और उसका रसूल ज्यादह अहेसान करनेवाले है.

आपने इरमाया, "तुम मुजे जवाब क्युं नहीं देते ? "

उन्होंने कहा, अल्लाह और उसका रसूल ज्यादह अहेसान करनेवाले है.

आपने इरमाया, "अगर तुम आहते तो कहेते, इस तरहां हो, इस तरहां हो और वाकेआ इस इस तरहां हुआ. "

रावी कहेते हैं, आपने कंछ थीगोंका जिक किया जे उन्हें याद नहीं रही.

फिर आपने इरमाया, "क्या तुम इस भातसे राणु नहीं हो के लोग अकरीयोंको और ठींटो के ले जाये. और तुम अपने घरोंमें रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमको ले जाओ. अन्सार शिआर (अस्तर) है और दूसरे लोग अपरह (कवर, गैकेट) है. अगर

हिजरतकी इज्जिलत ना होती तो मैं अन्सारका (ही) अेक ईहं होता. अगर लोग अेक वादीमें ज़अमें और अन्सार दूसरी वादी और घाटीमें ज़अमें तो मैं अन्सारकी वादी और घाटीमें ज़अंगीगा. ”

अन करीब के तुम मेरे बाह तरजुह देभोगे तो उस वक्त तक सभ्र करना जब तक हीज (कौषर) पर मुजसे मुलाकात ना हो ज़अे.

२३४३ : हुजरत अब्दुल्लाह बिन मसुद रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने माले गनीमत तकसीम किया कुछ लोगोके तकसीममें तरजुह दी. अय्यना बिन हुसत, और धकराय बिन हाबिस हर अेकको सौ सौ ओंट दिये और अरबके सरदरोंके भी धतने ही दिये. उस दिन उन्हें तकसीममें तरजुह दी अेक शप्शने कडा, अल्लाहकी कसम तकसीममें अहल नहीं किया गया. अल्लाह त्वालाकी रजा मंहीका धरादा नहीं किया गया. हुजरत धप्ने मसुद इरमाते है के, जाभुद मैं नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लम के ये भात जरुर अताउंगा. हुजरत धप्ने मसुद इरमाते है के, इर मैं नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी भिदमतमें हाजुर हुअा और युपकेसे आपको ये भात अताध. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम ये भात सुनकर अहोत ज्यादा नाराज हुअे. आपका अहेरा मुबारक सुभं हो गया. अत्ता की मैंने हिलमें ये तमन्ना की आपसे मैंने जिंक ही ना किया होता. इर आपने इरमाया ”अगर अल्लाह और उसअ रसूल अहल नहीं करेगें तो और कौन अहल करेगा ? ”

इर आपने इरमाया, ”हुजरत मुसाको धससे ज्याहल धजा ही गध और अन्होंने सभर किया. ”

२३४४ : हुजरत अब्दुल्लाह बिन मसुद रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने माले गनीमत तकसीम किया अेक शप्शने कडा, ”ये वो तकसीम है ज़असे अल्लाह त्वालाकी रजा मंहीका धरादा नहीं किया गया. ”

हुजरत धप्ने मसुद इरमाते है के, इर मैं नबीअे करीम सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी भिदमतमें हाजुर हुअा और युपकेसे आपको ये भात अताध. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम ये भात सुनकर अहोत ज्यादा नाराज हुअे. आपका अहेरा मुबारक सुभं हो गया. अत्ता की मैंने हिलमें ये तमन्ना की आपसे मैंने जिंक ही ना किया होता.

इर आपने इरमाया, ”हुजरत मुसाको धससे ज्याहल धजा ही गध और अन्होंने सभर किया. ”

२३४५ : हुजरत ज़ाबिर बिन अब्दुल्लाह रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, जब रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम जंगे हुनैनसे वापसीमें ज़रानामें थे. आप के पास अेक शप्श आया. यहां तक के हुजरत बिलाल के मुह्री लर कर लोगोंके दे रहे थे. अेक शप्शने कडा, ”अय मुहुम्मद ! अहल कीजुअे. ”

आपने इरमाया, ”तुम्हें अजाब हो ! अगर मैं अहल नहीं करूंगा तो और कौन अहल करेगा ? अगर मैं अहल ना करता तो ना काम और नामुराह हो जाता.

૨૩૪૬ : હજરત ઊમર ઇબને ખત્તાબ રહીઅલ્લાહો અન્હોને કહ્યા, યા રસૂલુલ્લાહ ! મુજે ઇબ્રાહીમ દીજીએ મેં ઇસ શખ્શકો કત્લ કર દું.”

આપને ફરમાયા, “મઆઝ અલ્લાહ કહીં લોગ યે ના કહે કે મેં અપને અસ્લાબકો કતલ કરતા હું. યે શખ્શ ઔર ઊસ કે અસ્લાબ કુરઆન પઠતે હૈ. મગર કુરઆન ઇન કે ગલોં કે નીચેસે નહીં ઊતરતા ઔર યે લોગ કુરઆનસે ઇસ તરહાં સાફ નિકલ જાએંગે જીસ તરહાં તીર કમાનસે નિકલ જાતા હૈ.”

૨૩૪૭ : હજરત અબુ સઇદ ખુદરી રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, હજરત અલી કરમેલ્લાહુ વજહહુને યમનસે રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમકી ખિદમતમેં કુછ સોના ભેજા જીસમેં મિટ્ટી ભી થી.

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને વો સોના ઇકરાઅ બિન હાબિસ, હન્ઝલા, અય્યના બિન બદર ફઝારી, અલકમા બિન ઊલાસહ આમીરી, ફિર બનુ કુલાબ કે એક શખ્શકો ઔર ઝૈદ ખયરે તાઇએ ફિર બની નબહાન કે એક શખ્શકો ઇન ચાર આદમીયોમેં તકસીમ કર દિયા.

હજરત ઇબને મસઉદ ફરમાતે હૈ કે, કુરૈશ નારાજ હો ગએ કે હુઝુર નજદ કે સરદારોંકો દે રહે હૈ ઔર હુમેં છોડ રહે હૈ.

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “મેંને યે ઇસલિયે કિયા હૈ કે, મેં ઊન લોગોં કે કલ્બકી તાલીફ કરું.”

ફિર એક શખ્શ આયા, જીસકી દાઢી ભરી હુઇ થી, ગાલ ઊભરે હુએ યે ઔર આંખે ઘંસી હુઇ થી, પેશાની ઊંચી થી. ઔર સર મુંડા હુઆ થા. વો કહેને લગા, “અય મુહમ્મદ ! અલ્લાહસે ડરો.”

હજરત અબુ સઇદ ખુદરી કહતે હૈ કે, રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “અગરમેં અલ્લાહ ત્યાલાકી ના ફરમાની કરું તો ફિર ઊસકી ફરમાબરદારી કૌન કરેગા ? અલ્લાહ ત્યાલાને મુજે જમીન પર અમીન બના કર ભેજા હૈ ઔર તુમ મુજે અમીન નહીં માનતે ? ” ફિર વો શખ્શ પુસ્ત ફેરકર ચલ દિયાં. કૌમમેંસે એક શખ્શને ઊસ કે કત્લકી ઇબ્રાહીમ માંગી. લોગોંકા ખયાલ હૈ વો હજરત ખાલિદ બિન વલીદ થે.

રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા, “ઇસકી નસ્લસે એક ઐસી કૌમ પૈદા હોગી. જો કુરઆન પઠહેગી ઔર કુરઆન ઇસ કે ગલે કે નીચે નહીં ઊતરેગા. યે લોગ મુસલમાનોંકો કત્લ કરેંગે ઔર કાફિરોંકો છોડ દેંગે. ઔર યે લોગ ઇસ્લામસે ઇસ તરહાં નીકલ જાએંગે જૈસી તીર શિકારસે નિકલ જાતા હૈ. અગર મેં ઇન લોગોંકો પા લેતા તો કવમેં આદકી તરહાં ઇનકો કતલ કર દેતા.”

૨૩૪૮ : હજરત અબુ સઇદ ખુદરી રહીઅલ્લાહો અન્હોસે રિવાયત હૈ કે, હજરત અલી કરમેલ્લાહુ વજહહુને યમનસે એક રંગે હુવે ચમડેમેં રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમકી ખિદમતમેં કુછ સોના ભેજા જીસમેં મિટ્ટી ભી મીલી હુઇ થી.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने वो सोना चार आदमीयोमें तकसीम कर दिया. धकराय्म बिन हाबिस, जैद्विजल, अय्यना बिन जदर इजारी, अकमा बिन उलासह या आमीर बिन तुईल मेंसे अेक थे , फिर अनु कुलाब के अेक शप्शको और जैद जयरे ताध, फिर जनी नज्जान के अेक शप्शको. आपके अरुहाजमेंसे क्रीसीने कडा उन लोगों के अनिरुपत धस मालके हभ जयाहह हक़्कर है. नजीअे करीम सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के ये जात पढ़ाये गध. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “तुम तुम मुजे अमीन नहीं मानते ? हालांकी मैं उसक अमीन हुं जे आसमानोमे है. मेरे पास सुजहा शाम आसमानी जभरें आती हें.”

फिर अेक शप्श आया, जूसकी आंजे घंसी हुध थी, और दोनों गाल कुले हुअे थे और पेशानी उाजरी हुध थी. दोही घीसी हुध थी, और सर मुंडा हुअा था और तहफंद पिंडलियोंसे उंचा था.

उसेने कडा, “अय अल्लाह के रसूल ! अल्लाहसे डरो. ”

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “तुजे अजाज हो क्या रुअे जमीन पर अल्लाह त्वालासे डरनेक सभसे जयाहह हक़्कर मैं नहीं हुं!”

फिर वो शप्श पुरत डेरकर चल दिया. हजरत ખાલિદ बिन वलीह रहीअल्लाहो अन्होने कडा, “या रसूलुल्लाह मैं उस शप्शकी गरहन ना उग्रहुं ? ”

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “ शायद वो नमाजी हो ” मुजे धसक मुकलीक नहीं किया गया है के मैं लोगोंके हिल थीर कर हेभुं या उनके पेट शड कर हेभुं.”

हजरत ખાલિદ बिन वलीह रहीअल्लाहो अन्होने कडा, “क्रीतने ही नमाजी जैसे है जे जैसे जाते करते है. जे उनके हिलोमें नहीं होती ”

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “मुजे धसक मुकलीक नहीं किया गया है के मैं लोगोंके हिल थीर कर हेभुं या उनके पेट शड कर हेभुं.” फिर आपने उस शप्शकी तरक हेभा फिर वो शप्श पुरत डेर कर ज रहा था और इरमाया,

“धसकी नरलसे जैसे लोग पैदा होगे जे अल्लाह त्वालाकी किताज अखी तरहा पणहेगे, लेकिन वो धन के गले के नीचे नहीं उातरेगी. ये लोग धीनसे धस तरहां नीकल जअेंगे जैसे तीर निशानेसे निकल जाता है.”

रावी कुते है के आपने इरमाया “ अगर मैं धन लोगोंको पा लेता तो कवमें आहकी तरहां धनको कतल कर देता. ”

२३४८ : अेक और सनहसे ली जैसे ही हदीष मन्कुल है. धसमे अकमा बिन अलासा कडा है धसमे ये धज्जह हे के, हजरत उमर शरुक रहीअल्लाहो अन्हो जडे हुअे और कडा, “ या रसूलुल्लाह ! मैं उस मुनाकिकी गरहन ना उग्रहुं ? ”

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “ नहीं ” फिर वो शप्श चला गया.

फिर हजरत ખાલિદ बिन वलीह रहीअल्लाहो अन्होने कडा, “या रसूलुल्लाह ! मैं उस मुनाकिकी गरहन ना उग्रहुं ? ”

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “ नही ” और इरमाया, “ इसकी नस्लसे एक औरसी कौम पैदा होगी. जो कुरआन બહુत अरखी तरहा पणहेगी और अम्मार खेते है आपने इरमाया, “अगर मैं इन लोगोंको पा लेता तो क्वमें आदकी तरहां इनको कतल कर देता.”

२३५० : एक और सनहसे भी औरसी ही इदीष मन्कुल है. इसमे ये इज्जत है के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने वो सोना यार आदमीयोंमें तकसीम कर दिया. जैह और, इकराय बिन हाबिस, , अय्यना बिन हसन, अल्कमा बिन उलासह या आभीर बिन तुईल, और इरमाया, “ इसकी अस्लसे एक औरसी कौम जाहिर होगी. इसमे नही के मैं इन लोगोंको पा लेता तो क्वमें आदकी तरहां इनको कतल कर देता.”

२३५१ : अबु सलमा और अत्तर बिनष यसार दोनों इज्जत अबु सईद जुहरी रहीअल्लाहो अन्होके पास आये. और उनसे पूछा. क्या आपने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमसे इरारियह के बारेमें कुछ सुना है ? ”

उनहोंने इरमाया, “मुझे इररियह के बारेमें पता नही लेकीन, मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमसे ये सुना है आपने इरमाया, “इस इम्मतमें एक इम्माअत निकलेगी. ये नही इरमाया के इस इम्मतसे होगी. वो औरसे लोग होंगे के उनकी नमाजों के मुकाबलेमें तुम अपनी नमाजोंको हकीर समझेगे. वो कुरआन पणहेगे और कुरआन हमको या गले के नीचे नही उतरेगा. वो दीनसे औरसे निकल जायेंगे जैसे तीर शिकारसे निकलता है, शिकारी अपनी तीरकी लकड़ीको देभता है और उस के इलको और उस के परको और उस के आभिरि किनारेको जो उसकी चुटकियोंमें था के कही उसे भूत लगा है.”

२३५२ : इज्जत अबु सईद जुहरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हम रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी इम्मतमें जैसे हुये थे. आप कुछ तकसीम इरमा रहे थे के आह-अल-जुवैसरह नामका एक बनू तमीम (कबीला)से एक शप्श आया, और उसने कहा, “ अय अल्लाह के रसूल ! अहल करो. ”

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “मैं अहल नही करुंगा तो कौन अहल करेगा ? अगर मैं अहल ना करुं तो तो तुम नाकाम और नामुराह हो जाओ. ”

इज्जत उमर इब्ने अत्ताब रहीअल्लाहने इरमाया, “या रसूलुल्लाह ! मुझे इज्जत हीज्जते उसकी गरदन उडाहुं.”

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “रहने हो, क्युं के इस के औरसे साथी है उनकी नमाजों के मुकाबलेमें तुम अपनी नमाजोंको हकीर समझेगे ! और इस के रोजों के मुकाबलेमें अपने रोजोंको हकीर मानोगे. ये लोग कुरआन मज्जह पढेंगे और वो उन के इलको के नीचे नही उतरेगा. और ये लोग दीनसे इस तरहां नीकल जायेंगे. जोस तरहां तीर शिकारसे औरसे निकल जाता है के, तीरदाज तीर के इलको देभता है और उसमें भूतका असर नही होता. फिर इलकी जणको देभता है तो उसमें भी भूत नही होता. फिर उस के परको देभता है तो उसमें भी कुछ नही होता. इलाकों के तीर शिकार के पर और भूतसे

निकलता है. उन लोगोंकी निशानी ये है के, उनमें एक काला आदमी होगा. जिसका एक साना औरतकी पुस्तानकी तरहां होगा. या जैसे हिलते हुअे गौस्तका लोथणा हो. ये गिरोह उस वक्त ज़हिर होगा जब लोगोंमें तहरके होंगे. ”

हजरत अबु सय्द कहते है के, मैं गवाही देता हुं के मैंने ये हदीष रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमसे सुनी और गवाही देता हुं के मैं हजरत अली रदीअल्लाहु अन्हुने उनसे कताल किया और मैं उस वक्त हजरत अली रदीअल्लाहो अन्हुो के साथ था. हजरत अलीने उस आदमीको तलाश करनेका हुकम दिया, वोह मिल गया और उसे हजरत अली करमल्लाहो वजहहु के पास लाया गया और मैंने उस शप्शको अन्ही शिक्षत के साथ पाया जे रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने भयान किये थे.

२३५३ : हजरत अबु सय्द ज़ुहरी रदीअल्लाहो अन्हुोसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने एक कौमका जिक किया. जे आपकी उम्मतमें पैदा होगी. उसका जहुर उस वक्त होगा जब लोगोंमें तहरका हो ज़अेगा. उनकी निशानी सर मुंडाना होगी और वो मजलुकमें सबसे अदतर होंगे और उनको दो जमाअतोंमेंसे वो जमाअतें क्तल करेंगी जे हुक के ज्यादा करीब होगी, फिर आपने उन लोगोंकी एक मिसाल भयान इरमाध के जब आदमी कीसी शिकार या निशानेको तीर मारता है तो, तीरको देभता है उसमें कुछ असर नहीं होता और परकी लकड़ीको देभता है और वहां ली असर नहीं होता. फिर इसरको देभता है जे तिरहाजकी यूटकीमें होता है. तो वहां ली कुछ असर नहीं पाता.

फिर अबु सय्दने कहा, अथ धराकवालो, ! तुम्हीं ने तो धन्हें क्तल किया है ?

२३५४ : हजरत अबु सय्द ज़ुहरी रदीअल्लाहो अन्हुोसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “मुसलमानोंमें तहरिक के बाद एक फिरका जुदा हो ज़अेगा. और मुसलमानोंकी दो जमाअतोंमेंसे जे हुक के ज्यादा करीब होगी वो इस फिरकेको क्तल करेगी. ”

२३५५ : हजरत अबु सय्द ज़ुहरी रदीअल्लाहो अन्हुोसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “मेरी उम्मतमें दो जमाअतें हो ज़अेंगी. और उनमें एक फिरका पैदा होगा और जे जमाअत उस फिरके को क्तल करेगी वो हुक के ज्यादा करीब होगी. ”

इरमाया, “लोगोंमें तहरके के वक्त एक फिरका पैदा हो ज़अेगा और जे लोग उस फिरकेको क्तल करेंगे वो हुक के ज्यादा करीब होंगे. ”

२३५६ : हजरत अबु सय्द ज़ुहरी रदीअल्लाहो अन्हुोसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने इरमाया, “मेरी उम्मतमें दो जमाअतें हो ज़अेंगी. और उनमें एक फिरका पैदा होगा और जे जमाअत उस फिरकेको क्तल करेगी वो हुक के ज्यादा करीब होगी. ”

२३५७ : हजरत अबु सय्द जुहरी रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, इरमाया, “घणतेलाइ के वक्त अेक कौम ज़हिर होगी और दो जमाअतों में से जो उसको कतल करेगी वो हक के जयादा करीब होगी. ”

२३५८ : हजरत अली करमल्लाहो वजहल्लु इरमाते है के, जब मैं तुमसे रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी हदीष भयान करूं तो आसमानसे मन्सूफ करूं जो आपने नहीं इरमाय।

और जबमें अपनी और तुम्हारी बात भयान करूं तो जंगमें घोषा देना ज़रूरी है.

मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी ये इरमाते सुना, आभिर जमानेमें अेक कौम निकलेगी. जो कम उम्र और कम अकल होगी. रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी अहदीष भयान करेंगे, कुरआन मज्दक पणहेंगे, और वो उन के हलकसे नीचे नहीं उतरेगा और हीनसे इस तरफां निकल ज़रूमेंगे जैसे कीसी शिकारसे तीर निकल जाता है. और जब तुम उनसे मुलाकात करो तो उनको कतल करना क्युं के जो उनसे जंग करेगा और उनको कतल करेगा कयामत के दिन अल्लाह त्वाल्ला के यहां उसको अजर मिलेगा. ”

२३५९ : अेक और सनदसे भी अैसी ही हदीष मन्कुल है.

२३६० : अेक और सनदसे भी अैसी ही हदीष मन्कुल है. इसमें ये अल्लैज नहीं है के, वो हीनसे अैसे निकल ज़रूमेंगे जैसे कीसी तीर शिकारसे निकल जाता है.

२३६१ : अबैदुल्लेसे रिवायत है के, हजरत अली करमल्लाहो वजहल्लुने जवारीजका जिक्र किया और इरमाया, “उनमें अेक शप्श होगा जसका हाथ नाकिस होगा. और अगर तुम इअ्र ना करो तो मैं तुमसे उस चीजका भयान करूं. जसका अल्लाह त्वाल्ला ने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी ज़ुबानसे उनको कतल करनेवाले के पारेमें वादा इरमाया है. ”

रावी इरमाते है, मैंने पूछा, आपने ज़ुह मुदम्मद सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमसे सुना है? ” इरमाया, “हां, रब्बे काफ़ाकी कसम ! हां, रब्बे काफ़ाकी कसम ! हां रब्बे काफ़ाकी कसम. ”

२३६२ : अेक और सनदसे भी अैसी हदीष मन्कुल है.

२३६३ : हजरत जैद बिन ज़हब जुहमीसे रिवायत है के, वो उस लश्करमें थे जो हजरत अली करमल्लाहो वजहल्लु के साथ जवारीजसे जंग के लिये गया था.

हजरत अली करमल्लाहो वजहल्लुने इरमाया, “अय लोगो ! मैंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमसे सुना है आपने इरमाया, “भेरी उम्मतमेंसे अेक कौम ज़हिर होगी वो अैसा कुरआन पढ़ेगी के उन के कुरआन पणहने के सामने तुम्हारी कुरआन पणहनेकी कोय हैसीयत ही ना होगी, ना उन के रोजों के सामने तुम्हारे रोजोंकी कुय हैसीयत होगी, वो ये समजकर कुरआन पढ़ेंगे के ये उन के लिये मुक़िद है. लेकिन वो उन के लिये मुदर होगा, नमाज उन के गले के नीचे नहीं उतर शकेगी. और वो घरलामसे अैसे निकल ज़रूमेंगे जैसे तीर शिकारसे निकल जाता है”

जो लश्कर उनकी सरकुभी के लिये जा रहा है, अगर वो उस सवाबको जानले जिसका वादा अल्लाह त्पालाने उन के नबीकी जभान पर किया है तो वोह जाकी आमाजको छोडकर धसी पर लरोसा कर ऒँहगे.

उनकी निशानी ये है के, उनमेंसे अेक शअश अैसा है जिस के सीनेमें हड्डी नहीं और उस के सीना औरतकी पुस्तानकी तरहां है, उस पर सुईद रंगका जाल है.”

हजरत अलीने इरमाया, “तुम मुआविया और शामकी तरफ जाते हो और धनहें छोड जाते हो ता की ये तुम्हारे पीछे तुम्हारी औलाह और तुम्हारे अमवालको धन दे, जभुदा मुजे यकीन है के, ये वही कीम है जिसने नाहक जून जहाया, और लोगोकी आरागाहों को लूट लिया. तुम अल्लाहका नाम लेकर उनसे किताल के लिये रवाना हो.

सलमा बिन कुहैल कहते हैं, इर मुजसे जैद बिन वलबने अेक अेक मंजीलका जिंक किया, और जयान किया के जजब हम जाकर उनसे मिले तो हमारा अेक पुलसे गुजर हुया. उस दिन पारजुयोका सिपेहसालार अब्दुल्लाह बिन वलज रासेजी था उसने हुकम दिया था के अपने नेजे ईक हो और तलवारें भियानसे जाहर निकाललो. क्युं के मुजे हदथा है के, ये तुम पर धस तरहां हमला करेंगे जिस तरहां योमे इइरायममें किया था. युनांचे उनहोंने अपने नेजे ईक हिये और तलवारें तानली.

लोगोंने उन पर नेजोंसे हमला किया और जाअजने जाअजको कतल करना शइ किया, उस दिन हजरत अली करमल्लाहो वजहलु के लश्करसे सिई हो आदमी शहीद हुये.

हजरत असरने इरमाया, “धनमें नाकिस आदमीको तलाश करो, ” हूंढा गया लेकीन वो नहीं मिला, हजरत अली करमल्लाहो वजहलु जुद ओठे और वहां गये जहां उनकी लाशे अेक हुसरे पर पडी थी, हजरत अलीने इरमाया, “धन लाशोंको ओठाओ, ” तो उसको जमीन पर लगा हुया पाया, हजरत अलीने इरमाया, “अल्लाहो अकबर ! अल्लाह त्पालाने सच इरमाया. और उस के रसूलने हम तक सही अहेकाम पहांचाये. ”

ओबैदह जडे हुये और इरमाया, “उस जातकी कसम जिस के सिवा कोध माजुद नहीं है. क्या आपने जुद रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व सललमसे सुनी है ? ”

हजरत अलीने इरमाया, “हां, जुदाकी कसम जिस के सिवा कोध माअजुद नहीं है.” उसने हजरत अलीसे तीन पार हलइ लिया. हजरत अलीने तीन पार कसम जाध.

२३६४ : रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व सललम के गुलाम हजरत अब्दुल्लाह बिन अभी रईअ रदीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हुरयहका जिस वक्त जहुर हुया तो वो हजरत अली करमल्लाहो वजहलु के साथ थे. उनहोंने कडा अल्लाह के सिवा कोध हाकिम नहीं हजरत अलीने इरमाया, “ये हक जात है जिससे जातीलका धराहा किया गया है.”

रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व सललमने कुध निशानीयां अताध थी. उनहें में जभुभी जानता हुं और उन लोगोंमें उनकी निशानीयां पाध जाती है, वो अपनी जभानोंसे हक कहते हैं.

औई हक धससे (हलकसे) मुस्तजवज नहीं होता.

ओभेदने अपने हलककी तरफ़ धशारा कर के दिभाया और कहा, ये लोग अल्लाह त्वालाकी मज्जुकमें से अदतरीन है. इनमेंसे ओक शप्श शियाह रंगका है ओसका हाथ अकरी के थन या औरतकी पुस्तान के सरकी तरहां है. जभ हजरत अली ओनसे कितालको अले तो इरमाया: ओस आदमीकी तलाश करो, ओसे दूढो. ओसे तलाश किया गया मगर वो नहीं मिला इरमाया, “इसको फिर जाकर तलाश करो.”

अभुदा ना मैंने ओठ ओला है, ना मुझे ओठ अताया गया है, ये आत ओन्होंने दो, या तीन आर कही.

यहां तक के लोगोने ओसको ओक अंडहरमें दूढ लिया और ओसकी लाश लाकर हजरत अली के सामने रअ दी.

ओअ्यदुल्ला इरमाते है के, इस मौ के पर मैं वहां मौजूद था.

युनुसने अपनी रिवायतमें इतना जयादा कहा है के, मुझे ओक शप्शने अतायाके, इब्ने हुसैन अयान करते है के, मैंने इस शप्शको देआ.

२३६५ : हजरत अबु अर रदीअल्लाह रसूलल्लाह सलल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया, “मेरे आद मेरी ओम्मतमें ओसी कौम जाहिर होगी ओ ओसा कुरआन पढ़ेगी के ओन के कुरआन पणहने के सामने तुम्हारी कुरआन पणहने की कोष हैसीयत ही ना होगी, ना ओन के रोओ के सामने तुम्हारे रोओकी कुष हैसीयत होगी, वो ये सभअर कुरआन पढ़ेगे के ये ओन के लिये मुक़िद है. लेकिन वो ओन के लिये मुदर होगा, नमाअ ओन के गले के नीचे नहीं ओतर शकेगी. और वो इरलाभसे ओसे निकल जायेंगे ओसे तीर शिकारसे निकल जाता है. फिर वो दीनमें लौट कर नहीं आयेंगे. ये मज्जुके अुदामें सअसे अदतरीन लोग होंगे.”

इब्ने शाबित अयान करते है के, इस के आद मैं राक़ेअ अिन ओमर और गिफ़ारीसे मिला ओ, हक़म गिफ़ारी के लाध है. और कहा, वो हदीष ओ मैंने हजरत अबु अर रदीअल्लाहसे इस तरहांसे सुनी है और ओन्होंने वो हदीष अयान की.

ओन्होंने कहा, मैंने रसूलल्लाह सलल्लाहो अलयहे व सल्लमसे अुद ये हदीष सुनी थी.

२३६६ : युसैर अिन अअ इरमाते है के, मैंने सुहैल अिन इन्तफ़ासे पुछा, “तुमने नबी सलल्लाहो अलयहे व सल्लमसे अ्वारीअका अिक सुना है.” ओन्होंने कहा, “हां ! मैंने सुना है” और अपने हाथसे मशरीककी तरफ़ धशारा कर के कहा, “वो अपनी जअानोंसे कुरआन मज्जुक पढ़ेगे और मगर वो ओन के हलकसे नहीं ओतरेगा. और दीनसे ओसे निकल जायेंगे ओसे तीर शिकार से.”

२३६७ : ओक और सनदसे ली ओसी ही रिवायत है.

२३६८ : सुहैल अिन इनीफ़ा इरमाया, “मशरीककी तरफ़से ओक कौम निकलेगी ओन के सर भूडे होंगे.”

भाष ३०६ :- रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व आलेही वसल्लम

और आपकी आल पर अक़ातका हुराम होना.

२३६६ : हजरत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, हजरत हुसन बिन अली रहीअल्लाहो अन्होने सफ़ेकी अजुरोमेंसे ओक अजुर लेकर अपने मुंहमें डाल ली तो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने ओन्हें कहा के, “धसे ईक हो, क्या तुम्हें नहीं मालूम के हम धसे नहीं आते. ”

२३७० : ओक और सनहसे भी ये रिवायत मन्कुल है, धसमे ये है के, “ हमारे लिये सफ़का हलाल नहीं है. ”

२३७१ : ओक और सनहसे भी ये रिवायत मन्कुल है, धसमे ये है के, “हम सफ़का नहीं आते. ”

२३७२ : हजरत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “मैं अपने घर जाता हुं और यहां अपने बिसतर पर ओक अजुर पडी हुं देभता हुं धसे जाने के लिये उठाता हुं फिर ओसे (मैं) भुह भुहसे ईक देता हुं के कहीं ये अजुर सफ़ेकी ना हो. ”

२३७३ : हजरत अबु हुसैरह रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “जाभुदा, मैं अपने घर लौटता हुं यहां अपने बिसतर पर ओक अजुर पडी हुं देभता हुं धसे जाने के लिये उठाता हुं फिर ओसे (मैं) भुह भुहसे ईक देता हुं के कहीं ये अजुर सफ़ेकी ना हो.

२३७४ : हजरत अनस बिन मालिकसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमने ओक अजुर पाध आपने इरमाया, “अगर ये सफ़ेकी ना होती तो मैं आ लेता. !

२३७५ : हजरत अनस रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “रास्तेमें ओक अजुरके पास से गुजरे तो आपने इरमाया, “अगर ये सफ़ेकी ना होती तो मैं आ लेता. ”

२३७६ : हजरत अनस रहीअल्लाहो अन्होने इरमाया, “रास्तेमें ओक अजुरके पास से गुजरे तो आपने इरमाया, “अगर ये सफ़ेकी ना होती तो मैं आ लेता. ”

२३७७ : अबुदुल मुतलिब बिन राबीअ बिन हारिषसे रिवायत है के, राबेअ बिन हारीष और अब्बास बिन अबुदुल मुतलीब रहीअल्लाहो अन्हो जमा हुये और ओन्होंने कहा, “जाभुदा ! अगर हम धन लाखें (अबुदुल मुजलीस और इजल बिन अब्बास को) ओ रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमकी भिदमतमें भेज दे और ये दोनो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्यहे व सल्लमसे अर्ज करे के आप ओन दोनोंको अक़ात वसुल करने पर आमिल बना दें. और ये दोनो आपको धस तरहां लाकर दे जस तरहां और (लोग) लाकर देते है. और जो और लोगोंको मिलना है वो धन लोगोंको भी मिल जायें. ”

धसी अश्नाअमें हजरत अली बिन अबु तालीबभी आकर अडे हो गये ओन्होंने हजरत अलीसे भी धसी बातका जिक् किया. हजरत अलीने इरमाया, “अैसे मत करो, आप अैसे तरहां करनेवाले नहीं है. ”

ओस पर राबेअ बिन हारीष हजरत अलीको बुरा भला कहेने लगे और कहा के “भुदाकी कसम के तुम सिई हसडे के बुनियाह पर अैसा कहे रहे हो. तुम्हें रसूलुल्लाह

सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमका दाभाह होनेका सई हासील है हम तो इस बिना पर तुमसे हसद नहीं करते. ” हजरत अलीने कहा, “ अच्छा ! तिन दोनोंको रवाना करदो. ”

हम दोनों चले गये और हजरत अली लेट गये.

जब रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम ज़ेहरकी नमाजसे शरीग हुये तो हम आपसे पहले हुजरेमें जा पहुँचिये और आप के तशरीक लाने तक हुजरे पास भेडे रहे.

आप तशरीक लाये और हम दोनों के कान पकडे और इरमाया, “जो तुम्हारे दिलमें है उसे बता दो. ”

फिर आप ओर हम हुजरेमें गये, उस दिन आप हजरत जयनज्ज बिनते जहस रहीअल्लाहो अन्हा के यहाँ थे. हमने अक दूसरेसे जात करनेकी कहा, शीर हममेंसे अकने गुकतगुकी और कहा, या रसूलुल्लाह ! आप सबसे ज्यादा अहेसान और सिलारहेमी करनेवाला है. और हम निकाह के काबिल हो गये है.

हम आप के पास इसलिये आये है के, आप हमें जयज्ज सहकात पर आमिल बना दें, हम भी आपको माल वसूल कर के लाकर देंगे जैसाकी और लोग लाकर देते है. और हमको भी इसमेसे इसी तरहां हजर मिल जाये जैसा और लोगोंको मिलता है.

राभेअ कहेते है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम काही देर तक आभोश रहे. यहाँ तक के हमने धरादा किया के हम आपसे इस बारेमें जात करें और हजरत जयनज्ज हमें परहे के पीछेसे जात नहीं करनेका धशारा कर रही थीं.

राभेअ कहेते हैं फिर हुजुरने इरमाया, “आले मुहम्मदको सहका इस्तेमाल नहीं करना चाहिये क्युं के ये लोगोंका मैल होता है. तुम महभियाको बुलाओ. ” वो जुम्स पर माअमूर थे. “ और तुफैल बिन हारिष बिन अब्दुल मुत्तलिबको बुलाओ. ”

वो दोनों आ गये तो आपने महभियासे इरमाया, “तुम अपनी लडकीका निकाह इस लड के इजल बिन अब्बास रहीअल्लाहसे कर दो. ”

उन्होंने अपनी लडकीका इससे निकाह कर दिया. और तुफैल बिन हारिषसे इरमाया, “इस लडकेसे अपनी लडकीका निकाह कर दो, उन्होंने अपनी लडकीका निकाह मुजसे कर दिया. ”

और आपने महभियासे इरमाया, “इतको इतना इतना महुर जुम्ससे दे दो. ”

जहरीसे रिवायत है के, रावीने मुजसे महुरका जयान नहीं किया.

२३७८ : अब्दुल मुतलीब बिन राभेअ बिन हारिषसे रिवायत है के, इत के वालीद राभेअ बिन हारिष और हजरत अब्बास बिन अब्दुल मुत्तलिबने अब्दुल मुत्तलिब बिन राभेअ और इजलसे कहा के तुम दोनों रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लम के पास जाओ और जाकी हदीष हरजे साबिक जयान की और इसमें ये धज्जक है के, हजरत अलीने अपनी आहर बिछाध फिर उस पर लेट गये और इरमाया, “अबुल हसन और जुदाकी इसमें वक्त तक अपनी जगाहसे नहीं हदुंगा. जब तक तुम्हारे भेडे इस जातका जवाब लेकर ना लौटें के तुमने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमको कहेला कर लेजा है. ” और इस हदीषमें ये भी है, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने हमसे

इरमाया, “ये सद्क़ात लोगों के मौल हैं और ये मुहम्मद सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी आल के लिये ज़ाहज़ नहीं हैं.”

इर आपने इरमाया, “महमिया बिन ज़ाक़ो मेरे पास बुला कर लाओ वोह अनु असहमेंसे जैसे शरूश थे ज़ुन्हें रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने ज़ुम स वसूल करने के लिये आमिल बनाया था.

आय ३०७ :- रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम अनु हासिम

और अनु अब्दुल मुत्तलिब के लिये हदियोंका जवाज़.

२३७९ : नबी सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमकी जवाज़ा हज़रत जुवैरीयह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम उन के पास तशरीफ़ लाओ और पुछा, “कुछ जाना है ?”

हज़रत जुवैरीयहने कहा, “या रसूलुल्लाह ! इस अकरीकी अेक हज़ी के सिवा हमारे पास कुछ नहीं है. ज़ो मेरी आज्ञा करदा ज़ाहीने अपने सद्क़ेसे ज़रीही थी.”

आपने इरमाया, “इसकी ले आओ क्युं के सद्क़ा अपनी जगह पहोंच चुका है.”

२३८० : अेक और सनहसे भी ये रिवायत मन्कुल है.

२३८१ : हज़रत अनस रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, हज़रत ज़रीरह रहीअल्लाहो अन्हाको कुछ गोश्त सद्क़ा दिया गया था. उनहींने वो रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमको हदिया किया.

आपने इरमाया, “ये गोश्त ज़रीरह के लिये सद्क़ा था, हमारे लिये हदिया है.

२३८२ : हज़रत आअेशह रहीअल्लाहो अन्हाकी ज़िदमतमें कुछ गायोंका गोश्त आया और आपकी जताया गया के ये गोश्त हज़रत ज़रीरह पर सद्क़ा किया गया था. आपने इरमाया, “ये उन के लिये सद्क़ा था और हमारे लिये सद्क़ा है.”

२३८३ : हज़रत आअेशह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, ज़रीरहमें तीन जातें थी. लोग ज़रीरह पर सद्क़ा करते थे और हमारे लिये वो हदिया होता था. मैंने नबी सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमसे इसका ज़िक़ किया तो आपने इरमाया, “ये उस पर सद्क़ा है और तुम्हारे लिये हदिया है तो तुम उसे जा लियां करो.”

२३८४ : अेक और सनहसे भी हज़रत आअेशह रहीअल्लाहो अन्हासे जैसे ही हदीष भरवी है.

२३८५ : अेक और सनहसे भी हज़रत आअेशह रहीअल्लाहो अन्हासे जैसे ही हदीष भरवी है. मगर उसमें ये है के, “वो हमारे लिये हदिया है.”

२३८६ : हज़रत उममे अतियह रहीअल्लाहो अन्हासे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमने मेरे पास सद्क़ा गोश्त हज़रत आअेशा के पास भेज दिया. जब रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे व आलेही वसल्लम हज़रत आअेशा के पास आओ तो पुछा, “तुम्हारे पास कुछ जाना है ?”

बिन्होंने कहा, नहीं अलफत्ता बिम्मे अतियाने बकरीसे कुछ गोस्त लेजा है जो आपने बिन्हें दी थी.

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमने इरमाया, “वो अपनी जगा पहोंच चुकी है.”

२३८७ : हजरत अबु हुरैरह रहीअल्लाहो अन्हो के पास जभ जाना लाया जाता तो आप इस के बारेमें पुछते अगर बताया जाता के ये हदिया है तो आप भा लेते और अगर कहा जाता के ये सफका है तो ना पाते.

बाब ३०८ :- सफका लानेवालेको दुआ देना.

२३८८ : हजरत अबुल्लाह बिन अली और रहीअल्लाहसे रिवायत है के, जभ रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लम के पास कोछ जभाअत सफका लेकर आती तो आप इरमाते, अय अल्लाह ! धन पर सलात नाजिल इरमा (रहेमत नाजिल कर). (अल्लाहुम्म सल्ली अललयहिम)

जभ मेरे वालीह अबु और सफका लेकर आये तो आपने दुआ की, अय अल्लाह अबु औरकी औलाह पर सलात नाजिल इरमा. २३८९ : अक और रिवायतसे भी औसी रिवायत मन्कुल है. और इसमें (सिर्फ) सल्ली अललयहिम है.

बाब ३०९ :- अकत वसुल करनेवालेको राण रचना

२३९० : हजरत जरीर बिन अबुल्लाह रहीअल्लाहो अन्होसे रिवायत है के, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अललयहे व सल्लमने इरमाया, “जभ तुम्हारे पास अकत वसुल करनेवाला आये तो बिसे तुम्हारे पाससे राण होकर जाना आहिये.”

शुक अललहुम्लिल्लाह..

२७७

२७७ना इकिरलना जूनू-बना व कइ-किर अन्ना सथिये आतिना

व तवई-ईना म-अल अबरार.

परवरदिगार बप्श दे हमारे गुनाहोंको और भीटा दे हमारे गुनाहोंको
और वक़ात दे हमको नेक किरदारों के साथ.

२७७ना व आतिना मा वअतना अला रुसुलि-क.

वला तुफ़िअना यौमल कियामहू धन्नक ला तुफ़िलक़ल भीआह.

परवरदिगार दे हमको जो तूने हमसे वादा इरमाया अपने रसूलों पर
और न इस्वाएँ दे हमको कियामतके दिन बेशक तू नहीँ भिलाइ करता वादा का.

२७७ना आभन्ना इकतुब्ना भअश्शाहिदीन.

अय हमारे परवरदिगार हमने मान लिया तो हमको लिप ले गवाहोंमें.

२७७ना अन्जिल अलैना माई-ह-तम भिनस सभाई तक़्नु

लना ईदल लि-अव्वलिना व आभिरिना

व आ-यतम भिन्क वजुक-ना व अन-त भैरु राजिकीन

हमारे परवरदिगार उतार दे हम पर प्वान आस्मानसे की हमारे लीअे ईद ही जाअे,
हमारे अगलों और पिछलों सबके लीअे और अेक निशानी तेरी तरईसे
और हमें रोज़ी दे और तू सबसे बणहू कर रोज़ी देनेवाला है.

२७७ना जलम्ना अन्कुसना व-ईल लम तकिर लना

व-तरहम्ना ल-नकूनन-न भि-नल फ़ासिरीन.

अय हमारे परवरदिगार हमने अपना बना बिगाण डाला और
अगर तूने बप्शा हमको और रहम न इरमाया हम पर तो हम होंगे घाटेवालोंसे.

२७७ना ला तज-अदना म-अल कौभिज जालिमीन.

परवरदिगार न कर हमको जालिम कौम के साथ.

२७७न इ-तहू भै-नना व भै-न कौभिना बिदहकिक

व-अन्त भैरुल इतिहीन.

परवरदिगार भोल दे हमारे और हमारी कौमके दरभ्यान हक और तु बेहतर फ़ातेह है.

२७७ना अइ-रिग अलैना सब-रंव व-त-वईईना मुस्लिमीन.

परवरदिगार उँउल दे हम पर सभ्रको और भात्मा कर हमारा मुसलमान ही.

२७७ना ला तज-अदना किन्-तल लिल कौभिज-जालिमीन

व-नजिजना बि-रहूमति-क भि-नल कौमिल काकिरीन.

परवरदिगार मत बना हमको किन्ना जालिम कौम के लीअे

और नजात दे हमको अपनी रहमतसे काईर लोगोंसे.

२७७ना व-त क़ुबुल हुआअ.

परवरदिगार और कुबुल इरमा ले मेरी हुआ.

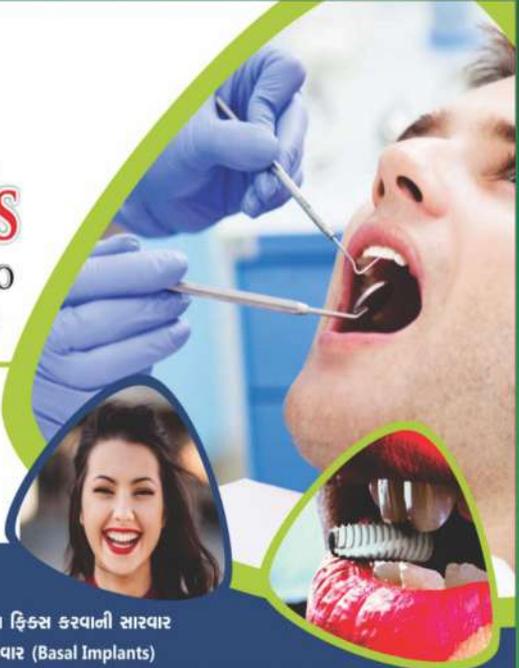


DR. WAJID'S DENTAL STUDIO

Clinic For Dental Implants, Smile Design
& All Advanced Treatments

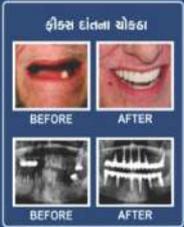
ડૉ. વાજુદ અલી એમ. સૈયદ

કન્સલ્ટન્ટ ઓરલ ઈમ્પ્લાન્ટોલોજિસ્ટ,
ડેન્ટલ સર્જન , ૧૬બામાં ફીક્સ સ્ટુલા નિષાંત
મો : ૮૮૬૬૫ ૩૨૩૦૩ / ૯૦૯૯૫ ૩૨૩૦૩
(પહેલા થી ઓપોઈન્ટમેન્ટ લઈને આવવું.)



ઉપલબ્ધ સારવાર

- ઈમ્પ્લાન્ટ (ફીક્સ સ્ટુ) દ્વારા દાંત અને ચોકઠા ફિક્સ કરવાની સારવાર
- ૭૨ કલાકમાં ૪ ફીક્સ દાંતના ચોકઠાની સારવાર (Basal Implants)
- હાડકુ ના હોય ત્યાં હાડકાનો પાવડર નાખી, નવું હાડકું ઉગાવી સ્ટુ દ્વારા દાંત/ચોકઠા ફીક્સ કરવાની સારવાર
- રોટરી આર.સી.ટી (રૂટ કેનાલ ટ્રીટમેન્ટ) - મૂળિયાની સારવાર (By International Standard)
- પાયોરિયાની અને સામાન્ય હલતા દાંતને બ્રાંધીને પડી જતા અટકાવવાની સારવાર (ફલેપ સર્જરી) - લેસર ટેકનોલોજી
- માઈક્રોસ્કોપ દ્વારા લાઈવ સારવાર જોવાની સુવિધા અને નાનામા નાની તકલીફની સારવાર
- દુખાવા વગર હટાવણી દાટ, મુળિયા અને દાંત કાઢવાની સારવાર
- મેટલ, સીરામિક અને ટેપાચ નહિ તેવા બ્રેસીસથી વાંકાચુકા દાંતની સારવાર
- નાના બાબકોના દાંતની સારવાર, બાબકોના આદત છોડાવાની સારવાર (Habit Breaking)
- પાન, માવા, ગુટકાથી ઓછા ખુલતા મોટાની ફરી પાછુ ખોલવાની સારવાર
- દાંતની નીચે થયેલ રસોળી તથા ગાંઠની સારવાર
- મેટલ, ગોલ્ડ, સિરામીક, ટ્રિકોનીયા મટીરીયલ્સ થી દાંત ફીક્સ કરવા
- સડેલા તથા તુટેલા દાંતમાં દાંતના કલરનું ફીલીંગ
- દાંત પરના કાચ-ધબ્બા દુર કરવા દાંત પર ઓર્થોડોન અને વિનિયરની સારવાર
- દાંતના X-Ray ની આધુનિક ટેકનોલોજી
- ઈન્ફેક્શન ન થાય તે માટે ઈન્ટનેશનલ સ્ટેરીલાઈઝેશન પ્રોટોકોલ મુજબ સાધનોની સાફ્સફાઈ
- Smile Designing , Hair Implants, PRP Treatment, Botox, Derma-filler, Tattoo remover, Lip Reconstruction & Other Cosmetics Treatment Also Available



ઘસાયેલા દાંતની સારવાર



વાંકાચુકા દાંતની સારવાર



પાયોરિયાની સારવાર



નાના બાબકોની સારવાર



એ-૧૨૫, પહેલા માળે, હોન્ડા શો-રૂમની ઉપર, મોતી બેકરી પાસે, રોયલ નવાબ એવન્યુ , જુહાપુરા, અમદાવાદ-૫૫.